वर्ष 69 अंक 147 पृष्ठ 12
भोपाल, मंगलवार 24 फरवरी, 2026
फाल्गुन शुक्ल पक्ष 07, विक्रम संवत् 2082
महानगर मूल्य 5 रुपए

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

देने के लिए दान, लेने के लिए ज्ञान और त्यागने के लिए अभिमान सर्वश्रेष्ठ है।
-अज्ञात

ऑफ बीट

फरहान की 'बूंग' ने बाफ्टा में रचा इतिहास

चिल्ड्रन्स एंड फैमिली कैटेगरी में जीता बेस्ट फिल्म का अवॉर्ड

79वें बाफ्टा अवार्ड 2026 में मणिपुरी फिल्म 'बूंग' ने इतिहास रचते हुए 'चिल्ड्रन्स एंड फैमिली फिल्म' कैटेगरी में बेस्ट फिल्म का अवॉर्ड अपने नाम कर लिया। इस उपलब्धि के साथ फिल्म ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। फिल्म के निर्माता फरहान अख्तर, रितेश सिधवानी, निर्देशक लक्ष्मीप्रिया देवी और एलन मैकएलेक्स अवॉर्ड समारोह में मौजूद रहे। सम्मान की घोषणा होते ही पूरी टीम भावुक नजर आई। 'बूंग' ने इस प्रतिष्ठित श्रेणी में हॉलीवुड और अंतरराष्ट्रीय सिनेमा की चर्चित फिल्मों 'जोटोपिया 2', 'लिलो एंड स्टिच' और 'आर्को' को पीछे छोड़ते हुए यह खिताब जीता। 'बूंग' 2024 में रिलीज हुई थी। यह मणिपुर की एक भावनात्मक कहानी है।

टी-20 वर्ल्ड में आज

सुपर-8 के मुकाबले

इंग्लैंड बनाम पाकिस्तान

समयः शाम 7.00 बजे से

प्रसारणः जियो हॉट स्टार और स्टार स्पोर्ट्स

राहुल नहीं 'इंडिया' की लीडर ममता बनें: अय्यर

कोलकाता, जेएनएन। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर ने इंडिया गठबंधन की अगुवाई को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को गठबंधन का नेतृत्व छोड़कर क्षेत्रीय दलों के नेताओं को मौका देना चाहिए। उनके मुताबिक, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इस गठबंधन की स्वाभाविक लीडर हो सकती हैं। अय्यर ने कहा, 'ममता इस गठबंधन की लीडर हैं। उनके अलावा भी दो-चार नेता हैं जो यह जिम्मेदारी निभा सकते हैं।' उन्होंने सुझाव दिया कि राहुल की बजाय ममता बनर्जी, स्टालिन, अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव या अन्य क्षेत्रीय चेहरो को नेतृत्व की जिम्मेदारी दी जानी चाहिए। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने अय्यर के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि हर किसी को अपनी राय रखने का अधिकार है।

हाई कोर्ट ने वापस ली राहत

अनिल अंबानी को 'फ्रॉड' घोषित कर सकेंगे बैंक

मुंबई, जेएनएन। बॉम्बे हाईकोर्ट ने रिलायंस समूह के चेयरमैन अनिल अंबानी को मिली अंतरिम राहत रद्द कर दी है। इसके बाद बैंक अब 40 हजार करोड़ रुपये के कथित बैंक धोखाधड़ी मामले में उन्हें और उनकी कंपनियों के खातों को 'फ्रॉड' घोषित करने की प्रक्रिया आगे बढ़ा सकेंगे। दिसंबर 2025 में हाईकोर्ट की एकल पीठ ने अंबानी के खातों को फ्रॉड घोषित करने की प्रक्रिया पर रोक लगा दी थी। यह रोक अब हटा ली गई है। एसबीआई ने एक फॉरेंसिक ऑडिट रिपोर्ट के आधार पर अंबानी के खातों को फ्रॉड की श्रेणी में डालने की कार्रवाई शुरू की थी। इस कदम को अनिल अंबानी ने अदालत में चुनौती दी। उनका तर्क था कि बैंकों ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा तय सिद्धांतों और प्रक्रिया का पालन नहीं किया।

लाड़ली बहना योजना पर विधानसभा में हंगामा, कांग्रेस ने किया बहिर्गमन

नए पंजीयन का प्रस्ताव विचाराधीन नहीं, तिथि भी नहीं बता सकते: मंत्री

जागरण, भोपाल। सोमवार को विधानसभा में लाड़ली बहना योजना पर हंगामा हुआ। कांग्रेस ने नई पात्र महिलाओं को शामिल करने के लिए पंजीयन शुरू करने की मांग करते हुए सरकार से जवाब मांगा। इस पर महिला बाल विकास विभाग मंत्री निर्मला भूरिया ने कहा कि इसका कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है और नए पंजीयन की तिथि बताना भी संभव नहीं है। कांग्रेस के सदस्यों ने जवाब पर नाराजगी जताते हुए सरकार को घेरना शुरू कर दिया। हंगामे के बीच मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने सदन में कहा कि हमने अपने घोषणा पत्र में कहा है कि 5 साल के अंदर वर्ष 2028 तक 3 हजार रुपए की राशि प्रति बहन हम देने वाले हैं। हम देकर रहेंगे। मगर नए पंजीयन के संबंध में कोई जवाब न आने पर कांग्रेस ने सदन से बहिर्गमन कर दिया। सदन में हंगामे की यह स्थिति सोमवार को प्रश्नकाल के दौरान बनी। कांग्रेस के महेश परमार ने पूछा कि लाड़ली बहना योजना में नई महिलाओं को शामिल करने के लिए सरकार ने क्या निर्णय लिया है। ऐसी पात्र महिलाओं को योजना का लाभ दिलाने के लिए नए पंजीयन कब से शुरू किए जाएंगे। सरकार ने बताया कि जनवरी 2026 तक लाडली बहना योजना पर राज्य सरकार 49412 करोड़ रुपए खर्च कर चुकी है। इसमें फरवरी में लाड़ली बहनों के खाते में भेजी गई राशि शामिल नहीं है। 4 लाख 38 हजार ■ शेष पृष्ठ 9 पर

कांग्रेस सदस्यों ने बहिर्गमन किया और सदन के बाहर नारेबाजी की।

सदन में मुख्यमंत्री बोले- 2028 तक देंगे 3 हजार

विपक्ष के सवालों का जवाब देते हुए सीएम ने कहा, यह योजना एक हजार रुपए से शुरू की गई थी अब लगभग डेढ़ हजार रुपया महीना दिये जा रहे हैं। हमने घोषणा पत्र में कहा है कि 5 साल के अंदर, हम वर्ष 2028 तक 3 हजार रुपया प्रति बहन राशि देने वाले है और यह राशि देकर रहेंगे।' सीएम ने कबीर का एक दोहे के साथ कहा 'धीरज रखें, धीरे-धीरे सब होगा। आप चिंता न करें।'

5 लाख बहनें हुईं कम

एक प्रश्न के लिखित जवाब में सरकार ने बताया है कि जून 2023 को योजना में कुल पंजीकृत पात्र महिलाओं की संख्या 1 करोड़ 25 लाख 6,186 थी। जनवरी 2026 में यह 1 करोड़ 25 लाख 31,286 है। यानी ढाई साल में 5 लाख 77 हजार 474 महिलाएं अपात्र हो गई हैं। इनमें सबसे बड़ा कारण 60 वर्ष आयु होना है।

उड़द पर बोनस देगी राज्य सरकार सरसों पर भी भावांतर की घोषणा

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को विधानसभा में बड़ी घोषणा की। उन्होंने कहा कि किसानों को उड़द की ग्रीष्मकालीन फसल पर 600 रुपए प्रति क्विंटल के हिसाब से बोनस दिया जाएगा, जो न्यूनतम समर्थन मूल्य के अतिरिक्त होगा। साथ ही उन्होंने कहा कि सरसों का पर भावांतर योजना के तहत कृषकों को उपज का उचित मूल्य दिलाने का निर्णय लिया गया है। कृषक कल्याण वर्ष पर सदन में वक्तव्य के दौरान उन्होंने 5 प्रमुख फसलों को लेकर घोषणा की। सीएम ने कहा कि सरसों के रकबे में तकरीबन 28 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और अनुमानित उत्पादन 15.71 लाख मैट्रिक टन है। बीते जनवरी में सरसों की मंडी दरें औसतन 6 हजार रुपए प्रति क्विंटल है। इसकी एमएसपी केंद्र द्वारा 62 सौ रुपए प्रति क्विंटल की है। सरसों पर भावांतर के लिए राज्य सरकार ने केंद्र को एक प्रस्ताव भेजा है। सीएम ने कहा कि प्रदेश में चना एवं मसूर की फसल को प्राइस सपोर्ट स्कीम के तहत चने के लिए 6.49 लाख मीट्रिक टन एवं मसूर के लिए 6.01 लाख मीट्रिक टन उपार्जन का प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा गया है। प्रदेश में तुअर का प्राइस सपोर्ट स्कीम अंतर्गत नाफेड एवं एनसीसीएफ से सीधे उपार्जन के लिए 1.31 लाख मीट्रिक टन का प्रस्ताव भेजा जाएगा।

सीएम ने कहा कि हम किसान कल्याण वर्ष के दौरान किसानों के सशक्तिकरण और सर्वांगीण विकास की दिशा में लगातार काम कर रहे है। मूल्य नीति के पीछे हमारी मंशा यह है कि किसानों को उनकी उपज की लाभकारी कीमत मिल सके। इससे प्रदेश में सरसों के उत्पादन को प्रोत्साहन मिलेगा। सरसों को न्यूनतम समर्थन मूल्य से कम राशि मिलने पर उसकी प्रतिपूर्ति के लिए योजना प्रस्तावित की गई है। भावांतर योजना के तहत पंजीकृत किसानों के सरसों के रकबे एवं राज्य की औसत उत्पादकता के मान से किसानों को पात्रतानुसार भुगतान किया जाएगा। सीएम ने कहा कि मध्यप्रदेश में दहलन फसलों के लिए संतुलित उत्पादन, किसानों की आय में वृद्धि, फसल विविधीकरण को बढ़ावा दिया जा रहा है। ग्रीष्मकालीन मूंग फसल का अधिक उत्पादन होने से उत्पन्न, उपार्जन तथा विपणन समस्याओं के निराकरण की चुनौतियों की वजह से सरकार उड़द पर फोकस कर रही है।

ग्राम रोजगार सहायकों के तबादले-बर्खास्तगी पर रोक

हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से 4 हफ्ते में मांगा जवाब

जागरण, जबलपुर। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने सोमवार को ग्राम रोजगार सहायक मार्गदर्शिका 2025 पर भी रोक लगा दी है। हाईकोर्ट ने सरकार को निर्देश दिया है कि आगामी आदेश तक किसी भी रोजगार सहायक का तबादला और बर्खास्तगी नहीं की जाएगी। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को नोटिस जारी कर चार सप्ताह में जवाब मांगा है। हाई कोर्ट के इस आदेश से राज्य के करीब 23 हजार से अधिक रोजगार सहायकों को राहत मिलेगी। अधिवक्ता गोपेश तिवारी ने बताया कि हाईकोर्ट ने सरकार की मार्गदर्शिका के क्रियान्वयन पर पूरी तरह से रोक लगा दी है।

यह आदेश मनरेगा कमिश्नर, प्रमुख सचिव, वल्लभ भवन और हर जिले के कलेक्टर को भेजा जा रहा है, ताकि कहीं भी रोजगार सहायक का तबादला ना हो सके। अधिवक्ता तिवारी के मुताबिक राज्य सरकार ने एक नई मार्गदर्शिका जारी कर रोजगार सहायकों की बर्खास्तगी और तबादला नीति निर्धारित की थी। हालांकि, इस नीति का क्रियान्वयन अभी तक प्रारंभ नहीं हुआ है। इसी बीच रोजगार सहायकों ने हाईकोर्ट में स्थानांतरण नीति और सेवा समाप्ति से संबंधित शर्तों को चुनौती दी थी। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने याचिका में सुनवाई की और मार्गदर्शिका 2025 पर रोक लगा दी।

दरअसल, देश में रोजगार गारंटी योजना लागू होने के बाद ग्रामीण स्तर पर कार्यों की मॉनिटरिंग और मजदूरों का रिकॉर्ड रखने के लिए रोजगार सहायकों की भर्ती की गई। मप्र में उस वक्त शिवराज सिंह चौहान की सरकार थी। राज्य में लगभग 25 हजार पदों पर भर्ती की गई। प्रारंभिक चरण में रोजगार सहायकों को प्रतिमाह 9 हजार रुपए मानदेय निर्धारित किया गया था। बाद में सरकार ने यह महसूस किया कि निर्धारित मानदेय कार्य की तुलना में कम है। इसके बाद दो अन्य मदों के माध्यम से अतिरिक्त 9 हजार रुपए जोड़ दिए गए। ग्रामीण स्तर पर कई ग्राम सचिवों को कंप्यूटर संचालन का अनुभव सीमित होने के कारण पंचायतों में डिजिटल कार्यों और ऑनलाइन प्रविष्टियों की जिम्मेदारी रोजगार सहायक ही निभा रहे हैं।

भर्ती में कंप्यूटर संबंधी योग्यता को दी प्राथमिकता

इस तरह रोजगार सहायकों का मासिक मानदेय बढ़ाकर 18 हजार रुपए प्रतिमाह कर दिया गया। अधिकांश रोजगार सहायकों की नियुक्ति उनके पैतृक या निवास ग्राम में ही की गई थी। भर्ती प्रक्रिया में कंप्यूटर संबंधी योग्यता को प्राथमिकता दी गई थी। चयन के लिए 12वीं कक्षा के प्राप्तांक और पीजीडीसीए जैसी कंप्यूटर डिग्री को आधार बनाया था। वर्तमान में भी अधिकांश रोजगार सहायक उसी ग्राम पंचायत में कार्यरत हैं, जहां उनकी नियुक्ति हुई थी।

नीट-पीजी 2025: कट-ऑफ में बड़ी कटौती

गुणवत्ता पर असर की जांच की जाएगी: सुप्रीम कोर्ट

कोर्ट की टिप्पणी: जस्टिस नरसिम्हा ने कहा कि भले ही नीट-पीजी, एमबीबीएस में प्रवेश जैसा नहीं है और सभी अभ्यर्थी पहले से डॉक्टर हैं, लेकिन कट-ऑफ में इतनी बड़ी कमी के असर पर विचार करना जरूरी है।

नई दिल्ली, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट ने नीट-पीजी 2025-26 की क्वालिफाइंग कट-ऑफ में भारी कमी पर चिंता जताई है। कोर्ट ने कहा है कि वह जांच करेगा कि इस फैसले से पोस्टग्रेजुएट मेडिकल शिक्षा की गुणवत्ता पर कोई असर पड़ता है या नहीं। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की खंडपीठ इस कट-ऑफ को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी।

मामले की अगली सुनवाई 24 मार्च को होगी। सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने कहा कि यह फैसला खाली सीटों को ध्यान में रखकर लिया गया। उन्होंने बताया कि नीट-पीजी का मकसद न्यूनतम योग्यता जांचना नहीं है, क्योंकि सभी उम्मीदवार पहले से एमबीबीएस डिग्रीधारी डॉक्टर हैं। यह परीक्षा सिर्फ सीमित सीटों के लिए मेरिट के आधार पर चयन करने के लिए होती है। फीस के अंतर पर केंद्र ने कहा कि राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) ने फीस को लेकर नियम बनाए हैं। इनके मुताबिक निजी कॉलेजों की फीस राज्य के सरकारी कॉलेज की फीस से 50 प्रतिशत से अधिक नहीं हो सकती। याचिकाकर्ताओं ने दावा किया कि यदि ऐसा है तो निजी कॉलेज नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं।

कोर्ट ने कहा कि अदालत की सबसे बड़ी चिंता शिक्षा की गुणवत्ता है। सरकार को यह बताना होगा कि कट-ऑफ को लगभग शून्य तक घटाने से गुणवत्ता पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ेगा।

याचिकाकर्ताओं का कहना है कि शून्य या नकारात्मक अंक तक कट-ऑफ घटाना मनमाना फैसला है और इससे चिकित्सा शिक्षा के मानक कमजोर हो सकते हैं।

फीस में भारी अंतर

याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ वकील गोपाल शंकरनारायणन ने मेडिकल कॉलेजों की फीस में भारी अंतर का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि सरकारी मेडिकल कॉलेजों की फीस 9 हजार से 27 हजार रुपये तक है, जबकि निजी कॉलेजों में यह 95 लाख से 1.5 करोड़ रुपये तक पहुंच जाती है। उनका कहना था कि 50वें पर्सेंटाइल तक करीब 1.3 लाख छात्र उपलब्ध हैं, लेकिन महंगी फीस के कारण वे निजी कॉलेजों में दाखिला नहीं ले पाते। उन्होंने निजी कॉलेजों की फीस पर सीमा तय करने की मांग की।

यह है विवाद

यह विवाद 13 जनवरी 2026 को नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन्स इन मेडिकल साइंसेज के नोटिस के बाद शुरू हुआ। इसमें तीसरे काउंसलिंग राउंड के लिए न्यूनतम क्वालिफाइंग पर्सेंटाइल में बड़ी कमी कर दी गई थी।

राहुल गांधी और खरगे आज भोपाल आएंगे

विशेष संवाददाता, भोपाल। अमेरिका से हुई ट्रेड डील के खिलाफ कांग्रेस अपने आंदोलन का आगाज भोपाल से करेगी। इसके लिए भोपाल में मंगलवार को कांग्रेस किसान सम्मेलन का आयोजन करेगी। इसमें पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी शामिल होंगे। भोपाल के जवाहर चौक के समीप अटल पथ पर आयोजित किसान महासम्मेलन को खरगे और राहुल गांधी संबोधित करेंगे। इनके अलावा पार्टी के दूसरे बड़े नेता भी मौजूद रहेंगे।

तेजस क्रैश, 30 फाइटर जेट किये ग्राउंड

एचएएल ने कहा- मामूली तकनीकी खराबी थी, कोई हादसा नहीं हुआ

नई दिल्ली, जेएनएन। तेजस फाइटर जेट के कथित क्रैश की खबरों पर हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने स्पष्टीकरण जारी किया है। कंपनी ने कहा है कि विमान क्रैश नहीं हुआ था, बल्कि ग्राउंड पर मामूली तकनीकी खराबी आई थी। हवा में कोई हादसा नहीं हुआ।

एचएएल ने बताया कि वह भारतीय वायु सेना के साथ मिलकर तकनीकी गड़बड़ी की जांच कर रही है। कंपनी के मुताबिक, समस्या को जल्द दूर कर लिया जाएगा। एचएएल ने यह भी दावा किया कि तेजस का सुरक्षा रिकॉर्ड दुनिया के आधुनिक लड़ाकू विमानों में बेहतर माना जाता है। रिपोर्टों में दावा किया गया कि एहतियात के तौर पर तेजस के पूरे बेड़े को तकनीकी जांच के लिए अस्थायी रूप से ग्राउंड कर दिया गया है। यानी जांच पूरी होने तक विमान उड़ान नहीं भरेंगे।

वायुसेना की ओर से इस पर आधिकारिक बयान अभी तक सामने नहीं आया है। बताया जा रहा है कि वायुसेना के पास करीब 30 सिंगल-सीटर तेजस विमान हैं। गौरतलब है कि इससे पहले भी तेजस से जुड़ी दो बड़ी घटनाएं सामने आ चुकी हैं।

यह था दावा

इससे पहले एक समाचार एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से खबर दी थी कि 7 फरवरी को लैंडिंग के दौरान तेजस का ब्रेक फेल हो गया था। बताया गया कि विमान रनवे से आगे निकल गया और उसे नुकसान पहुंचा। हालांकि पायलट सुरक्षित बाहर निकल आया था। सूत्रों के अनुसार, यह घटना प्रशिक्षण उड़ान के बाद एयरबेस पर लौटते समय हुई। किस एयरबेस पर यह घटना हुई, इसकी जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई।

दिल्ली हाई कोर्ट की टिप्पणी: गृहिणी के काम का भी है आर्थिक महत्व

बेरोजगार पत्नी को 'आलसी' कहना नाइंसाफी

नई दिल्ली, जेएनएन। गुजारा भत्ता से जुड़े एक मामले में दिल्ली हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि बेरोजगार पत्नी को आलसी करार देना या उसके घरेलू कार्यों को महत्वहीन मानना नाइंसाफी है। अदालत ने कहा कि घर संभालना, बच्चों की देखभाल करना और परिवार के लिए समय व श्रम देना भी काम है, भले ही उसका सीधा आर्थिक लेन-देन न दिखे। यह टिप्पणी जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा ने अपने फैसले में की।

अदालत ने कहा कि गृहिणी 'खाली नहीं बैठती', बल्कि उसका योगदान ही कमाने वाले पति को अपने पेशेवर दायित्वों को सुचारू रूप से निभाने योग्य बनाता है। अदालत ने कहा कि विवाह के बाद अक्सर महिलाओं से नौकरी छोड़ने या करियर को प्राथमिकता न देने की अपेक्षा की जाती है। बाद में उसी आधार पर तर्क देना कि वह कमाने में सक्षम है, इसलिए उसे भत्ता न दिया जाए, यह सोच स्वीकार्य नहीं है।

हाईकोर्ट ने कहा कि घरेलू काम को 'नॉन-प्रोडक्टिव' मान लिया जाता है, जबकि वही काम बाहर से किसी को रखकर कराया जाए तो उसकी कीमत चुकानी पड़ती है। ऐसे में गुजारा भत्ता तय करते समय पत्नी के घरेलू योगदान को नजरअंदाज करना न्यायसंगत नहीं है।

यह है मामला

मामले में पत्नी ने आरोप लगाया कि 2020 में पति ने उसे और नाबालिग बेटे को छोड़ दिया। इसके बाद पत्नी ने घरेलू हिंसा कानून के तहत अंतरिम मेंटेनेंस की मांग की। मजिस्ट्रेट कोर्ट ने यह कहते हुए राहत देने से इनकार कर दिया था कि पत्नी शिक्षित और सक्षम है, लेकिन उसने नौकरी नहीं की।

सीबीएसई काउंसिल की चेतावनी

आयु आधारित डिजिटल नियम बनाए जाएं

कोच्चि, जेएनएन। नाबालिगों में बढ़ती डिजिटल निर्भरता और अनियंत्रित सोशल मीडिया पहुंच को लेकर नेशनल काउंसिल ऑफ सीबीएसई स्कूल ने चिंता जताई है। काउंसिल ने 16 वर्ष से कम आयु के छात्रों के लिए आयु-आधारित डिजिटल नियामक ढांचा तैयार करने और राज्य स्तर पर स्पष्ट दिशानिर्देश बनाने की मांग की है, जिससे सोशल मीडिया तक असुपरवाइज्ड पहुंच को सीमित किया जा सके। काउंसिल ने अपनी सिफारिशें देते हुए कहा कि बच्चों में डिजिटल ओवरएक्सपोजर खतरनाक स्तर तक बढ़ रहा है और इसके मनोवैज्ञानिक व सामाजिक दुष्परिणाम सामने आ रहे हैं।

तकनीक

कोयले की जगह ले सकता है फ्यूजन ऊर्जा का नया प्रोजेक्ट 'इन्फिनिटी वन'

बिल गेट्स बना रहे न्यूक्लियर फ्यूजन से 'कृत्रिम सूरज'

न्यूयॉर्क, जेएनएन। अमेरिका के टेनेसी राज्य में स्थित बुल रन फॉसिल प्लांट की ऊंची चिमनियां अब इतिहास बन चुकी हैं। छह दशक तक कोयले से बिजली बनाने वाला यह संयंत्र ध्वस्त कर दिया गया है। अब इसी जगह पर एक बिल्कुल अलग तरह की ऊर्जा परियोजना की तैयारी चल रही है न्यूक्लियर फ्यूजन यानी 'कृत्रिम सूरज' से बिजली बनाने की।

यह परियोजना बिल गेट्स समर्थित कंपनी टाइप वन एनर्जी की है। 29 जनवरी 2026 को कंपनी ने टेनेसी के नियामकों के पास अपना पहला बड़ा लाइसेंस आवेदन दाखिल किया। यह प्रोजेक्ट टेनेसी वैली अथॉरटी (टीवीए) के सहयोग से तैयार किया जा रहा है और इसका नाम 'इन्फिनिटी वन' रखा गया है। इन्फिनिटी वन एक पारंपरिक परमाणु संयंत्र नहीं, बल्कि 'स्टेलरेटर' मॉडल का फ्यूजन रिएक्टर होगा।

क्यों खास है फ्यूजन प्रक्रिया

फ्यूजन वही प्रक्रिया है जो सूरज को ऊर्जा देती है। इसमें हल्के परमाणु आपस में जुड़ते हैं और भारी मात्रा में ऊर्जा निकलती है। मौजूदा परमाणु बिजलीघर 'फिशन' तकनीक पर काम करते हैं, जिसमें परमाणुओं को तोड़ा जाता है। फ्यूजन इससे अलग और अपेक्षाकृत सुरक्षित माना जाता है, क्योंकि इसमें रेडियोधर्मी कचरा कम बनता है और बड़े पैमाने पर दुर्घटना का खतरा भी कम होता है।

सौर ऊर्जा का भी इस्तेमाल

फ्यूजन के अलावा, दुनिया भर में सौर ऊर्जा के क्षेत्र में भी बड़े पैमाने पर काम हो रहा है। भारत, चीन और अमेरिका जैसे देश विशाल सोलर पार्क बना रहे हैं। भारत में राजस्थान और गुजरात में बड़े सोलर प्लांट स्थापित किए गए हैं। छतों पर सोलर पैनल लगाने की योजनाएं भी तेजी से बढ़ रही हैं।

नए ऊर्जा स्रोतों की जरूरत

पृथ्वी की ऊर्जा जरूरतों के लिए इंसान कोयला, तेल और गैस जैसे जीवाश्म ईंधन पर निर्भर है, लेकिन यह सीमित हैं। इनसे जलवायु पर विपतरीत असर होता है। सौर ऊर्जा अक्षय है, यानी यह खत्म नहीं होगी। हर घंटे सूरज से पृथ्वी पर इतनी ऊर्जा आती है, जो दुनिया की सालाना जरूरत से भी ज्यादा है।

स्टेलरेटर बनाम टोकामक

दुनिया के कई देश 'टोकामक' नामक डोनट-आकार के फ्यूजन रिएक्टर पर काम कर रहे हैं। लेकिन स्टेलरेटर का डिजाइन अलग और अधिक जटिल होता है। इसमें मुड़े हुए, सटीक इंजीनियरिंग वाले मैग्नेटिक कॉइल्स का इस्तेमाल किया जाता है, जिससे प्लाज्मा ज्यादा स्थिर रह सके।

बदल सकता है ऊर्जा तकनीक का भविष्य

यदि फ्यूजन तकनीक व्यावसायिक रूप से सफल होती है, तो यह लगभग असीमित और स्वच्छ ऊर्जा का स्रोत बन सकती है। इससे कोयला आधारित बिजलीघरों की जरूरत कम होगी। ऊर्जा सस्ती और पर्यावरण के अनुकूल हो सकती है। हालांकि, फ्यूजन अभी प्रयोगात्मक चरण में है और इसे व्यावहारिक बनाने में समय लग सकता है। लेकिन दिशा स्पष्ट है दुनिया जीवाश्म ईंधन से हटकर स्वच्छ ऊर्जा की ओर बढ़ रही है। टेनेसी का यह 'कृत्रिम सूरज' प्रोजेक्ट इसी बदलाव का प्रतीक है। यदि सफल रहा, तो यह न सिर्फ अमेरिका, बल्कि पूरी दुनिया के ऊर्जा भविष्य को बदल सकता है।

हवाई किराया बढ़ाने पर सुप्रीम कोर्ट ने मांगा 4 हफ्ते में जवाब

सरकार बोली- मामले को हाईलेवल पर देख रहे

नई दिल्ली, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को त्योहारों और इमरजेंसी हालातों में प्राइवेट एयरलाइंस के हवाई किराए बढ़ाने को लेकर चिंता जताई है। कोर्ट ने कहा कि यह एक गंभीर चिंता का विषय है। वरना, हम 32 पिटीशन पर विचार नहीं करते। मामले में अगली सुनवाई 23 मार्च को होगी। केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि मिनिस्ट्री इस मुद्दे पर विचार कर रही है। इस पर जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने केंद्र और डीजीसीए को विचार करने और जवाब देने के लिए चार हफ्ते का समय दिया है। मामला एक जनहित याचिका से जुड़ा है, जिसमें प्राइवेट एयरलाइंस के त्योहारों के समय अचानक किराया बढ़ाने और अतिरिक्त शुल्क वसूलने पर कंट्रोल के लिए नियम बनाने की मांग की गई है।

ये मुद्दे भी उठाए गए

- इकोनॉमी क्लास में मुफ्त चेक-इन बैगेज की सीमा 25 से घटाकर 15 किलो कर दी है। कई छिपे हुए चार्ज और डायनामिक प्राइसिंग से ज्यादा पैसे वसूले जा रहे हैं।
- किसी सरकारी संस्था के पास हवाई किराए पर सीधा कंट्रोल या सीमा तय करने का अधिकार नहीं है, जिससे एयरलाइंस मनमानी करती हैं।
- पारदर्शिता और यात्रियों की सुरक्षा के लिए एक मजबूत और स्वतंत्र रेगुलेटर बनाया जाए।

संक्षिप्त खबरें

कॉटन मिल कांग्रेस के जमाने में हुई बंद : सीएम

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश सरकार और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किसानों के हित में जितना काम किया है,उतना किसी दूसरी सरकारों द्वारा नहीं किया गया। अगर हकीकत की बात करें,तो सबसे ज्यादा कॉटन मिल कांग्रेस सरकार के जमाने में बंद हुई है। विधानसभा परिसर में पत्रकारों से चर्चा करते हुए सीएम ने कहा कि कांग्रेस को किसान महासम्मेलन करने से ज्यादा स्वयं आत्ममंथन करना चाहिए कि उनकी सरकारों ने किसानों के लिए क्या किया। सीएम ने कहा कि मध्यप्रदेश का गठन 1956में किया गया था,उसके बाद से वर्ष 2002-03 तक सिंचाई का रकबा केवल साढ़े सात लाख हेक्टेयर था,इसलिए बाद दिसम्बर 2023 में वे जब मुख्यमंत्री बनें,तब यह बढ़कर 44 लाख हेक्टेयर हो गया। इसमें जल्द ही 10 लाख हेक्टेयर की वृद्धि और होगी। सीएम ने कहा कि कांग्रेस और राहुल गांधी जिस डील की बात कर रहे है,वह पूरी तरह से किसानों और देश के हित में है। यूरोपियन यूनियन के साथ पिछले दिनों जो अनुबंध किया गया है,उससे किसानों की आय बढ़ेगी। सतना,रतलाम,उज्जैन, इंदौर और ग्वालियर की मिलों में ताले कांग्रेस के समय लगे,जिससे किसानों और मजदूरों को नुकसान उठाना पड़ा,उनकी जीविकाएं छीन गई। हमारी सरकार ने ऐसे मजूदरों का बकाया भी चुकाया है,तो नए निवेश के जरिए रोजगार के साधन भी उपलब्ध कराए है।

सेमिनार का हुआ आयोजन

भोपाल। आगामी सिंहस्थ-2028 के सुरक्षित और सुचारू आयोजन के लिए रूपरेखा तैयार करने के उद्देश्य से सोमवार को उज्जैन में पुलिस विभाग द्वारा एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में आगामी सिंहस्थ की चुनौतियों, तैयारियों, भीड़ एवं यातायात प्रबंधन तथा बल और सामग्री प्रबंधन (लॉजिस्टिक्स) को लेकर वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा मंथन किया गया। सेमिनार का उद्घाटन छत्र श्वहृङ्क श्री उपेंद्र जैन द्वारा किया गया। उन्होंने 2004 के संघर्ष के दौरान चुनौतियों और चुनौतियों के संबंध में की गई विभिन्न व्यवस्थाओं पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए अत्यधिक तकनीक के इस्तेमाल की आवश्यकता पर बल दिया गया।

बाघ मृत्यु संबंधी अपडेट वेबसाइट पर रहेंगे उपलब्ध

भोपाल । मध्यप्रदेश में वन विभाग बाघों और उनके प्राकृतिक आवास की सुरक्षा एवं संरक्षण के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। प्रदेश में प्राकृतिक एवं अप्राकृतिक कारणों से होने वाली बाघ मृत्यु की प्रत्येक घटना पर केंद्र सरकार के राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (नई दिल्ली) तथा मुख्य वन्यजीव अभिरक्षक, मध्यप्रदेश द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप विधिवत कार्रवाई की जाती है संरक्षण प्रयासों में और अधिक पारदर्शिता सुनिश्चित करते हुए विभाग ने वर्ष 2025 एवं वर्ष 2026 (15 फरवरी तक) में घटित सभी बाघ मृत्यु प्रकरणों से संबंधित जानकारी आमजन की जानकारी के लिये विभागीय वेबसाइट पर अपलोड कर दी है। भविष्य में भी इस जानकारी को समय-समय पर अद्यतन किया जाएगा यह कदम पारदर्शिता को सुनिश्चुत करने के साथ ही 'टाइगर स्टेट' की गौरवपूर्ण पहचान को और अधिक सशक्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

सोलर रथ आज होंगे रवाना

भोपाल। नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के सोलर रथ सह मोबाइल बूथ वैन का शुभारंभ करेंगे। वे ऊर्जा भवन से मंगलवार को रथों में हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। सोलर रथ से नागरिकों को योजना से संबंधित लोड, नेट मीटरिंग, ग्रिड कनेक्टिविटी, ऋण सुविधा एवं ऑन-द-स्पॉट पंजीकरण जैसी सेवाएँ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जाएगी।

उन्नत खेती करें किसानः मंत्री एदल सिंह कंषाना

भोपाल। किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री एदल सिंह कंषाना ने कहा है कि किसान कल्याण वर्ष 2026में कृषि नवाचार और उन्नत खेती को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश में कृषि विज्ञान मेलों का आयोजन किया जा रहा है। कृषि, उद्यानिकी, तकनीक विस्तारण एवं तिलहन मिशन में जिला स्तर पर कृषि विज्ञान मेले आयोजित किया जा रहे हैं। इन मेलों का लाभ उठाकर किसान निरंतर उन्नत खेती करें और प्रदेश की समृद्धि में अपना योगदान दें। कृषि मंत्री कंषाना ने कहा कि मेलों का उद्देश्य कृषकों को उन्नत कृषि तकनीकों, प्राकृतिक एवं जैविक खेती, मूल्य संवर्धन, विपणन, सूक्ष्म सिंचाई नरवाई प्रबंधन, तिलहनी-दलहनी फसलों के विस्तार तथा आधुनिक कृषि यंत्रों की जानकारी प्रदान करना है। कृषि विज्ञान मेलाच्च किसानों को आत्मनिर्भर एवं समृद्ध बनाने की दिशा में विशेष महत्व रखते हैं।

बजट पर चर्चा के दौरान कांग्रेस दफ्तर में हुए प्रदर्शन पर हंगामा

शोर-शराबे के बीच तीसरा अनुपूरक बजट पारित, चलते रहे आरोप-प्रत्यारोप

विशेष संवाददाता, भोपाल। विधानसभा सत्र के छठवें दिन सदन में जहां विभागों की अनुदान मांगों पर चर्चा प्रारम्भ हुई,तो तीसरा अनुपूरक बजट भी पारित कर दिया गया। इस बीच एआई समिट को लेकर कांग्रेस दफ्तरों में हुए प्रदर्शन को लेकर दोनों पक्षों के बीच जमकर बहस हुई,जिससे हंगामे जैसी स्थिति निर्मित हो गई। दरअसल सदन में जब विभागों के अनुदान मांगों को लेकर चर्चा की जा रही थी,तभी कांग्रेस विधायक भंवर सिंह शेखावत ने कहा कि कानून व्यवस्था को लेकर सवाल किए। उन्होंने कहा कि राज्य की कानून व्यवस्था ऐसी है कि कांग्रेस के दफ्तरों में हमले हुए और पुलिस मूकदर्शक बनी रही। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के लोगों ने कांग्रेस कार्यालय में जाकर हमला किया है। इस पर सागर से भाजपा विधायक शैलेन्द्र जैन ने एतराज जताया और कहा कि ऐसे समय में जब विदेशी मैदान एआई समिट में मौजूद थे,तब कांग्रेस के लोग आपत्तिजनक हरकतें कर रहे थे जैन का जवाब सुनकर कांग्रेसियों ने सरकार पर आरोप लगाने शुरु कर दिए। बहस के बीच शेखावत ने कहा कि चीन के कुत्ते को लाकर अपने यहां का कुत्ता बताया गया ,क्या यहां कुत्तों की कमी है। इस टिप्पणी के बाद सदन में हंगामा और तेज हो गया।

राहुल के दौरों का भी उठा मामला

मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि कांग्रेस हर समय सेंसेशनल खबरें बनाती है और केवल राजनीति करती है। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी के दौरे जब भी होते है,केवल फोटो ऑपच्युनिटी तक ही सीमित रहते है। न तो राहुल गांधी को जनता के हितों की चिंता रहती है और न ही उनके नेताओं को। राहुल का न तो खेती से कोई सरोकार है और न ही वे किसान या खेतों के हितों का उनके द्वारा ध्यान ही दिया गया। राहुल से लेकर कांग्रेस ने प्रदेश स्तर के नेताओं का केवल एक ही काम है,कि किस तरह से वे सुर्खियों में बने रहने की लिए राजनीति करे,उन्हें कांग्रेस की जमीनी मुद्दों से कोई लेना-देना नहीं है।

तीसरा अनुपरक बजट मंजूर

इससे पहले सदन ने वर्ष 2025-26 के तीसरे अनुपूरक बजट की अनुमानित मांगो पर चर्चा हुई। जिसके उपरांत सदन ने 15,958 करोड़ 69 लाख 30 हजार रुपए की अनुपूरक राशि को मंजूरी प्रदान कर दी। इसी तरह सदन में वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा के प्रस्ताव पर मध्यप्रदेश विनियोग विधेयक 2026 को भी पारित कर दिया गया।

प्रदेश स्तर पर सामान खरीदेगा जनजातीय विभाग

जनजातीय कार्य एवं अनुसूचित जाति विभाग के कार्यों में अब कलेक्टरों के अधिकार कम होने जा रहे हैं। कलेक्टरों द्वारा की जा रही कलाकारी से बड़े काम भी टुकड़ों में जिले से ही मंजूर किए जा रहे थे। इससे निचले स्तर पर भ्रष्टाचार की शिकायतें सामने आ रहीं थीं। जनजातीय कार्य विभाग मंत्री विजय शाह ने सदन में ऐलान किया कि अब एक लाख से अधिक का सिंगल सामान कलेक्टर खुद नहीं कर सकेंगे। निर्माण या विकास कार्य में जरूरी कोई सामान यदि एक लाख रुपए से अधिक की कीमत का है तो उसका प्रदेश स्तर पर टेंडर किया जाएगा। मंत्री शाह ने बालाघाट से कांग्रेस विधायक मधु भगत के प्रश्न के जवाब में माना कि कई कलेक्टरों ने टुकड़ों में 25-25 हजार की खरीदी कर बड़े काम भी खुद ही कर लिये।

सीएम के विभागों के अनुदान मांगों पर चर्चा पूरी

सदन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से जुड़े विभागों की अनुदान मांगों और विपक्ष के कटौती प्रस्ताव को लेकर चर्चा पूरी कर ली गई। गृह, सामान्य प्रशासन, पर्यावरण, विमानन, जेल, वन, औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन, विधि और विधायी कार्य,जनसंपर्क सहित सीएम के 15 विभाग है। जिनकी अनुदान मांगों को लेकर चर्चा पूरी हो गई। इसी तरह श्रम,ग्रामीण विकास,पंचायत,नगरीय विकास एवं आवास,राज्य विधान मण्डल और लोक निर्माण विभाग की अनुदान मांगों पर भी चर्चा पूरी की गई।

यूएस राष्ट्रपति ट्रम्प का मुखौटा पहन कांग्रेसियों ने किया ट्रेड डील का विरोध

विशेष संवाददाता,भोपाल। विधानसभा के बजट सत्र के दौरान सोमवार को कांग्रेस विधायक दल के सदस्यों ने अमेरिका के राष्ट्रीय डोनाल्ड ट्रंप के चेहरे का मुखौटा पहनकर प्रदर्शन किया। उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिका से प्रस्तावित ट्रेल डील से मध्यप्रदेश सहित देश भर के किसानों को नुकसान होगा। बजट सत्र के छठवें दिन कांग्रेस विधायक दल ने विधानसभा परिसर स्थित गांधी प्रतिमा के सक्षम भारत-अमेरिका ट्रेड डील को लेकर प्रदर्शन किया। नेताओं ने कहा कि यह डील देश और किसानों के हित में नहीं है और इसका गंभीर प्रभाव हमारे किसानों,कृषि मंडियों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। इस मौके पर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि यह प्रदर्शन राजनीतिक विरोध मात्र नहीं है,बल्कि देश के अन्नदाताओं के अधिकार,सम्मान और भविष्य की रक्षा के लिए उठाई गई सशक्त आवाज है। उन्होंने कहा कि भारत-अमेरिका ट्रेड डील हमारे किसानों के लिए एक बड़ा खतरा बनकर सामने आ रही है,यदि सस्ता विदेशी सोयाबीन,मक्का और कपास भारतीय बाजार में प्रवेश करता है,तो इसका सीधा और गंभीर प्रभाव हमारे मेहनतकश किसानों,कृषि मंडियों तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर जाएगा। सिंघार ने कहा कि भाजपा सरकार की नीतियां लगातार किसान विरोधी रही हैं। कांग्रेस पार्टी किसानों के हितों की रक्षा के लिए सड़क से लेकर सदन तक संघर्ष करती रहेगी और अन्नदाताओं के साथ किसी बी प्रकार का अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसी भी अंतरराष्ट्रीय व्यापार समझौते से पहले देश के किसानों

के हितों की व्यापक सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए तथा कृषि क्षेत्र को नुकसान पहुंचाने वाले प्रावधानों पर पुर्नविचार किया जाए।

मुख्यमंत्री विवाह-निकाह में आड़े आ रहा गरीबी का बंधन, नहीं मिल रहे गरीब जोड़े

जागरण, भोपाल। गरीब कन्याओं के विवाह कराने के लिए राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही मुख्यमंत्री कन्यादान विवाह योजना के आयोजन में गरीबी ही आड़े आ रही है। बीपीएल का बंधन होने के कारण कई जिलों में विवाह व निकाल के लिए एक भी जोड़ा नहीं मिल पा रहा। हालत यह है कि एक भी बीपीएल जोड़ा नहीं मिलने से योजना चलाने वाले सामाजिक न्याय दिव्यांगजन कल्याण विभाग के मंत्री नारायण सिंह कुशवाह के गृह जिले में ही इस बंधन के कारण मुख्यमंत्री कन्या विवाह नहीं हो पाए। वहीं कई जिलों में संख्या का बंधन के कारण कई जोड़े फेरे और निकाह करने से छूट गए। यह रोचक मामला कांग्रेस विधायक सतीश सिंह सिकरवार ने सोमवार को प्रश्नकाल में उठाया। उन्होंने अपने प्रश्न में सरकार से पूछा कि क्या बीपीएल कार्ड की अनिवार्यता करने से इस योजना में विवाह-निकाह आयोजन ही रुक गए हैं। बीपीएल के बंधन के कारण निर्धन वर्ग के लोगों के ही विवाह नहीं हो पा रहे हैं। सदन में भी सिकरवार ने आपत्ति जताते हुए कहाकि इस बंधन के कारण जोड़े ही नहीं मिल पा रहे हैं। स्वयं विभागीय मंत्री कुशवाह के ग्वालियर में ही योजना के लिए जोड़े नहीं मिल सके हैं। यह बंधन हटाया जाए। साथ ही उन्होंने योजना में अधिकतम 100 और 200 जोड़ों के विवाह का बंधन भी हटाने की मांग की। इस पर सामाजिक न्याय मंत्री कुशवाह ने कहाकि कई जिलों में विवाह और निकाल में फर्जीवाड़े की शिकायत मिल रही थीं।

सामाजिक न्याय मंत्री के जिले में ही नहीं मिला एक भी जोड़ा बंधन हटाने की मांग

विपक्ष के भी कई विधायकों ने पत्र लिखकर शिकायत की है कि योजना में मिलने वाली राशि और उपहारों के चक्कर में बहुत से लोग दूसरी बार शादी करने पहुंच गए। इसे रोकने के लिए संख्या सीमित की गई है। वहीं उन्होंने बताया कि 2020 में शुरू की गई इस योजना में अब तक 1 लाख 94 हजार 146 विवाह व निकाह हो चुके हैं। उन्होंने बीपीएल का बंधन हटाने से मना करते हुए कहाकि हर योजना में मापदंड रखना होते हैं। बावजूद इसके कांग्रेस के सदस्य बीपीएल और संख्या का बंधन हटाने की मांग करते रहे।

श्रमिक परिवार के छात्रों को छात्रवृत्ति देने बनेगी योजना

विशेष संवाददाता, भोपाल। प्रदेश सरकार असंगठित श्रमिकों के पुत्र-पुत्रियों को उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति देने जल्द योजना तैयार करेगी। यह निर्णय सोमवार को म.प्र. असंगठित शहरी एवं ग्रामीण कर्मकार कल्याण मंडल की चतुर्थ बैठक में लिये गये। श्रम मंत्री प्रहलाद पटेल की मौजूदगी में मंत्रालय में हुई बैठक में अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि उन के द्वारा ऐसी योजना तैयार कराई जाए जिसमें असंगठित क्षेत्रों के ऐसे श्रमिकों के बच्चे जिन्होंने कक्षा 10 वीं की परीक्षा में प्रावीण्य सूची में स्थान हासिल किया है, उन्हें उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति दी जा सके। इसके लिए 100 छात्रों को छात्रवृत्ति देने की बात कही गई है। बैठक में श्रमिकों का मुख्यमंत्री श्रम श्री स्वास्थ्य अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्य परीक्षण करने एवं उसका डिजिटल हेल्थ रिकार्ड रखने की भी बात कही गई। अभियान के तहत श्रमिकों के 25 वर्ष से कम उम्र के बच्चों तथा 50 वर्ष से अधिक उम्र के श्रमिकों का स्वास्थ्य परीक्षण प्राथमिकता से किया जायेगा। मंडल के आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट प्राक्कलन को स्वीकृति प्रदान की गई। बैठक में असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को श्रमणा योजना अंतर्गत सहकारी समिति बनाकर स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ने के लिये अवसर प्रदान करने के लिये एक करोड़ राशि का प्रावधान मंडल के बजट में करने का निर्णय लिया गया।

बंदी पुर्नवास के प्रयास किए जाएंः राज्यपाल

विसं भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा है कि बंदी पुर्नवास प्रयासों को समग्रता और बहुआयामी स्वरूप में किया जाना चाहिए। कार्य का दृष्टिकोण मानवतावादी हो। भाव संवेदनशील और विचारशील होना जरूरी है। पटेल सोमवार को लोकभवन में गृह एवं जेल विभाग के अधिकारियों के साथ चर्चा कर रहे थे। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव गृह शिव शेखर शुक्ला, राच्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी, विशेष महानिदेशक जेल अखितो सेमा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। पटेल ने अधिकारियों से कहा कि बंदी उत्पादक गतिविधियों के द्वारा बंदियों के परिवारों के जीवन निर्वाह में आर्थिक सहयोग के उद्देश्य से नियोजन गतिविधियों का संयोजन किया जाए।

यूजीसी नेट देने वाले विद्यार्थियों को बीयू से पीएचडी करने रिजल्ट का इंतजार

कल से 28 फरवरी तक होंगे आरडीसी साक्षात्कार

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल । बरकतउल्ला विश्वविद्यालय की करीब डेढ हजार पीएचडी की सीटों पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (यूजीसी नेट) के स्कोर के आधार पर पीएचडी में प्रवेश मिलेगा। बीयू के पास पांच फैकल्टी की करीब 40 विषयों में पीएचडी कराएगा। इसमें सबसे ज्यादा सीटें मैनेजमेंट में दी गई हैं। जबकि लिम्नोलाजी, वूमन स्टडी और डांस में सीटें रिक्त ही नहीं है। बीयू द्वारा पीएचडी प्रवेश सत्र 2025-26 के तहत आरडीसी साक्षात्कार की तारीख घोषित कर दी गई हैं। गत वर्ष चार सितंबर के तहत प्राप्त आवेदनों के आधार पर पात्र 600 विद्यार्थियों को साक्षात्कार के लिए आमंत्रित किया गया है। कुलपति की स्वीकृति के बाद विश्वविद्यालय शिक्षण विभागों में 25 से 28 फरवरी तक आरडीसी साक्षात्कार आयोजित किए जाएंगे। उक्त विद्यार्थियों को निर्धारित समय-सारिणी अनुसार उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं। यह प्रक्रिया प्रवेश की आगामी औपचारिकताओं के लिए अनिवार्य होगी। इससे टीचिंग लाइन की इच्छा रखने वाले विद्यार्थियों को सीधे तौर पर लाभ मिलेगा। यूजीसी ने रिसर्च की गुणवत्ता भी बढाने के लिए नेट के माध्यम से निजी और स्वशासी विश्वविद्यालयों की पीएचडी की सीटों पर प्रवेश कराने का निर्णय लिया है। यूजीसी नेट की परीक्षा हो चुकी है। उसके रिजल्ट आना शेष है। बीयू रिक्त सीटों पर प्रवेश कराने के लिए मार्च से आवेदन जमा कराना शुरु करेगा। इसकी मेरिट के आधार पर विद्यार्थियों को सीटें आवंटित की जाएंगी।

पांच फीसदी ही देते हैं नेट

यूजीसी के निर्णय से पीएचडी करने वालों के आंकडों में तेजी से गिरावट भी आ सकती है। सूबे में एक लाख विद्यार्थी हर साल पोस्ट ग्रेजुएशन की पढाई करते हैं, लेकिन इनमें से मात्र पांच प्रतिशत ही यूजीसी नेट की परीक्षा में शामिल होते हैं। यूजीसी नेट में केवल वही अभ्यर्थी शामिल हो सकते हैं, जिन्होंने पीजी में 55 प्रतिशत अंक हासिल किए हैं। ऐसे में साफ तौर पर यह कहा जा सकता है कि पीएचडी करने वालों की संख्या में भी कमी आएगी, जिसका सीधा लाभ निजी विवि को मिलेगा।

साल में दोबार होती है परीक्षा

यूजीसी नेट परीक्षा (नेशनल एलिजिबिलिटी टेस्ट) साल में दो बार जून और दिसंबर में आयोजित की जाती है। बीयू अधिकारियों का कहना है कि दिसंबर परीक्षा में सभी रिक्त सीटों पर प्रवेश नहीं होते हैं, तो छह माह बाद होने वाली परीक्षा से रिक्त सीटों के लिऐ विद्यार्थियों को चयनित किया जाएगा। नेशनल टेस्ट एजेंसी (एनटीए) औसतन प्रत्येक क्षेत्र में छह प्रतिशत आवेदकों का चयन करता है।

> यूजीसी द्वारा निर्धारित किए गए मापदंड के मुताबिक बीयू पीएचडी की सीटों पर प्रवेश दिया जाएगा। सभी सीटों पर यूजीसी नेट के माध्यम से ही प्रवेश होंगे।
>
> प्रो समर सिंह
> कुलसचिव, बीयू

भोपाल में दो घंटे बिताएंगे खरगे व राहुल

विशेष संवाददाता, भोपाल। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार मंगलवार 24 फरवरी को भोपाल में किसान सम्मेलन को संबोधित करेंगे। जिसके जरिए कांग्रेस अमेरिका के साथ हुई ट्रेड डील का विरोध किया जाएगा। पार्टी विधायकों और प्रदेश पदाधिकारियों को सम्मेलन में किसानों को शामिल कराने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जानकारी के अनुसार कांग्रेस के दोनों वरिष्ठ नेता दोपहर तकरीबन 12:30 भोपाल पहुंचेंगे। एयरपोर्ट में पीसीसी चीफ जीतू पटवारी और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार सहित दूसरे नेता उनका स्वागत करेंगे। यहां से दोनों नेता सीधे अटल पथ जाएंगे,जहां किसान सम्मेलन में उनके द्वारा शिरकत की जाएगी।

लाल परेड की नहीं मिली अनुमति : जानकारी के अनुसार प्रदेश कांग्रेस ने किसान सम्मेलन के आयोजन के लिए जिला प्रशासन से लाल परेड मैदान की अनुमति मांगी थी,लेकिन विधानसभा सत्र के वजह से प्रशासन ने लाल परेड़ में सम्मेलन करने की अनुमति प्रदान नहीं की,जिससे कांग्रेस को अटल पथ आयोजन स्थल बनाना पड़ा।

जीतू पटवारी- उमंग सिंघार के नेतृत्व में पहला कार्यक्रम

प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के दो वर्ष के कार्यकाल का राजधानी में यह पहला बड़ा आयोजन होगा। जिससे इन नेताओं पर सम्मेलन में ज्यादा से ज्यादा भीड़ जुटाने का दवाब है। बताया गया है कि सिंघार ने अपने विधायकों को 200 से 500 तक किसान, कार्यकर्ता और युवाओं को भोपाल लाने का लक्ष्य दिया है। विधायक बुधवार-गुरुवार को ही अपने-अपने क्षेत्र चले गए थे,जहां उन्होंने सम्मेलन में किसानों को लाने की तैयारी की है।

समस्या सीएसई के आवेदन करने भटक रहे युवा, 933 पदों पर भर्ती के लिए आवेदन की अंतिम तिथि

यूपीएससी की वेबसाइट का सर्वर डाउन

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) द्वारा आयोजित होने वाली सबसे प्रतिष्ठित सिविल सेवा परीक्षा (सीएसई) 2026 के लिए मंगलवार की शाम छह बजे तक आवेदन जमा किए जा सकते हैं। गत दो दिनों से सर्वर डाउन होने के कारण परीक्षा की तैयारी कर रहे पात्र युवा आवेदन नहीं कर पा रहे हैं। वे आवेदन जमा करने के लिए यहां वहां भटक रहे हैं। उम्मीदवार परीक्षा से आईएएस, आईपीएस और आईएफएस जैसे उच्च पदों पर जाने का सपना देख रहे हैं। उनके लिए मंगलवार आवेदन करने का अंतिम मौका है। यूपीएससी ने वर्तमान वर्ष के लिए कुल 933 रिक्ति पदों के लिए नोटिफिकेशन जारी किया है। आयोग ने आवेदन प्रक्रिया में कुछ बदलाव किए हैं। इसमें यूनिवर्सल रजिस्ट्रेशन नंबर (यूआरएन) और कॉमन एप्लीकेशन फॉर्म (सीएएफ) जैसे नए मॉड्यूल शामिल हैं। इसलिए युवाओं को फॉर्म जमा करते समय पूरी सतर्कता बरतने के लिए कहा गया है।

100 रुपये होगा आवेदन का शुल्क

शुल्क का भुगतान सामान्य, ओबीसी और ईडब्ल्यूएस श्रेणी के पुरुष उम्मीदवारों को 100 रुपये का आवेदन शुल्क देना होगा। महिला, एससी, एसटी और दिव्यांग उम्मीदवारों को इस शुल्क से पूरी तरह छूट दी गई है। यूपीएससी की प्रारंभिक परीक्षा 24 मई को रखी गई है। जबकि मुख्य परीक्षा 21 अगस्त 2026 से होगी।

सीयूईटी से मिलेगा फॉरेंसिक यूनिवर्सिटी की सीटों पर प्रवेश

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। नेशनल फॉरेंसिक साइंसेज यूनिवर्सिटी (एनएफएसयू) में आगामी सत्र 2026-27 में कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (सीयूईटी) से प्रवेश दिया जाएगा। सीयूईटी से छात्र फोरेंसिक साइंस (बीएससी, एमएससी) में प्रवेश ले सकेंगे। गत वर्ष तक यूनिवर्सिटी में एनएफएटी (नेशनल फोरेंसिक एडमिशन टेस्ट) के माध्यम से प्रवेश मिलता था। सीयूईटी से सबसे बड़ा फायदा प्रदेश के विद्यार्थियों को होगा। क्योंकि अब अधिक से अधिक विद्यार्थियों को यूनिवर्सिटी में प्रवेश मिल सकेगा। क्योंकि विवि की प्रवेश परीक्षा में प्रदेश के विद्यार्थी भागीदारी नहीं कर पाते थे। जबकि सीयूईटी प्रदेश के कई विद्यार्थी भागीदारी करते हैं। अभी तक एनएफएटी में 90 प्रतिशत छात्र अन्य प्रदेशों के ही होते थे। सीयूईटी यूजी के लिए आवेदन अब 26 फरवरी तक होंगे। यह प्रवेश परीक्षा अस्थायी कार्यक्रम के अनुसार 11 मई से 31 मई के बीच कंप्यूटर आधारित टेस्ट (सीबीटी) मोड में आयोजित की जाएगी।

पशु-पक्षियों के संरक्षण के लिए मप्र में बेहतर प्रयास

विसं भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पारिस्थितिकी तंत्र में सहयोगी पशु पक्षियों के संरक्षण के लिए मध्यप्रदेश में बेहतर प्रयास हो रहे है। हमारे यहां जहां बाघ, तेंदुआ और अन्य वन्य प्राणियों की सर्वाधिक संख्या है ,तो वहीं गिद्ध संरक्षण में भी राज्य देश में प्रथम है। सीएम ने यह बाते सोमवार को हलाली डेम क्षेत्र में लुप्तप्राय प्रजाति के 5 गिद्ध को प्राकृतिक आवास में मुक्त किया। इनमें चार भारतीय गिद्ध (जिप्स इंडिकस) और एक सिनेरियस गिद्ध (एजिपीयस मोनाकस) शामिल हैं। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश में सभी प्रांतों से अधिक संख्या में गिद्ध पाए जाते हैं। इनमें प्रवासी गिद्ध भी शामिल हैं। इस मौके पर अनेक जनप्रतिनिधि विभागीय अधिकारी व आमजन मौजूद रहे। जिन्होंने सीएम का स्वागत किया।

एक सूत्र में जुड़ेगी मूल्य संवर्धन श्रृंखला

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि किसान कल्याण वर्ष प्रदेश में खेत से लेकर कारखाने तक और बाग से लेकर बाजार तक की पूरी मूल्य संवर्धन श्रृंखला को एक सूत्र में जोड़ेगा। यह वर्ष प्रदेश के इतिहास में किसानों के हित और समग्र कल्याण के मामले में मील का पत्थर साबित होगा। अपने निवास से कृषि विश्वविद्यालय परिसर, ग्वालियर में हो रहे कृषि मंथन एवं कृषि प्रौद्योगिकी मेला 2026को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से संबोधित करते हुए सीएम ने कहा कि इस वर्ष हम कृषि उत्पादों के प्रसंस्करण और इनमें वैल्यू एडिशन के लिए अधिकाधिक रोजगार आधारित उद्योगों के विकास, उन्नत किस्म के बीजोत्पादन, पशुपालन, दुग्धोत्पादन, मत्स्योत्पादन में वृद्धि सहित हर वो कदम उठाएंगे, जिनसे खेती और अन्नदाताओं का विकास हो।

नगर में आज

वनमाली कथा सम्मान

- **स्थान:** स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी
- **समय :** शाम 4.30 बजे

चित्र प्रदर्शनी

- **समय :** शाम 5 बजे पद्मश्री प्रह्लाद सिंह टिपाणियां का कबीर गायन
- **समय :** शाम 6.30 बजे सम्मान समारोह

माह का प्रादर्श

- **स्थान:** इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, श्यामला हिल्स।
- **समय:** शाम 4:00 बजे।

चित्र प्रदर्शनी

- **समय:** दोपहर 12:00 बजे से
- **स्थान:** मप्र जनजातीय संग्रहालय

31 किमी में फैला बड़ा तालाब 8 किमी में सिमटा इसे बचाने अब तो करें आदेशों का पालन: सांसद

कलेक्टर ने अधिकारियों को दिया दो सप्ताह का समय, बोले बिना नोटिस दिए हटाएं अतिक्रमण

जागरण संवाददाता, भोपाल। भोपाल शहर की लाइफलाइन बड़े तालाब के आसपास हो रहे अतिक्रमण और प्रदूषण को लेकर सांसद भोपाल आलोक शर्मा ने सोमवार को अधिकारियों पर नाराजगी जताई। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में बड़े तालाब को अतिक्रमण और प्रदूषण मुक्त करने के उद्देश्य से आयोजित इस बैठक में सांसद शर्मा ने कहा कि कभी भोपाल की लाइफ लाइन समझा जाने वाला भोपाल आज अपना अस्तित्व बचाने के लिए ही लड़ रहा है। 31 वर्ग किमी में फैला तालाब आज 8 से 9 वर्ग किमी में सिमट कर रह गया है। सांसद ने नाराजगी जताते हुए कहा कि कई बार अधिकारियों को निर्देश देने के बाद भी आज तक तालाब किनारे मौजूद अतिक्रमण चिन्हित नहीं हो सके हैं। अधिकारी केवल एसी चैंबरों में ही बैठे रहते हैं।

बैठक में कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह के साथ एडीएम अंकुर मेश्राम, नगर निगम अपर आयुक्त तन्मय वशिष्ठ शर्मा के साथ हुजूर, टीटी नगर, बैरागढ़ और शहर एसडीएम सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। बता दें कि बैठक में भाग लेने के लिए सांसद द्वारा शहर के प्रमुख पर्यावरण कार्यकर्ताओं और समाज सेवियों को आमंत्रित किया गया था। सभी ने तालाब के संरक्षण को लेकर अपने अपने मत बैठक के दौरान रखे। बैठक के दौरान कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने चारों एसडीएम से अतिक्रमणों की जानकारी मांगी, लेकिन अधिकारी जानकारी नहीं दे सके। इस

सार्वजनिक करना होंगी यह रिपोर्ट : सासंद ने अधिकारियों से तालाब की गहराई और एरिया को लेकर सेप्ट की रिपोर्ट, केपीएमजी की रिपोर्ट, कुमार एसोसिएट्स द्वारा किए गए सर्वे की रिपोर्ट मांगी है और उन्हें सार्वजनिक करने को कहा है। सेप्ट की रिपोर्ट के आधार पर जो पीले कलर की मुनारें तालाब किनारे लगाई गई थीं, उनको भी लोगों ने उखाड़ कर फेंक दिया है। इस पर उन्होंने कहा कि तालाब का फिर से सर्वे कराया जाना चाहिए।

निगम आयुक्त की अनुपस्थिति पर जताई नाराजगी : बैठक में नगर निगम आयुक्त संस्कृति जैन नहीं पहुंच सकीं। इस पर सांसद शर्मा ने नाराजगी जताई और कहा कि शहर के मुख्य तालाब के संरक्षण को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई है, लेकिन इसमें निगम आयुक्त का ही अनुपस्थित रहना स्वीकार्य नहीं है। ऐसी बैठकों में निगम के प्रमुख अधिकारी का मौजूद रहना सबसे ज्यादा जरूरी है।

अधिकारियों को सांसद को देनी होगी यह जानकारी

- सांसद ने इस दौरान तालाब के आसपास मौजूद अतिक्रमणों को हटाने को लेकर अब तक क्या कार्रवाई हुई? इसकी जानकारी अधिकारियों से मांगी गई है। सांसद द्वारा मांगी गई जानकारी के अनुसार,
- बड़े तालाब से अतिक्रमण हटाने के लिए एनजीटी ने अब तक कितने आदेश जारी किए हैं?
- कितने आदेशों का पालन जिला प्रशासन और नगर निगम द्वारा किया गया है।
- तालाब के आसपास आगे चलकर अन्य कोई अतिक्रमण न हो और एनजीटी के आदेश पर अमल करने के लिए क्या कोई टीम गठित की है क्या?
- यदि टीम गठित की गई है, तो इस टीम ने क्या-क्या कार्यवाही की है?
- तालाब में कितने गंदे नालों का पानी मिल रहा है और कितने नालों का पानी रोकने के लिए एसटीपी बनाए गए हैं।

वक्फ बोर्ड की जागीर नहीं है भोपाल

बैठक के दौरान सांसद ने पूछा कि भदभदा डैम के पास दो साल पहले 227 झुग्गियां हटाई गई थीं, लेकिन प्रेमपुरा में अब भी 26 झुग्गियां मौजूद हैं, वे क्यों नहीं हटाई गईं? इस पर वक्फ की जमीन होने की बात सामने आई, तो सांसद ने जवाब देते हुए कहा कि आज पूरा भोपाल वक्फ बोर्ड की जागीर हो गया है। भोपाल की जनता की सहुलियत के लिए मेट्रो कॉरिडोर बनाओ तो, कहते हैं कि यह वक्फ की जमीन है। भोपाल का महापौर रहते हुए मैंने पोलेटेक्निक चौराहा से डिपो चौराहा तक स्मार्ट रोड बनाना चाही, लोग कहने लगे कि यह वक्फ की जगह है। लेकिन तब मैंने स्मार्ट सिटी रोड बनाकर भोपाल की जनता की सेवा की। इसी प्रकार से जब भोपाल के हमीदिया रोड स्थित सब्जी मंडी की जगह पर पीपीपी मॉडल पर बस स्टैंड बनाने गए, तो कहते हैं कि यह वक्फ बोर्ड की जगह है।

मानसून के पहले खतरनाक पुल-पुलिया का होगा सुधार

निरीक्षण रिपोर्ट पर कार्रवाई हुई तय

जागरण न्यूज, भोपाल। प्रदेश के हरदा, सिवनी, शिवपुरी, झाबुआ, रीवा, रतलाम एवं टीकमगढ़ जिलों में मुख्य अभियंताओं के सात दलों द्वारा औचक निरीक्षण किया गया। कुल 35 निर्माण कार्यों का रेंडम आधार पर चयन कर निरीक्षण किया गया। इसमें 21 कार्य लोक निर्माण विभाग (सड़क/पुल), पांच कार्य पीआईयू (भवन), सात कार्य मप्र सड़क विकास निगम और दो कार्य मप्र भवन विकास निगम के शामिल रहे। निरीक्षण दलों से प्राप्त प्रतिवेदनों की समीक्षा बैठक एमपीआरडीसी प्रबंध संचालक भरत यादव की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इसमें पुल-पुलियों के मरम्मत कार्य प्राथमिकता से पूर्ण किए जाएं। जहां खतरनाक पुल-पुलिया पाए जाएं वहां नवीन प्रस्ताव तैयार कर आगामी मानसून से पूर्व कार्यवाही पूर्ण की जाए। बैठक में ईएनसी कृष्ण पाल सिंह राणा, एसआर बघेल प्रमुख अभियंता (भवन) और सभी मुख्य अभियंता, अधीक्षण यंत्री, कार्यपालन यंत्री एवं निरीक्षणकर्ता अधिकारी उपस्थित रहे।

दो ठेकेदार हुए ब्लैक लिस्टेड

हरदा के लोलांगरा से राहटकलां मार्ग का निर्माण कार्य गुणवत्ता में असंतोषजनक पाए जाने पर ठेकेदार द्वारा किए गए अमानक कार्य को निरस्त कर जमा राशि राजसात करने और अनुबंध विखंडित कर शेष कार्य हेतु पुनः निविदा आमंत्रित करने के निर्देश दिए गए। ठेकेदार मेसर्स ज्योति कंस्ट्रक्शन कंपनी हरदा को ब्लैकलिस्टेड किया गया है। संबंधित उपयंत्री एवं अनुविभागीय अधिकारी को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने तथा अधीक्षण यंत्री द्वारा समय पर कार्रवाई प्रस्तावित नहीं करने पर उन्हें भी कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने के निर्देश दिए गए। कार्य में अत्यधिक विलंब के कारण मुख्य अभियंता, भोपाल को पूर्व में पदस्थ अधिकारियों का उत्तरदायित्व निर्धारित करने के निर्देश दिए गए। सिवनी के पिपरिया से सथाई मार्ग का निर्माण कार्य गुणवत्ता में असंतोषजनक पाए जाने पर ठेकेदार मेसर्स ओमकार कंस्ट्रक्शन, बालाघाट को ब्लैकलिस्टेड किया।

संक्षिप्त खबरें

जवाहर चौक सहित कई इलाकों में बिजली कटौती

जागरण संवाददाता, भोपाल। मंगलवार को जवाहर चौक, बैरागढ़ चीचली व गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल एरिया सहित कई इलाकों में बिजली कटौती की जाएगी। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी से मिली जानकारी के अनुसार आज एमएलए रेस्ट हाउस, मालवीय नगर, आईडीबीआई बैंक व एमएलए क्वार्टर व आसपास सुबह 10 से शाम 4 बजे तक, एमपीएमएलए क्वार्टर, जवाहर चौक, नार्थ टीटी नगर, गंगोत्री भवन, प्रियदर्शिनी, दशहरा मैदान व आसपास दोपहर 1 से शाम 4 बजे तक बिजली सप्लाई बंद रहेगी। इसके अलावा बैरागढ़ चीचली, मीनाखेड़ी, सतगढ़ी, अमराई, गेंहूखेड़ा व आसपास सुबह 11 से 3 और भोजपुर रोड स्थित दीपड़ी गांव व आसपास सुबह 11 से शाम 4 बजे तक बिजली सप्लाई बंद रहेगी। गोविंदपुरा स्थित सनमार्क, विक्रम इंजीनियर्स, शेरो इंजीनियरिंग वर्क्स, फार्मर इंजीनियर, अल्को इलेक्ट्रो स्ट्राइप्स, अक्षय इंडस्ट्री, राशि कंट्रोल एक्युपमेंट, साईनाथ इंटरप्राइजेस व आसपास सुबह 10 से शाम 4 बजे तक और बर्डिया फूड, ध्रुव पेस्टीसाइड्स, मेकैनिकल कंस्ट, मंजीत फेब्रीकेटर व एफ सेक्टर सहित अन्य इलाकों में सुबह 11 से 3 बजे तक बिजली कटौती की जाएगी।

कार की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। शाहपुरा इलाके में कार की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। घटना के वक्त वह साइट से घर लौट रहा था। एक महीने पहले उसकी शादी हुई थी। पुलिस ने सोमवार को पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस कार की तलाश में इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही है। पुलिस के मुताबिक, 25 वर्षीय शुभांकर रॉय पिता सदानन रॉय बीडीए कालोनी अवधपुरी में रहता था। वह कारपेंटर का काम करता था। रविवार रात वह साइट से घर लौट रहा था। वह अभी शाहपुरा स्थित दानापानी रोड पर पहुंचा था, तभी अज्ञात कार ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस ने शव बरामद कर पीएम के लिए भिजवाया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

ब्यूटीशियन से रेप कर धर्म परिवर्तन का बनाया दबाव

देह व्यापार में धकेला, दो पीड़िताएं आई सामने, आरोपी गिरफ्तार

चंदन यादव आरोपी | अमरीन उर्फ माहिरा आरोपी | आफरीन आरोपी

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। चाय में नशीला पदार्थ पिलाकर ब्यूटीशियन से रेप और धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने की घटना सामने आई है। पीड़िता की रिपोर्ट पर बागसेवनिया पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ रेप और एक महिला के खिलाफ धर्म परिवर्तन का केस दर्ज किया है। मामले में दो पीड़िताएं सामने आई हैं। एक पीड़िता बोली- छोटे कपड़े पहनाकर पब ले जाते थे। अनजान लोगों से दोस्ती करने के लिए बोलते थे। दूसरी ने बताया कि उसे देह व्यापार के धंधे में धकेला है। आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। बागसेवनिया थाना प्रभारी अमित सोनी ने बताया कि 30 वर्षीय पीड़िता रविवार रात को अपने मामा के साथ इस संबंध में रिपोर्ट दर्ज कराने पहुंची थी। उसका कहना था कि 31 दिसंबर 2024 को शाहपुरा स्थित एक होटल में दोस्ती की बर्थडे पार्टी में उसकी मुलाकात एक युवती से हुई थी। बाद में दोनों साथ रहने लगीं। जनवरी 2025 में वे बागसेवनिया आशिमा मॉल के पास रहने वाली अमरीन उर्फ माहिरा के घर में शिफ्ट हो गईं। कुछ समय बाद पीड़िता को पता लगा कि उसकी सहेली ने अमरीन के कहने पर धर्म परिवर्तन कर उसके भाई से शादी कर ली है। पीड़िता का आरोप है कि अगस्त 2025 में अमरीन का करीबी चंदन यादव बहन से मिलाने के बहाने ले गया और उसके साथ जबरदस्ती रेप किया। उसका कहना है कि उसे छोटे कपड़े पहनाकर शहर के पब व लाउंज में ले जाया जाता था। अनजान से दोस्ती करने का दबाव बनाया जाता था। इस दौरान उस पर धर्म परिवर्तन का भी दबाव डाला गया। पीड़िता का आरोप है कि चंदन अपना धर्म परिवर्तन कर चुका है।

अहमदाबाद में यासिर, भोपाल के गांधीनगर में बिलाल ने किया रेप

नवंबर 2025 में अमरीन उसे गांधी नगर स्थित अब्बास नगर में अपने परिजन से मिलाने ले गई। जहां अमरीन के भाई बिलाल ने चाय में नशीला पदार्थ पिलाकर उसके साथ रेप किया। दिसंबर 2025 में अमरीन उसे किसी काम के हवाला देकर अहमदाबाद ले गई। यहां यासिर नामक युवक ने उसके साथ दुष्कर्म किया। आरोपियों की हरकतों से परेशान होकर पीड़िता जनवरी में अपने मामा के घर चली गई। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि हाल ही में सोशल मीडिया पर बातचीत के दौरान एक अन्य युवती ने भी अमरीन और उसके साथियों पर इसी तरह के आरोप लगाए। पुलिस ने पीड़िता की रिपोर्ट पर आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। फिलहाल आरोपी फरार हैं।

आरोपी ने घर में रख कराया रेप

आरोपी अमरीन और चंदन की करतूतों के खिलाफ एक और पीड़िता सामने आई है। उसने पुलिस को बताया कि वह शादी पार्टियों में वेटर का काम करती है। वर्ष 2025 में दिवाली के दिन उसकी अमरीन से आशिमा मॉल के पास मुलाकात हुई थी। अमरीन ने उसे फिक्स इनकम का झांसा देकर अपने घर नौकरी करने के मना लिया। अमरीन उससे घरेलू काम कराने लगी। तब पीड़िता अशोका गार्डन में रहती थी। इसके बाद अमरीन ने उसे अपने ही घर में रहने की सलाह दी। वह सामान लेकर उसके घर रहने आ गई। जहां मौका पाकर चंदन यादव ने उसके साथ रेप किया। इसके बाद चानू और यासिर ने भी उसके साथ अलग-अलग समय पर दुष्कर्म किया। बाद में आरोपी उससे देह व्यापार भी कराने लगे।

छात्र को चाकुओं से गोदा, 30 सेकंड में 27 वार

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। दसवीं में पढ़ने वाले छात्रों में वर्चस्व की लड़ाई को लेकर दो नाबालिगों ने मिलकर एक को चाकू व छुरी से गोद दिया। फिल्मी अंदाज में घटना को स्नूकर क्लब पर अंजाम दिया गया। इस बीच भगदड़ मच गई। बाल अपचारियों ने 30 सेकंड में 27 वार किए। इससे छात्र लहूलुहान हो गया। तमाचे का बदला लेने के लिए वारदात की गई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। आरोप है कि टीला जमालपुरा पुलिस ने साधारण धाराओं में केस दर्ज किया है। वहीं टीआई आशुतोष उपाध्याय का कहना है कि डाक्टर की रिपोर्ट के आधार पर धाराएं लगाई गईं हैं। नाबालिग होने के कारण पुलिस ने बाल

अपचारियों को नोटिस पर छोड़ दिया। टीला जमालपुरा पुलिस के मुताबिक, 16 वर्षीय किशोर गौतम नगर थाना इलाके में रहता है। वह दसवीं का छात्र है। वह रोजाना पूल गेम खेलने टीला जमालपुरा में गणेश चौक स्थित स्नूकर क्लब में आता है। बीती 15 फरवरी को भी वह क्लब में गया था। जहां पर उसके साथ कोचिंग में पढ़ने वाले दो छात्रों ने चाकू और छुरी से हमला कर दिया। नाबालिगों ने छात्र को दौड़ा-दौड़ा कर चाकू व छुरी मारी। इससे क्लब में अफरा-तफरी मच गई। अन्य लोग भी अपनी जान बचाकर भागे। घटना का वीडियो सामने आया है कि जिसमें नाबालिग उसे चाकू व छुरी से हमला कर रहे हैं। हमले में छात्र लहूलुहान हो गया। वारदात को अंजाम देकर नाबालिग भाग निकले। छात्र के हाथ, पीठ कंधे व शरीर के अन्य हिस्सों में चोट आई है। एक हाथ की दो उंगली भी कट गईं थीं। उसका इलाज जारी है। पुलिस की जांच में सामने आया है कि कुछ दिन पहले पीड़ित का दोनों छात्रों ने विवाद हो गया था। उस वक्त छात्र ने दोनों को थप्पड़ मार दिए थे।

निराकरण | शिक्षकों को करना होगा 10वीं-12वीं में दोगुना मूल्यांकन

12वीं की परीक्षा में फिजिक्स में दो प्रश्न आउट आफ सिलेबस, मिलेगा दो अंक का बोनस

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) ने परीक्षाएं के बीच में कापियों का मूल्यांकन भी शुरु कर दिया है। राजधानी में मूल्यांकन केंद्र समन्वयक संस्था माडल स्कूल टीटी नगर को बनाया गया है। मंडल के जारी निर्देशों में कहा गया है कि बारहवीं फिजिक्स के पेपर में जिन छात्रों सेट ए में प्रश्न क्रमांक एक का ए आदर्श विद्युत का आकार पूछा गया है। यह प्रश्न त्रुटिपूर्ण है। इसमें चारो सेट में सभी विद्यार्थियों को एक अंक बोनस का दिया जाएगा। इसके अलावा सेट ए के प्रश्न क्रमांक पांच में ए का प्रश्न आउट आफ सिलेबस का पूछा गया। चारों सेट वाले सभी विद्यार्थियों को एक अंक बोनस का दिया जाएगा। इससे हरेक विद्यार्थी को दो-दो अंक का बोनस मिलेगा।

मंडल ने मूल्यांकनकर्ता शिक्षकों का कार्य जरुर बढ़ा दिया है। इससे उन्हें आर्थिक लाभ भी मिलेगा। इस साल उन्हें डेढ़ से दोगुनी कापियों का मूल्यांकन करना होगा। जानकारी के अनुसार पिछले साल तक शिक्षकों को प्रतिदिन 30 कापियों का मूल्यांकन करना होता था। वर्तमान में उन्हें हरदिन 45 से 60 कापियों का मूल्यांकन करने के लिए निर्देशित किया गया है। माशिमं ने मूल्यांकन संबंधी विस्तृत दिशा-निर्देश भी जारी कर दिए हैं।

मॉडल स्कूल में सीसीटीवी से हो रही निगरानी

मंडल ने मूल्यांकन के लिए काफी दुरुस्त व्यवस्था की हुई है। माडल स्कूल में सीसीटीवी की निगरानी में मूल्यांकन कार्य भी शुरु हो चुका है। मूल्यांकन व्यवस्था में किए गए बदलाव से तेज जरुर आयी है। इससे विद्यार्थियों के रिजल्ट भी समय पर घोषित हो सकेंगे। साथ ही फर्जी उपस्थिति, देरी और लापरवाही पर भी नियंत्रण किया जा रहा है। वर्तमान की दस फरवरी से शुरु कर दी गई हैं, परिणाम भी जल्द घोषित किए जाएंगे। मंडल को करीब 16 लाख विद्यार्थियों की सवा करोड़ कापियों का मूल्यांकन कराना है।

मूल्यांकन का पहला चरण शुरु

पहले चरण के मूल्यांकन में अंग्रेजी, भौतिक विज्ञान, इतिहास, कृषि और विज्ञान की कापियों का मूल्यांकन होगा। तीन मार्च से दूसरा चरण शुरु होगा। नई व्यवस्था के तहत इस बार डिजिटल निगरानी प्रणाली लागू की गई है। शिक्षकों को अब मूल्यांकन कार्य शुरु करने से पहले मोबाइल ऐप से उपस्थिति दर्ज हो रही है। ऐसा नहीं करने की दशा में शिक्षकों को मूल्यांकन करने कापियां नहीं दी जाएंगी। हर दिन मूल्यांकित कापियों का रिकार्ड ऐप और रजिस्टर पर अपडेट किया जाएगा। निरीक्षण दल भी ऐप आधारित डाटा से मूल्यांकन केंद्रों की निगरानी करेगा।

सात नकलची धराए

हायर सेकंडरी की परीक्षा में सोमवार को बायोलाजी का पेपर था। परीक्षा में सात नकल के प्रकरण दर्ज किए गए हैं। इसमें मुरैना में सर्वाधिक तीन, भोपाल, ग्वालियर, देवास और इंदौर में एक-एक विद्यार्थी नकल करते हुए धराए हैं। उक्त विद्यार्थियों के खिलाफ नकल प्रकरण दर्ज किया गया है।

दैनिक जागरण 04
सप्तरंग
www.dainikjagranmpcg.com
मनोरंजन की दुनिया का
भोपाल 24 फरवरी 2026

अच्छा इंसान मिल जाए तो झटपट शादी कर लूं - मृणाल ठाकुर

धनुष के साथ रिलेशनशिप को लेकर इन दिनों चर्चा में रहीं मृणाल ठाकुर ने अब अपनी शादी पर खुलकर बात की है। मराठी फिल्म में काम कर चुकी मृणाल हिंदी फिल्म इंड्स्ट्री के अलावा तेलुगू इंड्स्ट्री में भी काफी एक्टिव हैं। इन दिनों वह चर्चा में हैं अपनी नई फिल्म 'दो दीवाने शहर में' को लेकर। इस खास मुलाकात में मृणाल प्यार-मोहब्बत, शादी और जीवनसाथी पर खुल कर बात करती हैं।

● रेखा खान ●

छोटे पर्दे से अपने करियर की शुरुआत करने वाली मृणाल ठाकुर ने अपने छोटे से करियर में लंबा सफर तय किया है। पहली बार स्कूल में अपने क्लासमेट के प्रति आकर्षित हुईं मृणाल अपने स्कूली आकर्षण के बारे में कहती हैं, दूसरी कक्षा से लेकर सातवीं कक्षा तक एक लड़का मुझे बहुत पसंद था, मगर मैं इतनी शर्मीली थी कि कभी कुछ कह ही न नहीं पाई। मेरी हिम्मत ही नहीं हुई कि मैं मैं अपनी भावनाओं का इजहार कर पाती और उसके बाद मेरे पापा का ट्रांसफर हो गया और मैं दूसरे शहर चली गई, तो वो किस्सा एक कसक बन कर रहा गया। अपने पहले किस के बारे में बताना मुझे काफी पर्सनल लगता है, मगर इतना बता सकती हूं कि उस वक्त मैं कॉलेज में थी, जब ये हुआ था।

ऋतिक, शाहिद और जॉन पर था क्रश

मेरी किताबों में हीरोज के कटआउट्स हुआ करते थे। और वो हीरो थे, ऋतिक रोशन, शाहिद कपूर और जॉन अब्राहम। साड़ी के बॉक्स पर मैं और मेरी बहन इन हीरोज के फोटो काट कर चिपका देते और उन्हें बुकमार्क के रूप में संजो कर रखते थे। पापा को पता चलता तो बहुत डांट पड़ती थी। तकदीर देखिए, इन तीनों हीरोज के साथ मुझे काम करने का मौका मिला। रितिक के साथ मैंने सुपर 30 की, शाहिद कपूर के साथ जर्सी तो जॉन अब्राहम संग बाटला हाउस।

सही समय पर शादी होना जरूरी है

मुझे लगता है, पैरंट्स सही कहते हैं। शादी समय पर होना जरूरी है। पहले मैं सोचती थी कि करियर सेटल कर लूं तब शादी करूं, मगर अब ऐसा नहीं सोचती। रिलेशनशिप में मैं कभी रिजेक्ट नहीं हुई, हां हमने आपसी सहमति से अलग हुआ जरूर तय किया था, मगर प्यार में नकारे जाने की नौबत कभी नहीं आई।

मर-मिटने वाला प्यार नहीं हुआ

मुझे अब तक शिद्दत वाला, मर-मिटने वाला प्यार नहीं हुआ। कई लोगों को रिलेशनशिप के कुछ ही महीनों में पता चल जाता है कि वो एक-दूसरे के लिए बने हैं। मैं बस उसी प्यार की तलाश में हूं, मैं उस पागलों वाले प्यार में पड़ने के लिए तैयार हूं। मैं लाल जोड़े में दुल्हन बनने के लिए रेडी हूं। मेरे माता-पिता भी अब अपने नाती-नातिन के लिए तैयार हैं।

भयंकर झगड़े के बाद भी वो मुझे गले लगाए

मुझे एक अच्छा इंसान मिल जाए, जिससे मेरा दिल भी मिले, हमारे बीच कंपैटिबलिटी हो तो मैं बेशक झटपट कर लूंगी शादी। आज कल डिवोर्स रेट बढ़ गए हैं और शादियां करने से लोग कतराने लगे हैं। तो मुझे बेमेल शादी करके वो गलती नहीं करनी। जीवनसाथी के रूप में एक ऐसा लड़का चाहती हूं, जो जो भयंकर झगड़ा होने के बावजूद मुझे गले लगाए। मैं जैसी हूं, मुझे उसी रूप में स्वीकार करें और तुम्हारी खामियां मेरे लिए मायने नहीं रखती। मेरे लिए अहम है कि मैं तुम्हारे साथ खुश रहूं।

रश्मिका और विजय ने शादी के कार्ड में रखा अपना खास नाम

इंडस्ट्री के सबसे प्यारे कपल्स में से एक रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा इसी हफ्ते शादी करने जा रहे हैं। खबरों पर हमेशा चुप्पी साधे रहने के बाद आखिरकार दोनों ने साथ में इसका ऐलान कर दिया है। सोशल मीडिया पर उन्होंने खुद ये खबर कन्फर्म की।

साउथ इंडस्ट्री के सबसे फेमस कपल अगले हफ्ते उदयपुर में एक निजी समारोह में शादी करने जा रहे हैं। हालांकि, दोनों ने अभी तक कोई औपचारिक घोषणा नहीं की थी। लेकिन रविवार को उन्होंने अपने-अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर पोस्ट शेयर करके अपनी शादी की पुष्टि की।
उस नोट में लिखा था, हमारे प्यारे दोस्तों। इससे पहले कि हम अपने लिए कुछ चुनते - आप पहले से ही हमारे साथ थे। आपने हमें इतने प्यार से एक नाम दिया। आपने हमें 'विरोष' कहा। इसलिए आज - पूरे दिल से, हम अपने इस मिलन को आपके सम्मान में समर्पित करते हैं। उन्होंने आगे लिखा, हम इसे 'विरोष की शादी' नाम देना चाहेंगे (लाल दिल वाला इमोजी)। हमें इतना प्यार देने के लिए धन्यवाद।

रश्मिका और विजय देवरकोंडा की शादी

रश्मिका और विजय देवरकोंडा ने पिछले साल 3 अक्टूबर को हैदराबाद में चुपचाप सगाई कर ली थी और अब वे 26 फरवरी को उदयपुर में शादी करेंगे। दोनों के बीच अफेयर की अफवाहें तब से चल रही हैं जब उन्होंने गीता गोविंदम (2018) और डियर कॉमरेड (2019) में साथ काम किया था। रश्मिका और विजय 26 फरवरी को उदयपुर के एक ऐतिहासिक महल में शादी करेंगे। वे हैदराबाद लौटने के बाद अपने फिल्मी दोस्तों के लिए रिसेप्शन भी देंगे।

नेटफ्लिक्स के साथ वेब सीरीज बनाएंगे कपिल शर्मा?

कपिल शर्मा और नेटफ्लिक्स का साथ पिछले 2 साल से कई लोगों का मनोरंजन कर रहा है। अब लगता है कि ये पार्टनरशिप और आगे बढ़ने वाली है। खबर है कि नेटफ्लिक्स कॉमेडियन के साथ मिलकर एक वेब सीरीज बनाने वाला है। इंडिया के सबसे बड़े कॉमेडियन में से एक कपिल शर्मा अपने फैंस के फेवरेट हैं। वो हर हफ्ते नेटफ्लिक्स पर अपना कॉमेडी शो द ग्रेट इंडियन कपिल शो लेकर आते हैं, जिससे लोगों का दिल खुश होता है। उन्हें हंसने के अनगिनत मौके मिलते हैं। कपिल अपनी फिल्मों से भी छाए रहते हैं।

, वेब सीरीज बनाएंगे कपिल शर्मा?

कपिल शर्मा अब पॉपुलर कॉमेडी शो के बाद, कपिल वेब सीरीज में भी नजर आ सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट अनुसार, नेटफ्लिक्स कपिल शर्मा के साथ एक कॉमेडी वेब सीरीज बनाने का प्लान कर रहा है, जिसमें कॉमेडियन मेन लीड होंगे। सूत्रों के मुताबिक, इसकी शूटिंग अगले महीने से इंडिया के बाहर शुरू होगी। खबर ये भी है कि नेटफ्लिक्स ने कपिल शर्मा की अपकमिंग फिल्म दादी की शादी के भी स्ट्रीमिंग राइट्स खरीद लिए हैं।

नीतू कपूर संग फिल्म में दिखेंगे कपिल शर्मा

कपिल की फिल्म 'दादी की शादी' इसी साल रिलीज होनी है, जिसमें नीतू कपूर और उनकी बेटी रिद्धिमा कपूर साहनी शामिल हैं। ये रिद्धिमा की बॉलीवुड डेब्यू फिल्म भी है। जिसकी कहानी एक ऐसे परिवार की है, जिसमें दादी दोबारा शादी करने की बात कहती है और पूरे परिवार में बवाल मच जाता है।

जेपी में टोकन सिस्टम फेल, कलेक्टर ने लाइन देख अधीक्षक को लगाई फटकार

कलेक्टर ने किया अस्पताल का औचक निरीक्षण, भीड़ प्रबंधन करने के दिए निर्देश

नगर संवाददाता, भोपाल। कलेक्टर भोपाल कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने सोमवार को जयप्रकाश अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल की ओपीडी सेवाओं का जायजा लिया। एक्स-रे कक्ष के बाहर लंबी लाइन देखकर कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त की और अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. संजय जैन को फटकार लगाई। साथ ही पूरे अस्पताल प्रबंधन को निर्देश दिए कि वह अस्पताल में आने वाले मरीजों की भीड़ का उचित प्रबंधन करें। कलेक्टर ने सिविल सर्जन से पूछा कि एक्सरे में भीड़ बढ़ने पर कोई टोकन सिस्टम नहीं है क्या, इस पर सिविल सर्जन कोई जवाब नहीं दे सके। उन्होंने तुरंत टोकन या क्रमांक व्यवस्था लागू करने के निर्देश दिए, ताकि मरीजों में धक्का मुक्की न हो और लंबा इंतजार न करना पड़े। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर अलग-अलग काउंटर पर जाकर स्वयं व्यवस्थाएं देखते रहे। कई मरीजों से सीधे बातचीत कर उन्होंने पूछा कि उन्हें कितनी देर से इंतजार करना पड़ रहा है और क्या समय पर जांच व परामर्श मिल पा रहा है। कुछ मरीजों ने

लंबी प्रतीक्षा और अव्यवस्थित भीड़ की शिकायत की, जिस पर कलेक्टर ने तत्काल सुधार के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अस्पताल में आने वाला हर व्यक्ति पहले से ही बीमारी से परेशान होता है, ऐसे में उसे व्यवस्थागत परेशानी नहीं झेलनी चाहिए। ओपीडी पंजीयन काउंटर पर भी भीड़ देखकर उन्होंने विशेष रूप से बुजुर्ग और गंभीर रोगियों के लिए अलग बैठक व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। फिजियोथेरेपी यूनिट में अपेक्षा से कम मरीज मिलने पर उन्होंने सेवाओं की जानकारी प्रमुख स्थान पर प्रदर्शित करने और आवश्यकता अनुसार उन्नयन का प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए।

डेंगू से निपटने तैयारी शुरू, वॉलेंटियर्स को दी गई ट्रेनिंग

नगर संवाददाता, भोपाल। राजधानी भोपाल में मच्छर जनित बीमारियों पर नियंत्रण के लिए स्वास्थ्य विभाग ने व्यापक तैयारी शुरू कर दी है। वाहक जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत 60 स्वयंसेवकों को विशेष प्रशिक्षण दिया गया। यह प्रशिक्षण मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष शर्मा के निर्देशन और जिला मलेरिया अधिकारी स्मृता नामदेव के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। प्रशिक्षण का उद्देश्य स्वयंसेवकों को केवल जानकारी देना नहीं, बल्कि उन्हें प्रभावी संवाद और व्यवहार कौशल से मजबूत बनाना रहा। उन्हें सिखाया गया कि किस प्रकार समुदाय में जाकर घरों की जांच करें, जमा पानी में लार्वा की पहचान करें और उसे तुरंत नष्ट करने की प्रक्रिया समझाएं। डॉ संतोष भार्गव ने बताया कि डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों को जागरूकता और सतर्कता से रोका जा सकता है। यदि हर व्यक्ति अपने घर और आसपास पानी जमा नहीं होने देगा तो मच्छरों के प्रजनन पर रोक लगाई जा सकती है। प्रशिक्षण सत्रों में प्रस्तुति, चार्ट, समूह चर्चा और गतिविधियों के माध्यम से स्वयंसेवकों को व्यवहारिक जानकारी दी गई। प्रशिक्षण समन्वयक रत्नेश सिंह, कृष्णा पटेल और भूमिका साहू ने अलग-अलग समूहों में प्रशिक्षण देकर उन्हें क्षेत्र में काम करने के लिए तैयार किया। जिला मलेरिया अधिकारी स्मृता नामदेव ने निर्देश दिए कि जहां भी लार्वा मिले, उसे तुरंत नष्ट किया जाए। कूलर, गमले, टंकियों और अन्य जल पात्रों की नियमित सफाई पर विशेष जोर दिया गया।

जिला मलेरिया कार्यालय ने शुरू किया अभियान

देय तिथि से पहले करें बकाया राशि का भुगतान

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा बकाया राशि वसूली के लिए सघन प्रयास किये जा रहे हैं। इन प्रयासों के अंतर्गत बकाया राशि वसूली के लिए घर-घर जाकर बिजली कर्मचारी और अधिकारी राजस्व वसूली में लगे हैं। कंपनी के सभी वृत्त कार्यालयों में समीक्षा बैठकें आयोजित कर मैदानी स्तर पर राजस्व वसूली की वृद्धि के प्रयास तेज कर दिये गये हैं। सभी मैदानी अधिकारियों को बकाया राशि वसूली करने, भू-राजस्व संहिता के अंतर्गत सी-फार्म एवं कुर्की करने, बैंक खाते सीज करने की कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये हैं। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने यह भी निर्देश दिये हैं कि विजीलेंस द्वारा बनाये गये प्रकरणों में बकाया राशि की वसूली भी तेज की जाए। इसके अलावा ऑडिट द्वारा निकाली गई बकाया राशि और अन्य कारणों से बकाया राशि की वसूली की जाए। कंपनी द्वारा यह भी निर्देश दिये गये हैं कि काटे गये कनेक्शनों की रात्रि में चेकिंग की जाए ताकि बकायादार उपभोक्ता अवैध रूप से बिजली का उपयोग न करें और यदि कोई उपभोक्ता ऐसा करता पाया जाता है तो उसके विरूद्ध बिजली अधिनियम-2003 की धारा 138 के अंतर्गत प्रकरण बनाया जाएं।

जांच के दौरान एक महीने में 45 हजार यात्री बिना टिकट पकड़े

नगर संवाददाता, भोपाल। भोपाल मण्डल के टिकट निरीक्षकों ने टिकिट जांच अभियान से बिना टिकिट/अनबुक्ड लगेज/अनियमित टिकिट लेकर यात्रा करने वालों के विरुद्ध 45 हजार प्रकरण बनाए हैं। यह आंकड़ा जनवरी महीने का है। जानकारी अनुसार भोपाल रेल मंडल में 45 हजार प्रकरणों से रेलवे ने 2 करोड़ 72 लाख रुपये का जुर्माना वसूल किया है। वहीं बात करें पश्चिम मध्य रेल पूरे जोन की तो यह आंकड़ा और बढ़ जाता है। पश्चिम मध्य रेल ने चालू वित्तीय वर्ष के जनवरी माह में कुल 01 लाख 37 हजार मामले पकड़े और अतिरिक्त किराया एवं जुर्माना सहित कुल 8 करोड़ 94 लाख रूपए का राजस्व अर्जित किया है। जो इसी माह में पिछले वर्ष वसूले गये जुर्माने (कुल 7 करोड़ 39 लाख रूपए) की तुलना में 20.99 प्रतिशत अधिक है। साथ ही रेलवे बोर्ड द्वारा निर्धारित लक्ष्य (08 करोड़ 82 लाख रुपए) से 1.33 प्रतिशत अधिक है।

M.P. State Electronics Development Corporation Ltd.
State IT Centre, 47-A, Arera Hills, Bhopal-462011 (M.P.)
www.mpsedc.mp.gov.in, Ph. : 0755-2518300
Website : marketing@mpsedc.com

NOTICE INVITING TENDERS (NIT)

MPSEDC invites online proposals for following bids on MP Tender :

S. No.	Tender No.	NIT
1	MPSEDC/ Drone/ 2026/675	RFP for Narmada Parikrama Survey Using Drone/Aircraft, or Helicopter for State Government Projects.

For detailed scope of work, terms and conditions please refer to the respective bid document available on MP Tender Portal (www.mptenders.gov.in).
M.P. Madhyam/124587/2026 **CHIEF GENERAL MANAGER**

2 मार्च से होगी बसों की हड़ताल नई परिवहन नीति का विरोध

मध्य प्रदेश बस ऑनर्स एसोसिएशन ने किया ऐलान

नगर संवाददाता, भोपाल। नई परिवहन नीति के विरोध में दो मार्च से पूरे प्रदेश में बस सेवाएं ठप होने जा रही हैं। मध्य प्रदेश बस ओनर्स एसोसिएशन के बैनर तले मध्य प्रदेश के सभी निजी बस संचालकों ने अपनी बसों के पहिए जाम करने का ऐलान किया है। बस ओनर्स एसोसिएशन का कहना है कि 24 दिसंबर 2025 को राच्य सरकार द्वारा जारी की गई नई परिवहन नीति निजी बस ऑपरेटरों के हितों के खिलाफ है। एसोसिएशन के अनुसार, सरकारी बस परिवहन को दोबारा शुरू करने, किराए में बढ़ोतरी और टैक्स में इजाफे से निजी बस संचालकों पर सीधा आर्थिक दबाव पड़ेगा। एसोसिएशन ने साफ किया है कि दो मार्च से पूरे मप्र में अनिश्चितकालीन हड़ताल की जाएगी, जिससे यात्री बस सेवाएं पूरी तरह प्रभावित रहेंगी। संगठन का आरोप है कि निजी कंपनियों को बस संचालन की अनुमति देने से हजारों निजी बस ऑपरेटर और उनसे जुड़े कर्मचारी बेरोजगार हो सकते हैं।

सरकार को दी चेतावनी

हड़ताल की रणनीति को लेकर सागर में मध्य प्रदेश बस ओनर्स एसोसिएशन की एक अहम बैठक आयोजित की गई, जिसमें रायसेन जिला सहित कई जिलों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। बैठक में सरकार से नई परिवहन नीति पर पुनर्विचार की मांग की गई। बस ओनर्स एसोसिएशन ने चेतावनी दी है कि जब तक उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

जनगणना 2027 के लिए बैरसिया और नगर निगम क्षेत्र के लिए मास्टर ट्रेनर्स नियुक्त

जागरण संवाददाता, भोपाल। मई माह से शुरू होने वाली जनगणना 2027 के लिए मास्टर ट्रेनर्स की नियुक्ति सोमवार को कर दी गई है। डिप्टी कलेक्टर व जिला जनगणना अधिकारी भुवन गुप्ता भोपाल जिले के शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के लिए मास्टर ट्रेनर्स की नियुक्ति कर दी गई हैं। ये ट्रेनर्स जनगणना कार्य में लगे कर्मचारियों को तकनीकी और व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करेंगे। भोपाल नगर निगम क्षेत्र व तहसील हुजूर व कोलार के लिए डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विज्ञान एवं वाणिज्य कालेज के सहायक प्राध्यापक डॉ. मुकेश नापित और जनपद शिक्षा केंद्र, फंदा पुराना शहर के बीआरसीसी सुरेंद्र सिंह रघुवंशी मास्टर ट्रेनर का काम करेंगे। इसी तरह बैरसिया तहसील के लिए शासकीय स्वामी विवेकानंद महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक सिद्धांत जैन को मास्टर ट्रेनर की जवाबदारी दी गई है। वे बैरसिया शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के कर्मचारियों को ट्रेनिंग उपलब्ध कराएंगे। जिला जनगणना अधिकारी भुवन गुप्ता ने बताया कि मास्टर ट्रेनर्स की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। ये ट्रेनर्स प्रगणकों को डेटा संकलन की बारीकियों से अवगत कराएंगे, ताकि जनगणना के दौरान किसी भी प्रकार की विसंगति न रहे। विशेषकर डिजिटल डेटा एंट्री और मोबाइल ऐप के माध्यम से होने वाले कार्यों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

M.P. MADHYA KSHETRA VIDYUT VITARAN CO. LTD.
(A Govt. of M. P. Undertaking)
OFFICE OF THE DY. GENERAL MANAGER (O&M) DIVISION NARMADAPURAM
Phone No. : 07574-256448, E-Mail : dgm.hbd@gmail.com

NOTICE INVITING E-TENDER

MPMKVVCL hereby invited separate offer for hiring the below mentioned type of vehicle in the following locations:-

Tender Description	Name of Unit/Office	Particulars	EMD (Rs.)	Due Date of Submission of offer	Opening Date & Time
No. DGM/O&M/ N'Puram/VEH./4783-84 Narmadapuram, Dated 23.02.2026	Manager MPMKVVCL Seoni Malwa Rural Sub Division Under O&M Dn. Narmadapuram	**Type G3** : Light Commercial Vehicle (Non-AC) 3 to 5 Metric Ton Truck or equivalent Vehicle	3000/-	04.03.2026 up to 3:00 PM	05.03.2026 at 3:30 PM
No. DGM/O&M/ N'Puram/VEH./4779-80 Narmadapuram, Dated 23.02.2026	Manager MPMKVVCL Seoni Malwa Rural Sub Division Under O&M Dn. Narmadapuram	**Type F2,** Mini Pick-up (Double Cabin) With Ladder or Equivalent Vehicle	3000/-	04.03.2026 up to 3:00 PM	05.03.2026 at 3:30 PM
No. DGM/O&M/ N'Puram/VEH./4775-76 Narmadapuram, Dated 23.02.2026	Manager MPMKVVCL Narmadapuram Town Zone-II Under O&M Dn. Narmadapuram	**Type F2,** Mini Pick-up (Double Cabin) With Ladder or Equivalent Vehicle	3000/-	04.03.2026 up to 3:00 PM	05.03.2026 at 3:30 PM
No. DGM/O&M/ N'PURAM/4771 N'PURAM, Date.23.02.2026	Manager MPMKVVCL Narmadapuram Town Zone-I Under O&M Dn. Narmadapuram	**Type F3** : Mini Pick-up – Double cabin with ladder or equivalent (For Single Shift).	3000/-	04.03.2026 up to 3:00 PM	05.03.2026 at 3:30 pm

Other details, terms and conditions are available on company website: **https://portal.mpcz.in** or the under signed office.
M.P. Madhyam/124597/2026 **DGM (O&M)**

संक्षिप्त खबरें

चंद्रप्रभ भगवान के मोक्ष कल्याणकपर चढ़ा 108 किलो का महालाडू

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। मंगलवारा स्थित दिगंबर जैन मंदिर में सोमवार को 1008 श्री चंद्रप्रभ भगवान का मोक्ष कल्याणक भक्तिभाव से मनाया गया। इस पावन अवसर पर 108 किलो का महालाडू चढ़ाया गया। मंदिर का विशेष आकर्षण 36 दिवसीय महा-अनुष्ठान है। महावीर जयंती तक चलने वाले उक्त अनुष्ठान में देश-विदेश (जर्मनी, लंदन, दुबई, यूएस) के एक हजार से ज्यादा श्रद्धालुओं ने पंजीकरण कराया है। अनुष्ठान कारने का उद्देश्य बच्चों व युवाओं में संस्कार और दीर्घ बुद्धि, गर्भस्थ शिशुओं का स्वास्थ्य एवं सुखद भविष्य, परिवार में प्रेम-वात्सल्य और प्रसन्नता, जल संरक्षण, पर्यावरण शुद्धि एवं नशामुक्ति और गंभीर रोगों से बचाव (फास्ट फूड का कम उपयोग) बताए गए हैं। कार्यक्रम के दौरान पं. प्रदीप जैन के सानिध्य में 100 वर्ष प्राचीन प्रतिमा का अभिषेक होगा। हरेक सोमवार को 1008 नामों के साथ शांतिधारा की जाएगी। हरेक दिन 151 परिवारों के नाम से दीप प्रज्जवलन किया जाएगा। आचार्यश्री समय सागर जी एवं आचार्यश्री विशुद्ध सागर जी सहित अनेक संतों का मंगल आशीर्वाद लिया जाएगा। इस दौरान आदित्य मनयां (अध्यक्ष), संजय जैन मुंगावली(स्वागत अध्यक्ष) और विजय श्वेता (मंत्री) मनोज मन्नु उपस्थित रहेंगे।

अवैध बोरवेल खनन मिला, तो अधिकारियों पर गिरेगी गाज

जागरण संवाददाता, भोपाल। राजधानी में गिरते भू-जल स्तर के बीच लगातार अवैध बोरवेल खनन जारी है। इसके बाद भी अधिकारी बोरवेल खनन रुकवाने को लेकर गंभीर नहीं है। जिसे लेकर सोमवार को कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने चेतावनी जारी करते हुए कहा कि जिले में कहीं भी अवैध बोरवेल खनन पाया गया, तो संबंधित क्षेत्र के जिम्मेदार अधिकारियों पर सीधे कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने एसडीएम को निर्देश दिए कि पेयजल अधिनियम के तहत बोरवेल खनन पर लगे प्रतिबंध का सख्ती से पालन कराएं। जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की समीक्षा बैठक के दौरान कलेक्टर ने कहा कि गर्मी के मौसम में जल स्तर में तेजी से गिरावट आती है, जिसे रोकने के लिए अवैध उत्खनन पर लगाम लगाना अनिवार्य है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि कार्रवाई केवल कागजों तक ही सीमित न रहे। मैदान में भी निरीक्षण करें यदि अवैध बोरवेल मशीन चलती पाई जाती है, तो उसे तत्काल जब्त कर संचालकों पर कड़ी कार्रवाई की जाए।

अवैध शराब से भरी कार पकड़ाई

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। हबीबगंज पुलिस ने अवैध शराब से भरी एक कार को पकड़ा है, जिसमें 187 लीटर शराब रखी थी। पुलिस ने शराब और कार को जब्त कर लिया है। दोनों की कीमत 8 लाख रुपए बताई गई है। हबीबगंज थाना प्रभारी संजीव चौकसे ने बताया कि सोमवार को मुखबिर की सूचना पर पुलिस की एक टीम ने 1100 क्वाटर के पास एक सफेद रंग की कार को रोका। फोर्ड फिगो कार में ब्लैक फिल्म चढ़ी थी। वह तेजी से कैम्पियन स्कूल की ओर भागा। पुलिस ने उसका पीछा किया। कार केंद्रीय पर्यावरण भवन रविशंकर नगर से अंदर और सेंट थॉमस चर्च के पीछे चालक ले गया। जहां कार की चाबी निकालकर नाले की ओर कूदकर भाग निकला। एमपी 04 सीजी 9601 कार की तलाशी लेने पर उसके अंदर काले रंग के कम्बल से ढंके 21 कार्टन मिले। इसमें 18 पेटी अवैध शराब रखी थी। 3 पेटी में 25 लीटर गोवा व्हिस्की तथा 18 पेटी में देशी मदिरा प्लेन रखी थी। पुलिस ने कार व शराब को जब्त किया।

शिक्षा और चिकित्सा क्षेत्र में केंद्र सरकार की पहल युगांतकारी: कपूर

भोपाल। आरकेडीएफ ग्रुप के चेयरमैन डॉ सुनील कपूर ने केंद्र सरकार द्वारा शिक्षा एवं चिकित्सा क्षेत्र में घोषित

दूरदर्शी एवं संरचनात्मक योजनाओं का हृदय से स्वागत करते हुए इसे राष्ट्र के समावेशी एवं सतत विकास की दिशा में एक युगांतकारी पहल बताया है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में अधोसंरचना विस्तार, डिजिटल सशक्तिकरण, अनुसंधान एवं नवाचार को प्रोत्साहन तथा कौशल-आधारित पाठ्यक्रमों के संवर्धन संबंधी प्रावधान भारतीय युवाओं को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के अनुरूप सक्षम बनाने की आधारशिला सिद्ध होंगे। चेयरमैन के अनुसार, चिकित्सा क्षेत्र में नए मेडिकल संस्थानों की स्थापना, अत्याधुनिक उपकरणों की उपलब्धता, स्वास्थ्य सेवाओं के विकेन्द्रीकरण तथा प्राथमिक स्वास्थ्य ढांचे के सुदृढ़ीकरण की पहल आमजन को सुलभ, गुणवत्तापूर्ण एवं किफायती उपचार सुनिश्चित करेगी। यह न केवल 'स्वस्थ भारत' के संकल्प को साकार करेगी, अपितु चिकित्सा अनुसंधान एवं मानव संसाधन विकास को भी नई दिशा प्रदान करेगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि शिक्षा और स्वास्थ्य के इन समन्वित प्रयासों से सामाजिक न्याय, अवसरों की समानता एवं मानवीय गरिमा की स्थापना को बल मिलेगा।

बाबू के आवास से 5 लाख की चोरी

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। जनजातीय संग्रहालय में बाबू के सरकारी आवास से पांच लाख की चोर हो गई। चोर अंदर के दरवाजों का ताला खोलकर सूने मकान से चोरी कर ले गए। घटना के वक्त वह अपने गृह नगर रीवा गए थे। टीटी नगर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ चोरी का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। टीटी नगर पुलिस के मुताबिक, 33 वर्षीय अर्श प्रताप सिंह तुलसी नगर में सरकारी आवास में पत्नी के साथ रहते हैं। अर्श श्यामला हिल्स स्थित जनजातीय संग्रहालय में ग्रेड तीन पर कार्यरत हैं। बीती 6 फरवरी को अर्श पत्नी के साथ अपने गृह नगर रीवा गए थे। जहां से वह सोमवार को वापस लौटे। घर आकर देखा उन्होंने तो बाहर के दरवाजे पर ताला लगा था। अंदर दरवाजों पर लगे ताले टूटे थे। अलमारी का लॉक टूटा था। लॉकर ने रखे सोने-चांदी के जेवरात, नकदी 5 हजार रुपए गायब थी। चोरी गए माल की कुल कीमत 5 लाख रुपए बताई गई है।

सरपंच के भतीजे को लगा करंट, मौत

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। बिलखिरिया इलाके में एक युवक के खेत में पानी देते समय करंट लग गया, जिससे उसकी मौत हो गई। उसके चाचा गांव के सरपंच हैं। पुलिस ने पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। बिलखिरिया थाना प्रभारी उमेश चौहान ने बताया कि 20 वर्षीय करण नायक गांव सांकल नरोन्हा में रहता था। वह ठेके पर एक मियां का खेत लिया है। रविवार दोपहर को करण खेत में पानी दे रहा था। तभी उसे मोटर से करंट लग गया। परिजन उसे अचेत हालत में लेकर हमीदिया अस्पताल पहुंचे। जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सीएम हेल्पलाइन में पेंडिंग शिकायत कलेक्टर बोले 50 दिन में करें निपटारा

पराली के प्रबंधन को लेकर भी अलर्ट रहने को कहा, बोले बर्दाश्त नहीं की जाएगी लापरवाही

जागरण संवाददाता, भोपाल। जिले में सीएम हेल्पलाइन पर 19 हजार 314 शिकायतें पेंडिंग हैं और कई बार समझाइश के बाद भी अधिकारी इन शिकायतों के निपटाने को लेकर कार्यवाही नहीं करते हैं। नतीजतन शिकायतें महीनों तक पेंडिंग रहती हैं। कई बार इन शिकायतों को शिकायतकर्ता की जानकारी के बिना ही बंद कर दिया जाता है। नतीजतन शिकायत फिर से की जाती है। यह बात सोमवार को समय सीमा (टीएल) पत्रों की बैठक में कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने कही। कलेक्टर ने कहा कि फिलहाल सभी अधिकारी सीएम हेल्पलाइन में पेंडिंग शिकायतों को निपटाने में लग जाएं। सबसे पहले उन शिकायतों को तेजी से निपटाया जाए जो 50 दिन से अधिक समय से पेंडिंग हैं। यदि इन शिकायतों को निपटाने में लापरवाही की गई तो संबंधित अधिकारी पर गाज गिरेगी और उस पर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही जिन अधिकारियों या कर्मचारियों ने शिकायतों को बिना देखे ही छोड़ा है या जिनका डिस्पोजल (निराकरण) संतोषजनक नहीं है, उन अधिकारियों पर भी तत्काल एक्शन लेने के निर्देश कलेक्टर ने जारी कर दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ इला तिवारी, एडीएम सुमित पांडे, अंकुर मेश्राम, प्रकाश नायक सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

अधिकारियों की जिम्मेदारी कि जिले में कहीं भी न जले पराली

आगामी दिनों में होने वाली फसल कटाई को देखते हुए एसडीएम व कृषि विभाग के अधिकारियों को किसानों को जागरूक करना होगा। इस दौरान अधिकारी गांव गांव जाकर किसानों को पराली जलाने से होने वाले नुकसान की जानकारी देंगे। पराली जलाने की जगह किसानों को रोटावेटर और हैप्पी सीडर का उपयोग करने के निर्देश दिए। होली व रमजान को देखते हुए शहर में लॉ एंड ऑर्डर को दुरुस्त रखने को कहा।

राजस्व प्रकरणों को निपटाने चलेगा विशेष अभियान

जिले में राजस्व विभाग से जुड़े मामलों जैसे नामांतरण, बंटवारा और सीमांकन की पेंडेंसी को खत्म करने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। इसके लिए सभी एसडीएम और तहसीलदार को अपने स्तर पर तैयारियां करने के निर्देश दिए। नगर निगम के अधिकारियों को समग्र पोर्टल पर ई-केवाईसी के कार्य में गति लाने के निर्देश दिए गए ताकि हितग्राहियों को सरकारी योजनाओं का लाभ मिलने में देरी न हो।

अतिथियों के वाहन मॉडल स्कूल के पास होंगे पार्क

किसान महाचौपाल में बोलेंगे राहुल खड़गे

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। कांग्रेस कमेटी द्वारा मंगलवार को किसान महाचौपाल का आयोजन करने जा रही है। सुबह 10 बजे जवाहर चौक पर कार्यक्रम होना प्रस्तावित है। कार्यक्रम में कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, नेता प्रतिपक्ष लोकसभा एवं सांसद राहुल गांधी शामिल होंगे। कार्यक्रम में शामिल होने वाले व्यक्तियों के वाहन एवं उनकी पार्किंग की ट्रैफिक पुलिस ने व्यवस्था की है। मंच पर बैठने वाले लगभग सभी 200 अतिथियों को रंगमहल चौराहा से यादव मेडिकल तिराहा, राजस्थान स्वीट्स तिराहा के ड्रॉप कर मॉडल स्कूल के पास वाहन पार्क कर सकेंगे।

कार्यक्रम में शामिल होने वाले व्यक्तियों के वाहनों के आगमन रूट व पार्किंग :

- जो वाहन इन्दौर संभाग, उज्जैन संभाग, आष्टा, सीहोर की ओर से आएंगे मार्ग सीहोर बायपास से प्रवेश होकर बिलिकिसगंस झागरिया, रातीबड़, भदभदा, डिपो चौराहा होकर लाडली लक्ष्मी पार्क अटल पथ पर वाहन पार्क कर कार्यक्रम स्थल की ओर जा सकेंगे।
- जो वाहन नर्मदापुरम वाले मार्ग से आएंगे उनका मार्ग आरआरएल ओवर ब्रिज, रानीकमलापति रेलवे स्टेशन, मानसरोवर से लिंक रोड-02, माता मंदिर से प्लैटिनम प्लाजा होकर लाडली लक्ष्मी पार्क अटल पथ पर वाहन पार्क कर कार्यक्रम स्थल जा सकेंगे।
- रायसेन, सागर रोड की ओर से वाले वाहन पटेल नगर चौराहा, आईटीआई तिराहा, प्रभात चौराहा, सुभाष ओवर ब्रिज, बोर्ड आफिस चौराहा, लिंक रोड न-1, अपैक्स तिराहा, जैन मंदिर से टीटी नगर स्टेडियम के बायी ओर आपने वाहन पार्क कर कार्यक्रम स्थल जा सकेंगे।

इस तरह से रहेगा डायवर्सन

- डिपो चौराहा (भारत माता चौराहा) से पीएनटी अथवा पॉलिटेक्निक चौराहा से जा सकेंगे।
- प्लेटिनम प्लाजा चौराहा से जवाहर चौक आने वाले वाहन माता मंदिर चौराहे से अथवा टीटी नगर होकर आ-जा सकेंगे।
- रंगमहल से जवाहर चौक जाने वाले वाहन बाणगंगा चौराहा अथवा माता मंदिर चौराहा होकर आ-जा सकेंगे।
- नीलबड़ से रोशनपुरा की ओर जाने वाले वाहन साक्षी ढाबा तिराहा, केरवा डेम रोड, कलियासोत डेम रोड, चुना भट्टी चौराहा, कोलार गेस्ट हाउस तिराहा, चार इमली होकर आ-जा सकेंगे।
- रोशनपुरा से भदभदा चौराहा की ओर जाने वाले वाहन चालक माता मंदिर से मैनिट चौराहा, नेहरू नगर होकर भदभदा की ओर आ-जा सकेंगे।

एसपीएम कॉलेज में दिखे गायन, पुष्प सज्जा, मेहंदी और रंगोली के कई रंग

वार्षिक स्नेह सम्मेलन अनुपम-2026 का गरिमामय शुभारंभ

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखजी कालेज में दो दिवसीय वार्षिक स्नेह सम्मेलन अनुपम-2026 का शुभारंभ सोमवार को हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कालेज के जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष अनूप सिंह बैस रहे। समारोह की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. शालिनी सक्सेना द्वारा की गई। प्राचार्य डॉ. सक्सेना ने विद्यार्थियों को विभिन्न विधाओं के माध्यम से अपनी सृजनशीलता, प्रतिभा एवं रचनात्मकता के प्रदर्शन हेतु प्रेरित करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास का सशक्त माध्यम हैं। छात्र संघ परामर्शदाता डॉ. राजेश श्रीवास्तव ने कहा कि स्नेह सम्मेलन का उद्देश्य कालेज की समृद्ध परंपरा, विद्यार्थियों की प्रतिभा और उनके समर्पण को मंच प्रदान करना है। सोमवार को रंगोली, एकल गायन, समूह गायन, पुष्प सज्जा, मेहंदी एवं कलश सज्जा प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। उक्त प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को 25 फरवरी को स्नेह सम्मेलन के समापन अवसर पर पुरस्कृत किया जाएगा। यूजी और पीजी स्तर पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त मेधावी विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया जाएगा। समारोह में वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. कल्पना दवे, डॉ. कीर्ति जैन, डॉ. मीनाक्षी सक्सेना, डॉ. आशा वर्मा, डॉ. सुधांशु धर द्विवेदी, डॉ. एस.एस. यादव, डॉ. नीतू प्रिया लचोरिया सहित समस्त शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक स्टाफ तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन प्राध्यापक डॉ. अनीता मंडलोई द्वारा किया गया। 25 फरवरी को पारंपरिक वेशभूषा, एकल एवं समूह नृत्य प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा, जो कार्यक्रम को और आकर्षक एवं सांस्कृतिक गरिमा प्रदान करेगा।

भोपाल में ईद की नमाज का समय तय, सबसे पहले ईदगाह पर होगी नमाज

नगर संवाददाता, भोपाल। मसाजिद कमेटी भोपाल ने ईद-उल-फित्र 2026 की नमाज के समय और फित्रा (सदका-ए-फित्र) की दरों की घोषणा कर दी है। भोपाल में हिलाल कमेटी की बैठक में शहर काजी, मुफ्ती, नायब काजी सहित अन्य सदस्यों की मौजूदगी में यह निर्णय लिया गया।

बैठक में तय किया गया कि फित्रा गेहूं या उसकी बाजार कीमत के आधार पर अदा किया जाएगा। एक व्यक्ति के लिए गेहूं का हिसाब साढ़े छह सौ ग्राम रखा गया है। वहीं जौ और खजूर के लिए साढ़े तीन किलो या उनकी बाजार कीमत के अनुसार फित्रा अदा किया जा सकेगा। चांदी के वर्तमान भाव के अनुसार साढ़े बावन ग्राम चांदी की कीमत करीब 1,65,000 रुपए आंकी गई है, जिसके आधार पर जकात अता की जाएगी। कमेटी ने ईद-उल-फित्र की नमाज के लिए शहर की प्रमुख मस्जिदों में समय भी निर्धारित कर दिया है। इसमें ईदगाह में सुबह 7:30 बजे, जामा मस्जिद में 7:45 बजे, ताजुल मसाजिद में 8 बजे, मोती मस्जिद में 8:15 बजे और अन्य मस्जिदों में 8:30 बजे नमाज अदा की जाएगी।

बीयू में लगा सदन

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के क्षिप्रा सभागार में मंथन- द यूथ पार्लियामेंट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों की सहभागिता ने लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति उनकी जागरूकता और प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया। कार्यक्रम की शुरुआत विधि शिक्षण एवं शोध संस्थान की विभागध्यक्ष प्रो. मोना पुरोहित द्वारा की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मप्र विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर रहे। उन्होंने कहा कि यह देश युवाओं का है और युवाओं को अनुशासन एवं संस्कार के साथ आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने युवाओं को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। बीयू कुलगुरु सुरेश कुमार जैन ने कहा कि जीवन में संस्कारों का होना अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि श्यामा प्रसाद मुखर्जी फाउंडेशन नई दिल्ली के डायरेक्टर डॉ. विनय कुमार सिंह तथा सर्वोच्च न्यायालय के अधिवक्ता शैलेंद्र सिंह रहे। सभी अतिथियों ने युवाओं के तर्क, नेतृत्व क्षमता और संवैधानिक समझ की सराहना की। विधि शिक्षण एवं शोध संस्थान में विभिन्न विषयों पर यूथ पार्लियामेंट सत्र आयोजित किए गए।

विद्यार्थियों ने लिया बहस में भाग

राज्यसभा का विषय: एक समान नागरिक संहिता, **लोकसभा का विषय:** एक देश, एक चुनाव, भारतीय महिला, संसद का विषयः पर्यावरण बनाम औद्योगिक विकास मप्र विधानसभा का विषयः सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं की सुरक्षा विद्यार्थियों ने अत्यंत गंभीरता और उत्साह के साथ भारी बहस में भाग लिया। प्रस्तुततर्कों और संवाद शैली से ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो वास्तविक संसद अथवा विधानसभा का सत्र संचालित हो रहा हो। कार्यक्रम ने युवाओं में लोकतांत्रिक परंपराओं, संवैधानिक मूल्यों एवं नेतृत्व क्षमता के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध किया।

विकसित भारत-2027 पर विशेष संवाद कार्यक्रम

जागरण, भोपाल। उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान, भोपाल में विकसित भारत /2047 के अंतर्गत एक विशेष संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के युवा कार्य विभाग की सचिव डॉ. पल्लवी जैन गोविल थी। कार्यक्रम के अंतर्गत संस्थान परिसर में निर्मित अमृत वाटिका में अतिथियों द्वारा पौधारोपण किया गया तथा कार्यक्रम की शुरुआत लक्ष्य गीत के साथ हुई। इस अवसर पर डॉ. पल्लवी जैन गोविल ने विद्यार्थियों को माय भारत पहल के प्रति जागरूक किया, उन्हें पोर्टल पर पंजीकरण के लिए प्रेरित किया। डॉ. पल्लवी जैन गोविल ने संस्थान के विभिन्न विभागों एवं इकाईयों में भ्रमण किया एवं संस्थान में अध्ययनरत विद्यार्थियों से मिलकर उनकी प्रगति एवं पाठ्येत्तर गतिविधियों को देखकर संस्थान की उत्कृष्ट शिक्षा एवं गुणवत्ता की भूरि-भूरि प्रशंसा की, साथ ही उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान को विद्यार्थियों के लिए कॅरियर का एक बहुत ही उत्तम माध्यम बताया।

मंदिर स्थापत्य की अनसुलझी पहेलियों के जवाब

आर्कियोलॉजिस्ट राय ने हैरिटेज वॉक में भोजपुर और आसपास के परिवेश पर किया युवाओं से विमर्श

जागरण, भोपाल। पुरातत्व इंडिया द्वारा आयोजित हैरिटेज वॉक 'टेम्पल ट्रेल्स भोजपुर' का आयोजन रविवार को भोजपुर क्षेत्र के स्मारकों पर किया गया। इस हैरिटेज वॉक में आईटी प्रोफेशनल्स, डॉक्टर्स, प्रोफेसर्स के साथ कलाकारों ने भाग लिया। भोजपुर के इतिहास पर प्रकाश डालने के साथ साथ यहां के मंदिर एवं भोजताल डेम पर विस्तार से चर्चा की गई। भोजपुर पर बेतवा पर बना डेम लगभग 400 स्क्वायर किलोमीटर में फैला था जिसका केचमेंट एरिया लगभग 1200 किमी में फैला था। यह डेम ग्यारहवीं सदी से चौदहवी सदी में तब तक कार्य करता रहा जब तक कि मालवा के सुल्तान होशंगशाह ने इसे व्यापारियों को दस्युओं से सुरक्षित करने के उद्देश्य से तुड़वा नहीं दिया। शिवाजी ने बताया कि मंदिर का वास्तु अद्भुत है और यदि यह मंदिर पूर्ण हुआ होता तो उत्तर भारत का सबसे ऊंचा मंदिर होता जिसकी ऊंचाई खजुराहो के प्रसिद्ध कंदरिया महादेव मंदिर से भी अधिक होती है।

शिवलिंग बनाने की कार्यशाला

भोजपुर मंदिर के आसपास शिवलिंग बनाने की फैक्ट्री साइट भी मौजूद है जिसे युवा प्रतिभागियों ने बेहद उत्साह से देखा। यहां उपलब्ध अपूर्ण शिवलिंग इस तथ्य को उद्घाटित करते हैं कि भोजपुर मंदिर के आसपास अन्य छोटे शिवालय बनाने की योजना भी रही होगी जो अपरिहार्य कारणों से पूर्ण नहीं हो सकी।

मेसन्स मार्कः मंदिर की दीवारों पर मेसन्स मार्क्स मौजूद है जो स्थापतियों द्वारा बनाए जाते थे। इन निशानों से ही प्राचीन काल मे पहचान होती थी कि कौन सा कार्य किस स्थापति ने पूर्ण किया है।

स्लोप रेम्पः मंदिर के पीछे पूर्व दिशा में मौजूद रेम्प अपने आप मे खास है। साधारण सा दिखने वाला यह टीला प्राचीन भारतीय मंदिर स्थापत्य के निर्माण में उपयोग होने वाली तकनीक का हिस्सा था। इसकी मदद से ही भारी पत्थरों को ऊंचाई तक पहुंचाया जाता था।

लाइन ड्राइंग्सः भोजपुर के पठार पर चारों ओर चट्टानों पर अनेक लाइन ड्राइंग्स बने है जो कि मंदिर और अन्य शिल्पविन्यास के प्रारूप हैं। यह इस तथ्य को उजागर करते हैं कि मंदिर बनाने से पूर्ण डिजाइन्स व अन्य वास्तु विशेषताओं को प्रलेखिकृत किया जाता था।

आयोजन — आनंद विहार कॉलेज फॉर वुमेन भोपाल में प्रतियोगिताएं आयोजित

उजास 2026: बॉलीवुड फिल्मों की स्त्री पात्रों की थीम पर फैशन शो

जागरण, भोपाल। आनंद विहार कॉलेज फॉर वूमेन भोपाल में वार्षिकोत्सव उजास 2026 के द्वितीय दिवस फ्लेमलेस रेसिपी, सामाजिक जागरूकता पर आधारित वीडियो प्रेजेंटेशन एवं फैशन शो प्रतियोगिताएं आयोजित की गई । फ्लेमलेस कुकिंग प्रतियोगिता में छात्राएं अपने घरों से सामग्री लेकर पहुंची और 1 घंटे की समय अवधि में स्वादिष्ट व्यंजन तैयार कर प्रस्तुत किए। वीडियो मेकिंग प्रतियोगिता में छात्राओं ने अपने महाविद्यालय के मनपसंद कार्यों और अनुभवों के आधार पर वीडियो के माध्यम से समाज को संदेश प्रेषित किए।

फैशन शो की आकर्षक थीम

फैशन शो की थीम बॉलीवुड की विभिन्न फिल्मों की स्त्री पात्रों के आधार पर रखी गई थी। जिसमें छात्राएं पुरानी और नई हीरोइनों के किरदार की वेशभूषा में मंच पर उतरीं। सभी प्रतियोगिताओं में छात्राओं ने अति उत्साह से अपनी सहभागिता दी और पुरस्कार जीते। इस अवसर पर महाविद्यालय प्रबंधन समिति (वनिता समाज)की प्रेसिडेंट अर्चना बागची, चेयर पर्सन मधु सरन, प्रबंधन समिति के कई वरिष्ठ सदस्य ,प्राचार्य डॉ मधु मिश्रा एवं समस्त प्राध्यापकगण एवं बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं। उजास 2026 के तृतीय दिवस 23 फरवरी को फोटो बूथ (सेल्फी फ्रेम) निर्माण, पॉट डेकोरेशन, एवं वधु श्रृंगार प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी।

मिस एंड मिसेज सेंट्रल इंडिया सीजन-3 के फिनाले में 45 प्रतिभागियों ने बिखेरा जलवा

भोपाल। ग्लैमर, प्रतिभा और उत्साह का संगम 'मिस एंड मिसेज सेंट्रल इंडिया सीजन-3' ब्यूटी पेजेंट के ग्रैंड फिनाले में देखने को मिला। शहर की होटल ताज लेक फ्रंट में द पेजेंट इंडिया कंपनी की ओर से आयोजित इस शो में मध्यप्रदेश सहित देश के विभिन्न शहरों से आई 45 प्रतिभागियों ने अलग-अलग राउंड में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में फैशन, आत्मविश्वास और व्यक्तित्व की चमक ने दर्शकों को मुग्ध कर दिया। फिनाले में बॉलीवुड अभिनेता अमन वर्मा, अभिनेत्री हीरा वारिना और चर्चित फिल्म निर्देशक बेजॉय नाम्बियार बतौर सेलेब्रिटी गेस्ट के रूप से उपस्थित रहे। ब्यूटी पेजेंट शो की संयोजक ने बताया कि इस मंच का उद्देश्य महिलाओं को अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर प्रदान करना है। जजेस मयूरी सूर्यवंशी, शाहीन चौधरी, अंजलि लालवानी, जागृति अग्रवाल, डॉ. स्वाति जैन, गजल सचदेव आदि ने प्रतिभागियों के आत्मविश्वास, व्यक्तित्व, मंच संचालन और सामाजिक सोच के आधार पर विजेताओं का चयन किया।

ये रही प्रमुख विजेता

मिस वर्ग- पूर्णिमा सुनमोरिया, अनुस्मिता मांझी, अनिका चक्रवर्ती और निकिता जैसिंघानी

मिसेज सिल्वर- रिद्मा काकानी, रुपाली सारथे, सोनिका पाठक और नैना जैन

मिसेज गोल्ड- राधिका जेठा, स्नेहल चव्हाण, ज्योति गुप्ता और पूर्णिमा तिवारी विजेता रहीं।

मिसेज प्लेटिनम- सुषमा शर्मा, पूजा भगचंदानी, दामिनी ठुकराल और रेखा मारवाल

अंतरराष्ट्रीय एंबेसडर- मंजरी सिन्हा, डॉ. स्वाति जैन, डॉ. पूर्णिमा तिवारी, पूर्णिमा सुनमोरिया, च्योति झरबड़े और रेखा मारवाल

संस्थापक ▸ गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

ठोस कचरे का निस्तारण एक गंभीर चुनौती

सुप्रीम कोर्ट की इस गंभीर चिंता से सहमत हुआ जा सकता है कि ठोस कचरे का निस्तारण एक पर्यावरणीय मुद्दा मात्र नहीं है बल्कि यह जन-स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था के लिये भी गंभीर चुनौती है। निस्संदेह, जब हम विकसित भारत के व्यापक लक्ष्य हासिल करने की बात करते हैं तो नागरिक जीवन से जुड़ी बुनियादी सुविधाओं का सही ढंग से क्रियान्वयन भी एक अनिवार्य शर्त है।

देश में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन एक बड़ी नागरिक चुनौती बनी हुई है। देश के शहरी व ग्रामीण क्षेत्र, कचरे के पहाड़ों से दबे लैंडफिल, अनुचित अपशिष्ट के अलग-अलग न होने तथा कचरे के प्रभावी निपटान की चुनौती से जूझ रहे हैं। ठोस कचरा निस्तारण से जुड़े नये नियम लागू होने से कुछ सप्ताह पूर्व सुप्रीम कोर्ट ने देश में दशकों पुराने ठोस अपशिष्ट उपचार नियमों के अनुपालन में कोताही को लेकर चिंता व्यक्त की है। अदालत का मानना है कि बढ़ते कचरे का बोझ नागरिक जीवन की सुगमता को प्रतिकूल रूप से प्रभावित कर रहा है। वहीं दूसरी ओर अमृत यानी अटल मिशन फॉर रिजुवेनेशन एंड अर्बन ट्रांसफॉर्मेशन तथा स्मार्ट सिटीज जैसी प्रमुख योजनाओं के क्रियान्वयन में खामियों को उजागर किया है। यही वजह है कि न्यायालय ने समस्या की गंभीरता को महसूस करते हुए नियमों को सख्ती से लागू करने तथा स्थानीय निकायों के निर्वाचित प्रतिनिधियों की जवाबदेही तय करने की बात कही है। सही मायनों में यह समय की भी जरूरत है।

स्वच्छ और स्वस्थ पर्यावरण के अधिकार को जीवन के अधिकार का 'अविभाज्य अंग' बताते हुए कहा है कि ठोस अपशिष्ट की उपेक्षा से अर्थव्यवस्था के साथ-साथ स्वास्थ्य पर भी उतना ही विपरीत प्रभाव पड़ेगा और प्रौद्योगिकी संबंधी गतिविधियों में जब दुनिया भारत की ओर देख रही है, तो भारत को 2026 के नियमों का पूरी तरह से अनुपालन करना होगा। भारत भर में अपशिष्ट प्रबंधन को नियंत्रित करने वाले एमएसडब्ल्यू/एसडब्ल्यूएम नियमों का अनुपालन असमान बना हुआ है। स्रोत पर अपशिष्ट पृथक्करण अनिवार्य होने के बावजूद, कई शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में गीले, सूखे और खतरनाक अपशिष्टों को स्रोत पर ही अलग करना अभी भी पूरी तरह से लागू नहीं हो पाया है। नवीनतम निर्देशों के तहत जैव-उपचार के प्रयास शुरू किए जाने के बावजूद, महानगरों में बड़े-बड़े डंपसाइट अभी भी सक्रिय हैं।

दरअसल, शीर्ष न्यायालय ने स्थानीय निकायों और निर्वाचित प्रतिनिधियों मसलन पार्षदों व कॉर्पोरेटरों को दायित्व दिया है कि वे क्षेत्र के नागरिकों में स्वच्छता व ठोस कचरे के निस्तारण हेतु जिम्मेदारी की भावना विकसित करने की पहल करें। जनजागरण से ही विकट होती समस्या के निस्तारण में मदद मिल सकती है। इस दिशा में नरमी की कोई गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। प्रारंभिक चरण में दायित्व निर्वहन में विफल रहने पर जुर्माना विकल्प हो सकता है। वहीं बार-बार नियमों का उल्लंघन करने कानूनी कार्रवाई अपरिहार्य है। निस्संदेह, ऐसे मामलों में शून्य सहिष्णुता स्वच्छता और ठोस कचरे के निस्तारण में प्रभावी भूमिका निभा सकती है। साथ ही लापरवाह अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई करना कर्तव्य की अनदेखी करने पर कड़ा संदेश दे सकती है। आने वाले समय में भारत के आर्थिक विकास के साथ होने वाली उपभोग की वृद्धि और परिणामस्वरूप अपशिष्ट उत्पादन में वृद्धि होना स्वाभाविक ही है। हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा एक लाख करोड़ रुपये के निवेश से शहरी अवसंरचना में सुधार के लिये की गई पहल, सही दिशा में एक कदम है। हालांकि, यह एक हकीकत है कि नीति-निर्माताओं द्वारा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को प्राथमिकता दिए बिना भारत के शहर बढ़ती आबादी की मांगों को पूरा करने के लिये संघर्ष करते रहेंगे। ऐसे में ठोस कचरे से मुक्त भारत लक्ष्य महज एक सपना मात्र बनकर रह सकता है। लेकिन इसके बावजूद इस दिशा में सार्थक-सुनियोजित प्रयास दीर्घकाल में सार्थक साबित हो सकता है।

न्यायिक व्यवस्था | **न्याय और पीड़ित की भाषा का फासला खत्म होने में लोकतंत्र की असली परिपक्वता**

भाषाई बाधाओं को दूर करेगा 'सुवास'

डॉ सुधीर कुमार

न्याय केवल एक आदेश पत्र नहीं है, बल्कि पीड़ित के मन में उपजी वह संतुष्टि है जो उसे यह विश्वास दिलाती है कि उसकी बात सुनी गई। जिस दिन एक आम भारतीय अपनी अदालत के फैसले को स्वयं पढ़कर गौरव महसूस करेगा, उसी दिन हम भारत के लोग का संवैधानिक वादा पूरा होगा।

किसी भी जीवंत लोकतंत्र की सफलता नागरिकों और संस्थाओं के बीच अटूट संवाद पर टिकी है, लेकिन भारतीय अदालतों में यह डोर अक्सर भाषाई बाधाओं के कारण टूट जाती है। कल्पना कीजिए उस मुवक्किल की, जिसके जीवन का फैसला उसकी अपनी भाषा में नहीं हो रहा। हाल ही में न्याय की देवी की आंखों से प्रतीकात्मक पट्टी तो हटा दी गई ताकि यह संदेश जाए कि न्याय सबको देखता है, लेकिन हकीकत में ऐसा नहीं हुआ।

आज भी जब अदालत की कार्यवाही मुवक्किल के लिए 'विदेशी' भाषा में होती है तो लगता है कि आंखों की पट्टी अब 'भाषाई पट्टी' में बदल गई है। निष्पक्षता का नया प्रतीक आज भी आम नागरिक 'बौद्धिक रूप से बहिष्कृत' करने वाले औपनिवेशिक भाषाई औजार के सामने बेबस है। इस विडंबना का सबसे मार्मिक दृश्य तब उभरता है जब जीवन भर की कानूनी लड़ाई लड़ने वाला व्यक्ति फैसले के बाद अपने ही वकील से पूछता है'साहब, मैं जीता या हारा?' यह सवाल उस व्यवस्था पर मूक प्रहार है जहां न्याय तो होता है, पर वह पीड़ित की समझ से कोसों दूर रहता है। लोकतंत्र की असली परिपक्वता तभी सिद्ध होगी जब न्याय की भाषा और पीड़ित की भाषा का यह फासला खत्म होगा और कानून वास्तव में 'जनता की भाषा' में संवाद करेगा। भारत में उच्च न्यायपालिका की भाषा मुख्य रूप से अंग्रेजी है, जो लॉर्ड मैकाले की उसी शिक्षा नीति की विरासत है, जिसका लक्ष्य भारतीयों को उनकी जड़ों से काटना था। आज 'आजादी के अमृत काल' में भी अनुच्छेद 348(1)(क) के कारण सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट की कार्यवाही अंग्रेजी में ही होती है। यह विडंबना है कि जिस देश की 90 प्रतिशत आबादी अंग्रेजी नहीं जानती, वहां के सबसे बड़े अदालती फैसले उसी भाषा में दिए जाते हैं।

अदालतों में मुवक्किल की स्थिति उस मूकदर्शक जैसी होती है जो अपनी ही कहानी को किसी और की जुबानी, एक अनजान भाषा में सुन रहा है। वह वकील की दलीलों पर केवल गर्दन हिलाता है, उन्हें समझता नहीं। 'भाषा का न्याय' तब खंडित होता है जब एक ग्रामीण किसान को यह समझने के लिए अनुवादक की आवश्यकता पड़ती है कि फैसला उसके हक में है या खिलाफ। यह अनुच्छेद 21 (जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार) का सूक्ष्म उल्लंघन है, क्योंकि 'न्याय तक पहुंच' में उसे 'समझना' भी शामिल है।

न्याय की भाषा केवल अंग्रेजी होने तक सीमित नहीं है, बल्कि वह पुराने लैटिन शब्दों के भारी बोझ से भी दबी हुई है। उत्प्रेषण, पूर्व न्याय और दूसरे पक्ष को भी सुनो जैसी कानूनी शब्दावलियां एक आम नागरिक के लिए किसी अबूझ पहेली या जादू-टोने के मंत्र जैसी प्रतीत होती हैं। समय-समय पर न्यायपालिका में इस पर बहस हुई है। 'मधु लिमये बनाम वेदानंद शर्मा (1970)' के मामले में जब मधु लिमये ने हिंदी में बहस की अनुमति मांगी, तो उसे खारिज कर दिया गया। इसके विपरीत, यदि हम वैश्विक परिदृश्य देखें, तो फ्रांस में फ्रांसीसी, जर्मनी में जर्मन, जापान में जापानी और चीन में मंदारिन का प्रयोग होता है। वहां कानून को 'आम आदमी की समझ' से बाहर की चीज नहीं माना जाता। भारत में तर्क दिया जाता है कि अंग्रेजी हमें वैश्विक व्यवस्था से जोड़ती है, लेकिन क्या यह तर्क उस गरीब की संतुष्टि से बड़ा है जिसे अपनी हार या जीत का कारण ही समझ नहीं आता?

अब तक आमतौर पर होता यही रहा है कि मुकदमे की जद में आने के बाद कोई व्यक्ति लंबे समय तक कानूनी-प्रक्रिया का सामना करता है, अदालत में उसके मामले की सुनवाई होती है, फैसला भी आ जाता है, लेकिन अंग्रेजी न जानने की वजह से इस समूची प्रक्रिया को सहजता से समझना उसके लिए कई बार संभव नहीं होता है। निचली अदालतों में सुनवाई हिंदी में जरूर होती है, लेकिन देवनागरी में जो दस्तावेज या कागजात तैयार होते हैं, उसमें सामान्य हिंदी का प्रयोग नहीं होता है। इसके बाद ऊपरी अदालतों की भाषा अंग्रेजी होने की वजह से उन वादियों के लिए समझना मुश्किल होता है, जिन्हें केवल हिंदी या कोई क्षेत्रीय भाषा आती है। यह स्थिति आम है कि अदालत के फैसलों को अगर वकील ने अपने मुवक्किल को ठीक से नहीं समझाया तो इसके लिए उन्हें अलग से किसी ऐसे व्यक्ति को पैसे चुका कर समझना पड़ता है जिसे अदालत की भाषा और अंग्रेजी ठीक से आती है।

'सुवास' एक क्रांतिकारी कदम : डिजिटल युग में 'सुवास' (सुप्रीम कोर्ट विधिक अनुवाद सॉफ्टवेयर) जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल का विकास भाषाई दीवार को गिराने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है, जो अदालती फैसलों को क्षेत्रीय भाषाओं में सुलभ बना रहा है। हालांकि, अनुवाद कभी भी अभिव्यक्ति का पूर्ण विकल्प नहीं हो सकता क्योंकि इसमें अक्सर कानूनी बारीकियां और संवेदनाएं खो जाती हैं। वास्तविक न्याय तब होगा जब हम 'अनुवादित न्याय' से आगे बढ़कर 'मौलिक भाषाई न्याय' की ओर बढ़ेंगे, जहां फैसले अनुवाद के भरोसे न रहकर सीधे पीड़ित की मातृभाषा में लिखे जाएं। आज भारत में भी एक सशक्त 'सरल भाषा आंदोलन' की नितांत आवश्यकता है, ताकि कानून की पेचीदगियों को 10वीं कक्षा का एक सामान्य छात्र भी आसानी से समझ सके। इस दिशा में कुछ ठोस और व्यावहारिक कदम उठाने होंगे, जिसमें सबसे महत्वपूर्ण अनुच्छेद 348(2) का विस्तार करना है ताकि उच्च न्यायालयों में क्षेत्रीय भाषाओं के प्रयोग को वास्तविक बढ़ावा मिल सके।

आधुनिक दौर में तकनीक का लाभ उठाते हुए एक 'द्विभाषी व्यवस्था' विकसित की जानी चाहिए, जहां अदालती कार्यवाही की लाइव स्ट्रीमिंग के दौरान स्थानीय भाषाओं में सबटाइटल उपलब्ध हों। इसके साथ ही, विधि शिक्षा के पाठ्यक्रम में सुधार करना अनिवार्य है ताकि भविष्य के वकील अपनी मिट्टी की बोली और संवेदनाओं से जुड़े रहें। प्रत्येक न्यायिक फैसले के अंत में एक 'सरल सारांश' जोड़ने की परंपरा शुरू होनी चाहिए, जो भारी-भरकम कानूनी शब्दावलियों से मुक्त हो और आम नागरिक को यह स्पष्ट कर सके कि वास्तव में फैसला क्या हुआ है।

न्याय केवल एक आदेश पत्र नहीं है, बल्कि पीड़ित के मन में उपजी वह संतुष्टि है जो उसे यह विश्वास दिलाती है कि उसकी बात सुनी गई। जिस दिन एक आम भारतीय अपनी अदालत के फैसले को स्वयं पढ़कर गौरव महसूस करेगा, उसी दिन हम भारत के लोग का संवैधानिक वादा पूरा होगा।

खुला मंच

सेंट एपस्टीन के सानिध्य का सौभाग्य

हीरा सिंह अधिकारी

सेंट जैफरी एपस्टीन, इस सदी के महान शिक्षाविद्, समाज सुधारक, अर्थशास्त्री, साहित्यकार और धर्मगुरु रहे हैं । विश्व के सभी देशों के सम्मानित लोग इनके पास गुप्त ज्ञान अर्जन हेतु पहुँचते रहे थे । इनके द्वारा प्रदत्त ज्ञान को गुप्त इसलिए कहा जाता है क्योंकि इस ज्ञान का जिक्र बाहरी दुनिया में नहीं किया जाता था । आर्य भूमि भारत का भी सौभाग्य रहा है कि यहाँ के कुछ देवदूतों को भी सेंट जेफरी एपस्टीन के सानिध्य में बैठने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है । हमारा दुर्भाग्य यह रहा कि हम 2014 में आज़ाद हुए और सेंट जैफरी एपस्टीन 2019 में ब्रह्म विलीन हो गये, अगर हमें आज़ादी एक दशक पहले मिल गई होती तो आसाराम या बाबा राम रहीम जैसे महान संत आज जेलों में नहीं होते , बल्कि एपस्टीन फाइल नामक महाकाव्य में उनका जिक्र होने के कारण उनकी पीठ थपथपाई जा रही होती ।

चचा ने भी अपने भतीजे हरु पुरिया को सेंट एपस्टीन के कॉन्वेंट स्कूल में भर्ती करवाया था। हरु पुरिया ने भी मन लगाकर ज्ञान अर्जन किया। हरु पुरिया कहता है कि उसने एपस्टीन स्कूल में केवल तीन या चार पीरियड ही अटेंड किये हैं , जबकि उसके विरोधियों का कहना है कि देश के विकास को देखते हुए यह निष्कर्ष आसानी से निकाला जा सकता है कि हरु पुरिया ने तीन-चार से अधिक पीरियड अटेंड किये हैं। उनका तो दावा है कि कई अन्य गणमान्यों लोगों ने भी एपस्टीन स्कूल में पढ़ाई की है। देश की हालत देखकर तो लग रहा है कि हरु पुरिया और उसके चचा पूरे पाँच वर्ष तक सेंट एपस्टीन से मिलते रहे हैं, वर्ना आप ही बताईये कि डॉलर को नब्बे के पार पहुँचाना किस की औक़ात में है ।

जैफरी एपस्टीन से हुई मुलाक़ातों को लेकर किसी को भी शर्मिंदा होने की ज़रूरत नहीं है। एपस्टीन से बड़े ज्ञान वर्धक तो अपने वीआईपी हैं। एपस्टीन फाइल में यौन शोषकों की सिर्फ तस्वीरें ही छापी जा रही हैं लेकिन अपने यहाँ यौन शोषण के समाचार के नाम पर पार्टी मुख्यालय की नालियाँ गाँठ लगे हुए गुब्बारों से जाम मिलती हैं। एपस्टीन तो मध्य प्रदेश की सड़कों पर सरेआम प्रदर्शन करनेवाले धाकड़ से कम घिनौना है। मेरा तो सुझाव है कि हम सभी पक्षों की नंगई से अवगत हैं , लिहाज़ा अपनी छुपाने के लिए देश के हितों के साथ समझौता मत कीजिए। केवल टी-शर्ट उतारने से कोई नंगा नहीं हो जाता है।

आज़ादी से पहले, देश के मुखिया की गिरती साख के कारण डॉलर मज़बूत हुआ हो या नहीं हुआ हो, लेकिन आज़ादी के पश्चात डॉलर मुखिया जी की साख बचाने के चक्कर में अवश्य मजबूत हुआ है ।

प्रसंगवश

टीम इंडिया को खल रही विराट कोहली की कमी!

विनोद पाठक

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुकाबले में भी यही अहसास बार-बार उभरा कि काश विराट मैदान में होते। भारत ने ऐसे क्षण देखे, जब मैच हाथ में लग रहा था, लेकिन क्रिकेट का खेल अक्सर उन्हीं पलों में पलटता है, जब संयम और स्पष्टता की जरूरत होती है। साझेदारियां बनते-बनते टूट गईं।

टीम इंडिया को अक्सर भावनाओं के आईने में देखा जाता है। शायद यही वजह है कि हालिया नतीजों ने सिर्फ आंकड़ों की चिंता नहीं बढ़ाई, बल्कि एक खालीपन का अहसास भी कराया। टी-20 वर्ल्ड कप के सुपर-8 मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हार को अगर केवल एक मैच की तरह देखा जाए तो कहानी अधूरी रह जाएगी।

यह हार दरअसल उस दौर का प्रतिबिंब है, जिसमें टीम अपने नए स्वरूप की तलाश कर रही है। इसी तलाश में एक नाम बार-बार याद आता है, वह है विराट कोहली। कोहली की मौजूदगी का मतलब हमेशा सिर्फ शतक या बड़े स्कोर नहीं रहा। उनकी बल्लेबाजी में एक लय होती थी, जैसे पारी किसी अदृश्य धागे से बंधी हो। जब वे क्रीज पर होते थे तो मैच की गति अचानक स्थिर लगने लगती थी, मानो उतावलापन खुद ही धीमा पड़ गया हो। मौजूदा टीम में प्रतिभा की कोई कमी नहीं, लेकिन वही भरोसा कि कोई है, जो पारी को संभाल लेगा, अक्सर टूटता हुआ सा लगता है।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुकाबले में भी यही अहसास बार-बार उभरा। भारत ने ऐसे क्षण देखे, जब मैच हाथ में लग रहा था, लेकिन क्रिकेट का खेल अक्सर उन्हीं पलों में पलटता है, जब संयम और स्पष्टता की जरूरत होती है। साझेदारियां बनते-बनते टूट गईं। रन गति का उतार-चढ़ाव यह बताता रहा कि टीम अभी अपनी धड़कन की सही रफ्तार खोज रही है। यह किसी कमजोरी से ज्यादा उस स्वाभाविक प्रक्रिया का हिस्सा है, जिससे हर नई पीढ़ी गुजरती है। स्पिन की चुनौती ने इस कहानी को और गंभीर बना दिया है। बल्लेबाजों का संघर्ष सिर्फ तकनीक का नहीं, धैर्य का भी दिखता है। कुछ पलों में वे बहुत सतर्क दिखते हैं तो कुछ में जरूरत से ज्यादा जल्दबाज। यही उतार-चढ़ाव क्रिकेट को खेल से ज्यादा एक मानसिक यात्रा बना देता है। जब गेंद धीमी पड़ती है और रन आसान नहीं मिलते, तब असली परीक्षा कौशल की नहीं, धैर्य की होती है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ईशान किशन, अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा यही धैर्य नहीं दिखा सके। अभिषेक शर्मा का फॉर्म तो इस वर्ल्ड कप में चिंता में डालने वाला है। पहले तीन मैचों में वो खाता तक नहीं खोल सके थे।

दरअसल, भारतीय टीम इस समय एक संक्रमण से गुजर रही है। हर संक्रमण की तरह इसमें असहजता भी है और संभावना भी। यह टीम आक्रामक है, निडर है और कई बार यही उसकी सबसे बड़ी ताकत बनती है, लेकिन बड़े टूर्नामेंट अक्सर केवल ऊर्जा से नहीं, संतुलन से जीते जाते हैं। यही संतुलन अभी आकार ले रहा है।

विराट कोहली को मिस करना शायद इसी संतुलन को मिस करना है। ऑस्ट्रेलिया में टी-20 वर्ल्ड कप-2022 में पाकिस्तान के खिलाफ ऐसे ही फंसे मैच को विराट कोहली ने जीत में बदल दिया था। उनकी नाबाद 82 रनों की पारी आज भी क्रिकेट फैंस के जहन में ताजा है।

वह भरोसा कि खेल चाहे जैसे मुड़े, कोई उसे संभालने वाला है, लेकिन खेल की खूबसूरती यही है कि हर पीढ़ी को अपना नायक खुद बनाना पड़ता है। हारें, चुनौतियां और असमंजस उसी प्रक्रिया का हिस्सा हैं। आगे का रास्ता कठिन जरूर दिखता है, लेकिन भारतीय क्रिकेट की कहानी हमेशा वापसी की रही है। यह टीम भी अपने अनुभवों से सीखते हुए वही संतुलन पाएगी, जिसकी झलक अभी-अभी दिखनी शुरू हुई है।

शायद आने वाले समय में यही दौर याद दिलाएगा कि परिपक्वता अचानक नहीं आती, वह धीरे-धीरे बनती है, मैच दर मैच, सीख दर सीख। शायद यही इस समय की सबसे सच्ची तस्वीर है। एक टीम जो अभी अधूरी नहीं, बल्कि निर्माणाधीन है।

अंतरराष्ट्रीय व्यापार | **क्या आर्थिक संकटों के समाधान के लिए आपात शक्तियों का सहारा लेना उचित है?**

अमेरिकी कोर्ट का निर्णय, संवैधानिक मर्यादा की पुनर्स्थापना

अजीत सिंह

अमेरिका की सर्वोच्च अदालत ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए टैरिफ को असंवैधानिक और अवैध ठहराते हुए रद्द कर दिया है। दरअसल, यह फैसला केवल व्यापार नीति पर एक कानूनी टिप्पणी नहीं, बल्कि अमेरिकी लोकतंत्र के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के साथ ही संवैधानिक मर्यादा की पुनर्स्थापना की है।

ट्रंप प्रशासन ने 'राष्ट्रीय आपातकाल' का हवाला देते हुए अंतरराष्ट्रीय व्यापार में असंतुलन और व्यापार घाटे को अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिए खतरा बताया था। इसी आधार पर आपातकालीन आर्थिक शक्तियों का उपयोग करते हुए विभिन्न देशों पर आयात शुल्क लगाए गए। तर्क यह था कि विदेशी प्रतिस्पर्धा अमेरिकी उद्योग, रोजगार और राष्ट्रीय सुरक्षा को प्रभावित कर रही है। लेकिन अदालत ने स्पष्ट किया कि संविधान के तहत कराधान और टैरिफ लगाने की शक्ति कांग्रेस को प्राप्त है, राष्ट्रपति को नहीं।

दरअसल, यहां मूल प्रश्न यह नहीं था कि टैरिफ सही थे या गलत; बल्कि यह था कि उन्हें लगाने का अधिकार किसके पास है। अदालत ने कहा कि आपातकालीन शक्तियों का अर्थ असीमित अधिकार नहीं होता। यदि राष्ट्रपति आपातकाल का विस्तार कर कराधान जैसे मौलिक विधायी अधिकार अपने हाथ में ले लें, तो लोकतांत्रिक संतुलन टूट जाएगा। इस प्रकार यह निर्णय अमेरिकी व्यवस्था में 'चेक एंड बैलेंस' की अवधारणा को मजबूत करता है।

ट्रंप की आर्थिक नीति 'अमेरिका फर्स्ट' के नारे के साथ सामने आई थी। इसका मूल दर्शन यह था कि वैश्वीकरण ने अमेरिकी श्रमिकों और उद्योगों को नुकसान पहुंचाया है। इसलिए आयात पर भारी शुल्क लगाकर घरेलू उत्पादन को बढ़ावा दिया जाए। राजनीतिक दृष्टि से यह नीति उन वर्गों में लोकप्रिय रही जो औद्योगिक गिरावट और बेरोजगारी से प्रभावित थे।

परंतु आर्थिक विश्लेषण बताता है कि टैरिफ का बोझ अंततः उपभोक्ताओं और छोटे उद्योगों पर पड़ता है। टैरिफ एक प्रकार का कर ही है। जब आयात महंगा होता है, तो कंपनियां उत्पादन लागत बढ़ने का भार उपभोक्ताओं पर डालती हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, स्टील और कृषि उपकरणों जैसे क्षेत्रों में यही हुआ। अमेरिकी बाजार में कीमतें बढ़ीं और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं बाधित हुईं। व्यापारिक अनिश्चितता के कारण निवेशकों में भी असमंजस का माहौल बना। अदालत के निर्णय के बाद बाजार में स्थिरता की उम्मीद जगी है, क्योंकि अब व्यापक और अचानक लगाए जाने वाले शुल्कों की आशंका कम होगी।

यह निर्णय केवल अमेरिका की आंतरिक राजनीति तक सीमित नहीं है। वैश्विक स्तर पर भी इसके दूरगामी प्रभाव हो सकते हैं। पिछले कुछ वर्षों में संरक्षणवाद की प्रवृत्ति बढ़ी है। कई देशों ने घरेलू उद्योगों की रक्षा के नाम पर आयात शुल्क और गैर-टैरिफ बाधाएं खड़ी कीं। ऐसे समय में अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला एक संकेत देता है कि आर्थिक राष्ट्रवाद भी संवैधानिक सीमाओं के अधीन है।

भारत जैसे देशों के लिए यह राहत का विषय हो सकता है। भारतीय स्टील, एल्युमीनियम, टेक्सटाइल और फार्मास्यूटिकल निर्यात पर अतिरिक्त शुल्क का दबाव कम हो सकता है। भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों में स्थिरता आने की संभावना है। यदि वैश्विक व्यापारिक वातावरण अनुकूल बने, तो विकासशील अर्थव्यवस्थाओं को निवेश और निर्यात बढ़ाने में सहायता मिलेगी।

हालांकि यह भी ध्यान रखना चाहिए कि ट्रंप और उनके समर्थक इस फैसले को न्यायपालिका के अतिक्रमण के रूप में प्रस्तुत कर सकते हैं। वे अन्य कानूनी प्रावधानों जैसे सीमित अवधि के व्यापार अधिनियम- का उपयोग कर कुछ हद तक शुल्क लागू करने का प्रयास कर सकते हैं। इसलिए यह संघर्ष केवल अदालत के फैसले से समाप्त नहीं होगा। यह नीति, राजनीति और चुनावी विमर्श में भी जारी रहेगा।

इस निर्णय का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि यह लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता को पुनर्स्थापित करता है। जब कार्यपालिका अपनी शक्ति का विस्तार करती है, तो न्यायपालिका का दायित्व है कि वह संविधान की रक्षा करे। अदालत ने स्पष्ट संदेश दिया है कि लोकप्रियता या राजनीतिक समर्थन संवैधानिक सीमाओं से ऊपर नहीं हो सकता।

आर्थिक दृष्टि से भी यह अवसर है कि अमेरिका अपने व्यापारिक संबंधों को अधिक सहयोगात्मक और बहुपक्षीय ढंग से पुनर्गठित करे। व्यापार युद्धों ने अक्सर अल्पकालिक राजनीतिक लाभ तो दिए हैं, परंतु दीर्घकाल में आर्थिक अस्थिरता ही बढ़ाई है। वैश्वीकरण की आलोचना उचित हो सकती है, पर उसका समाधान संस्थागत संवाद और नीति सुधारों में है, न कि एकतरफा कराधान में।

इस पूरे प्रकरण ने एक व्यापक प्रश्न भी खड़ा किया है - क्या लोकतंत्र में आर्थिक संकटों के समाधान के लिए आपात शक्तियों का सहारा लेना उचित है? इतिहास बताता है कि आपातकालीन प्रावधानों का दुरुपयोग लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर कर सकता है। इसलिए न्यायालय की यह भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है कि वह सीमाएं तय करे।

अंततः, यह फैसला केवल ट्रंप की टैरिफ नीति पर रोक नहीं है; यह लोकतांत्रिक मर्यादा की पुनर्पुष्टि है। यह याद दिलाता है कि राष्ट्रवाद और आर्थिक सुरक्षा के नाम पर भी संविधान की अनदेखी नहीं की जा सकती। शक्ति का केंद्रीकरण चाहे किसी भी उद्देश्य से हो, लोकतंत्र में उसकी सीमा कानून तय करता है।

आज जब विश्व राजनीति में ध्रुवीकरण बढ़ रहा है और आर्थिक असुरक्षा राजनीतिक नारों का आधार बन रही है, तब इस निर्णय का महत्व और बढ़ जाता है। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय इसलिए ऐतिहासिक है, क्योंकि उसने स्पष्ट कर दिया है कि राष्ट्रपति भी संविधान से ऊपर नहीं हैं। आर्थिक नीतियां चाहे कितनी भी लोकप्रिय क्यों न हों, उन्हें संवैधानिक प्रक्रिया से गुजरना ही होगा। लोकतंत्र की यही असली कसौटी है - और यही उसकी शक्ति भी।

जीवन दर्शन

ब्रह्मांड में सब कुछ पहले से तय है

इस ब्रह्मांड में सब कुछ पहले से ही तय है। जो मनुष्य इस सत्य को आत्मसात कर लेता है और उसी अनुसार चलता है, उसे चिरस्थायी सफलता मिलती है। वह जो कुछ रचनात्मक कार्य करता है, वह कभी नष्ट नहीं होता। मनुष्य के छोटे-से-छोटे विचार, वचन अथवा कर्म से लेकर आकाशीय शक्ति पुंजों पर इसी विधान की सर्वोच्च सत्ता है। इसमें एक क्षण के लिए भी किसी की मनमानी नहीं चल सकती, क्योंकि इस तरह की स्वेच्छाचारिता का अर्थ इस विधान की अस्वीकृति अथवा उसे नकारना ही है। अतः जीवन की प्रत्येक दशा एक श्रृंखला से बंधी हुई है, इस प्रकार हरेक दशा का रहस्य अथवा कारण उसी के अंदर निहित है।

मनुष्य जैसा बोएगा, वैसा काटेगा। यह विधान समय के भाल पर स्वर्णाक्षरों में लिखा है। कोई इसे नकार नहीं सकता, इसे झुठला नहीं सकता और न ही इससे बचकर निकल सकता है। यदि कोई अपना हाथ आग पर रखेगा, तो वह जलेगा ही, जब तक कि आग स्वयं बुझ नहीं जाती। उससे होने वाली पीड़ा को न तो मनुष्य की कराहें और न ही प्रार्थनाएं दूर कर सकेंगी। ठीक वही नियम मन की दुनिया पर भी लागू होता है। घृणा, क्रोध, ईर्ष्या, स्पर्धा, काम व लोभ- ये सभी अग्नियां हैं, जो

जलाती हैं। जो कोई इनका केवल स्पर्श मात्र करता है, उसे भी जलने की यातना को सहना पड़ेगा। मन की इन दशाओं को ठीक ही पाप कहा गया है, क्योंकि ये विधान को उखाड़ फेंकने की दिशा में अज्ञानता के कारण, किए गए प्रयत्न हैं और इसलिए ये हमें कष्ट और अनिश्चितता की ओर ले जाते हैं। इस प्रकार हम देर या सवेर, बाहरी संकटों, जैसे दुख और पीड़ा अथवा निराशा से पूर्ण रोगों, असफलताओं एवं दुर्भाग्यों के द्वारा घिर जाते हैं। इस प्रकार विपरीत प्रेम, सद्भावना और पवित्रता, ये गुण आत्मा को सुख पहुंचाते हैं, और ये शाश्वत नियम से संबद्ध होते हैं, इसलिए स्वास्थ्य, शांति, स्थायी सफलता और सौभाग्य के रूप में हमारे सामने आते हैं। सारे विश्व पर छाने वाले इस शाश्वत नियम को अच्छी तरह समझ लेने से मन उस अवस्था को प्राप्त होता है, जिसे समर्पण भावना कहते हैं। संसार में न्याय, अनुरूपता और प्रेम सबसे ऊपर है। इससे यह आशय निकलता है कि विपरीत और त्रासदायक दशाएं इस नियम के प्रति अवहेलना का परिणाम हैं। ऐसा ज्ञान हमें बल और शक्ति प्रदान करता है, और इसी की आधारशिला पर ही हम एक सच्चे जीवन, स्थायी सफलता व सुख का निर्माण कर सकते हैं।

सभी दिशाओं में अविचल बने रहने के लिए आवश्यक मानकर स्वीकार करने का अर्थ है, सभी पीड़ादायक दशाओं से ऊपर उठ जाना और ऐसी विजय, जिसमें पीड़ाएं एवं कष्ट सिर नहीं उठा सकते! जो इस विधान को मानता है, उसके अनुसार चलता है, उसे चिरस्थायी सफलता मिलती है। समस्त शक्ति अथवा समस्त दुर्बलता का कारण हमारे अंदर विद्यमान है। 'जैसा बोओगे, वैसा काटोगे', यह अटल नियम जीवन के हर क्षण पर लागू होता है। इसलिए अपने विचारों को पवित्र, वचनों को मधुर और कर्मों को श्रेष्ठ बनाएं, समर्पण भाव से सत्य के मार्ग पर चलने वाला व्यक्ति हर परिस्थिति को अवसर में बदल सकता है।

जेम्स ऐलन

।। गीता ज्ञान ।।

श्लोक

नाहं वेदैर्न तपसा न दानेन न चेज्यया।
शक्य एवंविधो द्रक्षुं दृक्षवानसि मां यथा।।

भावार्थ

श्री कृष्ण कहते हैं- मुझे इस दिव्य रूप में न तो वेदों के अध्ययन द्वारा, न तपस्या से, न दान से और न ही यज्ञ से देखा जा सकता है।

आवारा मवेशियों की समस्या फिर हुई विकराल इनकी लड़ाई में इंसानी जान पर आफत, 1 घायल

स्कूटी सवार युवती घायल, मची भगदड़, नगर निगम लापरवाह

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। जहां आवारा कुत्तों की समस्या ने संत हिरदाराम नगर की महिलाओं एवं बच्चों को घरों में ही दुबक रहने को मजबूर कर दिया है, वहीं अब मवेशियों की समस्या विकराल होती जा रही है। हर गली-मोहल्ले में इन्हें देखा जा सकता है, इससे राहगीरों का गुजरना मुश्किल होता जा रहा है, महिलाएं तो दूर से आवारा मवेशियों को देख रास्ता बदल लेती हैं।

यातायात प्रभावित : संत हिरदाराम नगर के विभिन्न मार्गों पर लंबे समय से आवारा मवेशियों के कारण यातायात भी प्रभावित हो रहा है। हालांकि भोपाल-इंदौर राजमार्ग पर बन रहे पुल से वहां मवेशियों ने बैठना बंद कर दिया है और अब उनका ठिकाना प्रेम रामचंदानी मार्ग, एफ वार्ड, चंचल रोड, आरा मशीन रोड, शनि मंदिर के आस पास आदि हो गया है। इसके अलावा जसलोक स्कूल के पास जहां लोग अक्सर कचरा फैंकते हैं, वहां पर भी मवेशियों का जमघट देखा जा सकता है। मवेशियों खासतौर पर गाय को घास खिलाने से पुण्य की प्राप्ति होती है, यह कहां तक सही है, यह तो पता नहीं लेकिन इस विश्वास के चलते सुबह सुबह लोगों को जहां पशु दिखा वहां घास खाने के लिए छोड़ देते हैं, इससे इस जगह मवेशियों का जमघट लग जाता है, ऐसे में वह मार्ग बंद हो जाता है। समस्या इनती विकराल है कि स्वामी हिरदाराम समाधि स्थल के बाहर तो घास खिलाने वालों का जबरदस्त आना जाना रहता है, ऐसे में उस मार्ग पर भी मवेशियों की अधिक संख्या से लोग समाधि स्थल तक जाने में परेशानी महसूस करते हैं।

कुत्तों से भी त्रस्त: संत हिरदाराम नगर में मवेशियों के अलावा आवारा कुत्तों की समस्या का भी समाधान नहीं हो पाया है। गांधीनगर सहित वार्ड दो, तीन, चार, पांच एवं छह में जगह-जगह हर मोहल्ले में कुत्ते घूमते देखे जा सकते हैं। कुत्तों की नसबंदी के नगर निगम के सारे दावे झूठे साबित हो रहे हैं और कुत्ते कम होने के बजाय उनकी समस्या दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है।

बीच सड़क पर सांडों की भिड़ंत से मची अफरा-तफरी।

सांडों ने कर को कर दिया से क्षतिग्रस्त ।

सांडों की लड़ाई से मची भगदड़

इधर सोमवार सुबह 11 बजे प्रेम रामचंदानी मार्ग साधु वासवानी स्कूल के समीप दो सांड आपस में भिड़ गए, जिसके बाद इस मार्ग पर खासी भगदड़ मच गई। समीप ही साधु वासवानी स्कूल हैं, जिसके खुलने का समय भी हो गया था, इन दिनों वहां परीक्षाएं चल रही हैं, ऐसे में अभिभावक अपने बच्चों को छोड़ने यहां आ रहे थे, उसी दौरान दो सांड आपस में भिड़ गए। सांड लड़ते-लड़ते समीप खड़ी कार में पीछे से घुस गए, जिससे उसका पीछे वाला कांच चकनाचूर हो गया। इसके बाद दोनों तरफ से मार्ग बंद हो गया और जो लोग इस मार्ग पर आ रहे थे, वे वापस घरों को जाने पर मजबूर हो गए। इसी बीच साधु वासवानी स्कूल से एक युवती एक्टिवा पर सवार होकर वहां से गुजर रही थी, सांडों की लड़ाई में वह नीचे गिर गई, जिसे चोटें आने की खबर है। यह दृष्य लगभग आधे घंटा देखा गया। इसके बाद में किसी ने पत्थर मारकर दोनों सांडों को भगाया। उसके बाद भी इस मार्ग पर गुजरने से महिलाएं, वद्धजन एवं बच्चे भयभीत दिखे। मोहल्ले के निवासी समाजसेवी एवं कवि कन्हैयालाल शेवानी ने बताया कि इस मार्ग पर सांडों की अक्सर लड़ाई होती है, जिस कारण अफरा-तफरी का माहौल रहता है। कई बार नगर निगम में शिकायत की गई, परंतु मवेशियों पर अंकुश नहीं लग रहा है। कन्हैयालाल शेवानी ने बताया कि पिछले साल ही सांडों की लड़ाई की चपेट में आकर एक महिला की मौत भी हो चुकी है।

विधायक पटवा के भाई का निधन, भोजपुर में शोक

जागरण प्रतिनिधि औबेदुल्लागंज। पूर्व मुख्यमंत्री सुंदरलाल पटवा के परिजन और वर्तमान भोजपुर विधायक सुरेंद्र पटवा के भाई भरत पटवा के निधन से भोजपुर विस क्षेत्र में शोक की लहर रही। भरत बीते कुछ माह से बीमार चल रहे थे। पटवा परिवार का भोजपुर क्षेत्र से गहरा और पुराना जुड़ाव रहा है। भरत पटवा के निधन पर भाजपा नेता धर्मेंद्र चौहान, ओमप्रकाश मीणा, राजेंद्र अग्रवाल, जयप्रकाश शर्मा, विपिन भार्गव, सोनू चौकसे, हेमराज मीणा, पवननजोत खालसा, बागीश अग्रवाल, नरेंद्र शर्मा, रविन्द्र विजयवर्गीय, लोकेश परमार, जीतू नंदवंशी, सुजीत यादव, सुनील वाल्मीकि, प्रदीप अरोरा, संजय प्रजापति, देवेंद्र यादव, दीपू परमार व नरेश सेठी सहित सैकड़ों भाजपा नेताओं ने शोक जताया है।

भोपाल विमानतल पर डॉग केनल भवन का उद्घाटन

चंडीगढ़ से लिया विशेष प्रशिक्षण

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। राजधानी के राजा भोज विमानतल सीआईएसएफ डॉग स्क्वॉड के लिए विस्तारित एवं अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त डॉग केनल भवन का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर विमानपत्तन निदेशक रामजी अवस्थी एवं सीआईएसएफ कमांडेंट तुल भानोतरा भी उपस्थित थे। भोपाल विमानतल के एच-24 (24×7) संचालन प्रारंभ होने के बाद सुरक्षा व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ किया गया है। वर्तमान में विमानतल पर कुल 6 प्रशिक्षित डॉग स्क्वॉड तैनात हैं। प्रत्येक डॉग के लिए पृथक हैंडलर नियुक्त है, जो उनके प्रशिक्षण, देखभाल एवं परिचालन दायित्वों का निर्वहन करता है। उल्लेखनीय है कि इन डॉग्स को चंडीगढ़ स्थित सीआईएसएफ राष्ट्रीय प्रशिक्षण केंद्र में लगभग 6 माह का विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है, जिसके उपरांत उन्हें विभिन्न हवाई अड्डों पर तैनात किया जाता है। ये डॉग्स विस्फोटक पदार्थों की पहचान सहित सुरक्षा संबंधी अत्यंत महत्वपूर्ण कार्यों में संलग्न रहते हैं। नव विस्तारित डॉग केनल में आधुनिक सुविधाओं के साथ वातानुकूलित (एयर कंडीशंड) कक्षों की व्यवस्था की गई है। विशेष रूप से डॉग जॉकी एवं रॉकी के लिए पृथक एयर-कंडीशंड कक्ष उपलब्ध कराए गए हैं, जिससे उनके स्वास्थ्य, आराम एवं कार्य कुशलता को और बेहतर बनाया जा सके।

इस अवसर पर कमांडेंट अतुल भानोतरा ने कहा कि प्रशिक्षित डॉग स्क्वॉड हवाई अड्डे की सुरक्षा प्रणाली का महत्वपूर्ण अंग हैं और यह नई सुविधा उनकी परिचालन क्षमता को और सुदृढ़ करेगी। विमानपत्तन निदेशक रामजी अवस्थी ने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा एयरपोर्ट प्रशासन सीआईएसएफ के साथ समन्वय में उच्चतम सुरक्षा मानकों को सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

एयरपोर्ट पर डॉग केनल भवन का शुभारंभ हुआ।

कार्यशाला संपन्न : सीहोर। सोमवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान की प्रदेश स्तरीय कार्यशाला का शुभारंभ भारत माता, पं. दीनदयाल उपाध्याय, श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्रों पर माल्यार्पण व द्वीप प्रज्वलन करने के साथ हुआ।

CHANGE OF NAME

I, Army No. JC 534870M, Rank-Nb Sub, Name: Anil Singh Rana, resident at Village -Nald, Post Office-Gangori, Tehsil Bhatwari, Distt Uttarkashi, State Uttarkhand, Pin - 249193

I have changed my son name Priyanshu to Priyanshu Rana vide affidavit No. BZ-933765 dated 11th Febuary, 2026.

कार्यालय भोपाल विकास प्राधिकरण, भोपाल
प्रगति भवन प्रेस कॉम्पलेक्स जोन-1 महाराणा प्रताप नगर भोपाल
प्रॉपर्टी आई डी. नं. 5601300004,
आवेदन क्रमांक-11160 आवेदन दिनांक-20/02/2026
क्रमांक 1022/राजस्व/भौविप्रा/26 भोपाल दिनांक 23/02/2026

आम-सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि प्राधिकरण की गीतांजलि कॉम्प्लेक्स योजना में स्थित प्रकोष्ठ क्रमांक HIG-2/4, प्रथम तल श्रीमती नेहा बरगले पत्नी स्व. श्री एन. सी. बरगले, पारुल बरगले एवं प्रांशी बरगले पुत्रिया स्व. श्री एन. सी. बरगले के संयुक्त नामो पर अंकित है। संयुक्त आवंटी श्रीमती नेहा बरगले स्वयं एवं पारुल बरगले एवं प्रांशी बरगले द्वारा मुख्तारआम श्रीमती नेहा बरगले उक्त प्रकोष्ठ क्रमांक-HIG-2/4, प्रथम तल को श्री विनयकांत पाण्डे आत्मज स्वर्गीय श्री शशि भूषण पाण्डे को विक्रय करना चाहती है जिस हेतु हस्तांतरण अनुमति जारी करने का निवेदन किया है साथ ही रजिस्ट्रर्ड मुख्तारनामा की प्रति अपलोड की है। उक्त आम सूचना 02 समाचार पत्रों में विज्ञप्ति प्रकाशित करावे। उक्त हस्तांतरण अनुमति के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति उत्तराधिकारी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशित होने की दिनांक से 7 दिवस के अंदर लिखित एवं साक्ष्य दस्तावेजो के साथ अधोहताक्षरकर्ता के समक्ष उपस्थित होकर आपति/दावा प्रस्तुत करे। उक्त समयावधि के पश्चात् कोई भी दावा/आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी, एवं प्राधिकरण नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा उक्त नामांतरण के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/उत्तराधिकारी को कोई आपति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशित होने की दिनांक से 7 दिवस के अंदर लिखित एवं साक्ष्य/दस्तावेजो के साथ अधोहताक्षरकर्ता के समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति/दावा प्रस्तुत करे। उक्त समयावधि के पश्चात् कोई भी दावा/आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी, एवं प्राधिकरण नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

राजस्व अधिकारी
भोपाल विकास प्राधिकरण, भोपाल

लुप्त होती सिंधी भगत की याद ताजा कर गया विक्रमादित्य महोत्सव

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। विभाजन के पूर्व तत्कालीन सिंध प्रदेश में संत कंवरराम सहित अनेक ऐसे गायब थे, जो सिंधी भगत से जगह-जगह हजारों श्रोताओं को जमा करते थे और सिंधी भगत बड़े ही चाह से सुनी जाती थी, लोग रात रातभर जाग कर इसका आनंद उठाया करते थे, लेकिन विभाजन के बाद सिंधी हिंदु देश के अलग-अलग स्थानों पर बस गए और इसके साथ ही सिंधी भगत भी धीरे-धीरे समाप्त होती गई, लेकिन झूलेलाल जयंती एवं राजा वीर विक्रमादित्य तथा संत कंवरराम जयंती एवं बरसी पर कभी-कभी सिंधी गीत का आनंद उठाने का अवसर मिलता है। इस बार चार दिवसीय राजा वीर विक्रमादित्य महोत्सव समारोहपूर्वक समाप्त हुआ। तीसरे दिन रात एक बजे विधायक भगवानदास सबनानी शामिल हुए और सिंधी भक्ति गीतों का आनंद उठाया। चाद दिवसीय आयोजन में पहले दिन रमेश एंड पार्टी के अलावा अचानक विश्व प्रसिद्ध सिंधी भक्ति गीतों के प्रस्तुतकर्ता परमानंद प्यासी आए ओर लोगों का खूब मनोरंजन किया। इसी तरह दूसरे दिन कोटा की लख्मीचंद एंड पार्टी के प्रोग्राम में भी पुरुषों के अलावा काफी संख्या में महिलाएं जुटी।

विधायक सबनानी सहित कई गणमान्य लोग हुए शामिल

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा पक्षकार नसीम उल्ला खान आत्मज स्व. श्री हमीद उल्ला खान, आयु लगभग 56 वर्ष, अपनी पत्नी सहित मकान नंबर - 36, कच्चा बंगला, श्यामला हिल्स भोपाल में निवासरत है। मेरे पक्षकार के पुत्र दानिश खान तथा उसकी पत्नी मदिहा खान के मध्य काफी समय से आपसी वाद-विवाद, लडाई झगड़ा चले आ रहे है तथा मदिहा द्वारा मेरे पक्षकार व उसकी पत्नी के साथ भी आये दिन लड़ाई, झगड़ा करती रही है एवं मेरे पक्षकार एवं उसकी पत्नी को झूठे केसों में फंसाने की धमकियां देती रहती है, तथा वर्तमान में लगभग 06 माह से अधिक समय से मदिहा उसके माता-पिता के घर पर निवास कर रही है तथा अपने साथ वह अपने समस्त ज्वेरात, कपड़े व सामान भी ले गई है एवं मदिहा एवं उसके माता-पिता द्वारा मेरे पक्षकार और उसकी पत्नी को झूठे पुलिस केसों में फसाने की धमकी दी गई है इस कारण से मेरे पक्षकार द्वारा अगस्त - 2025 से दानिश खान एवं उसकी पत्नी मदिहा को घर से अलग कर दिया है तथा अपने संबंध समाप्त कर लिये वर्तमान में दानिश खान मेरे पक्षकार से पृथक अन्यत्र निवासरत है, मेरा पक्षकार तथा उसकी पत्नी का दानिश खान एवं उसकी पत्नी मदिहा खान से किसी प्रकार का कोई संबंध नहीं है ना ही उनके साथ किसी प्रकार का कोई लेनदेन है। अगर दोनों के मध्य किसी भी प्रकार की कोई लड़ाई, झगड़ा या अप्रिय घटना कारित होती है या अन्य किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक आदि से किसी भी प्रकार का संव्यवहार, लेन-देन आदि किया जाता है तो इसमें मेरे पक्षकार, उसकी पत्नी की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी ।

भवदीय **अशोक गुप्ता** अधिवक्ता
मॉं लॉ चेम्बर
कार्या - यू. जी . 27, नियर केपीटल पेट्रोल पम्प करतार आर्केड,रायसेन रोड, भोपाल
मो. 9755108265, 9826721494

जाहिर सूचना

ग्राम नीलबड तहसील हुजूर जिला भोपाल के संबंध में।

मैं अपने पक्षकार के निर्देश अनुसार सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि विक्रेता श्री सुमित राठौर पिता श्री बाबुलाल निवासी मकान नंबर-एफ-2 डी,के.-3/1/39 वेरोनिका अपार्टमेंट कोलार रोड दनिश कुंज भोपाल द्वारा टोकन कर्ता (अनुबंध) तेजपाल सिंह पिता पुरन सिंह निवासी 411 न्यू टी टी नगर नीलबड भोपाल के भूखंड (भूमि) ग्राम नीलबड वार्ड नंबर 26 पटवारी हल्का नंबर 33 राजस्व निरीक्षक मंडल 03 विकासखंड फंदा तहसील हुजुर जिला भोपाल में स्थित भूमि खसरा नंबर 568/504/1/1/1/1/1/1/1/1(एस) में से रकबा 1500 वर्गफीट भूमि नाम पर राजस्व रिकार्ड में भूमि स्वामी नाम पर दर्ज है जिसका उक्त भूमि (भूखंड क्रमांक बी-112) को मेरे पक्षकार द्वारा क्रय करने हेतु टोकन बयाना राशि अदा कर दी गई है।

उक्त (भूखंड)भूमि के संबंध में किसी संस्था बैंक /वित्तीय संस्था संस्था व अन्य किसी व्यक्ति सदस्य को कोई आपत्ति हो तो मय मूल दस्तावेज के साथ जाहिर सूचना के प्रकाशन के 10 दिवस के अंदर मेरे कार्यालय में स्वयं या अपने अधिवक्ता द्वारा आपत्ती प्रस्तुत करें अन्यथा समय अवधि उपरांत आपत्ति मान्य नहीं होगी और मेरा पक्षकार उक्त भूखंड को क्रय अनुबंध या पंजीयन पत्र निष्पादित करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

भवदीय **आर.पी. मारण** अधिवक्ता
फ्लैट नंबर ए.07 प्लॉट नंबर 361,362 उदयांचल नगर नियर अमरनाथ कॉलोनी कोलार रोड भोपाल मो. 8120313884, 8109385188

-: जाहिर सूचना :-

मैं अपने पक्षकार के निर्देशानुसार सर्वसाधारण को सूचित करता हूँ कि मेरे पक्षकार ने श्री प्रमोद राज आत्मज स्व. श्री हंसराज कश्यप आयु वयस्क, निवासी-21, इब्राहिमगंज, रविदासपुरा भोपाल म.प्र. के स्वत्व, स्वामित्व एवं आधिपत्य का एक किता ढाई मंजिला मकान नं. 21 जिसका साईज 29X19= 551 वर्गफिट अर्थात 51.20 वर्गमीटर है जो कि इब्राहिमगंज, रविदासपुरा, तहसील हुजूर जिला भोपाल में नगर निगम सीमा अन्दर वार्ड न. 17 में स्थित है। को क्रय करने हेतु बयाना/टोकन राशि अदा कर दी है यदि उक्त भूखण्ड के संबंध में किसी बैंक, सोसायटी, व्यक्ति, संस्था आदि को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति अथवा लेन-देन या वाद विवाद या हिवा, दान, गिरवी, वसीयत विक्रय अनुबंध विक्रय विलेख आदि हो तो वह इस जाहिर सूचना के प्रकाशन के सात दिवस के अंदर मेरे कार्यालय मे संपूर्ण साक्ष्य के साथ उपस्थित होकर मय दस्तावेज के आपत्ति प्रस्तुत करे समय अवधि व्यतीत होने के पश्चात किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति मान्य व स्वीकार नही होगी तथा मेरा पक्षकार उक्त मकान का पंजीयन अपने पक्ष मे कराने के लिये स्वंतत्र होगें।

भवदीय **राजेन्द्र सक्सेना** अधिवक्ता
सक्सेना लॉ चेम्बर
कार्या:-शॉप नं. 58, हनुमान मंदिर केम्पस, करोन्द भोपाल
मो.8959237282

परिशिष्ट B - संख्यांक 13
जिला एवं सत्र न्यायालय भोपाल
पंचम व्यवहार न्यायाधीश, वरिष्ठ खंड, भोपाल
(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु)
आरसीएस बी/376/2023
बैंक ऑफ बड़ौदा बनाम मीना
NEXT DATE: 26-03-2026

प्रेषिती-
मीना
मान बहादुर
पता- ब्लाक नं. सी-01, एच.नं. एस एफ-2, बाजपेयी नगर भोपाल म.प्र.

यह कि प्रार्थी बैंक ऑफ बड़ौदा ने आपके विरुद्ध आरसीएस बी/376/2023 के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात / हाजिर होने के लिये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें।

यह आज तारीख 05-02-2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायालय की मुद्रा
न्यायाधीश
सुश्री हर्षा परमार
पंचम व्यवहार न्यायाधीश, वरिष्ठ खंड

परिशिष्ट B - संख्यांक 13
जिला एवं सत्र न्यायालय भोपाल
पंचम व्यवहार न्यायाधीश, वरिष्ठ खंड, भोपाल
(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु)
आरसीएस बी/66/2024
बैंक ऑफ बड़ौदा बनाम रुपसिंह
NEXT DATE: 26-03-2026

प्रेषिती-
रुप सिंह फट्टू सिंह
पता- ब्लाक नं. सी-01, एच.एन. एस एफ-5, बाजपेयी नगर ईदगाह हिल्स, भोपाल म.प्र.

यह कि प्रार्थी बैंक ऑफ बड़ौदा ने आपके विरुद्ध आरसीएस बी/66/2024 के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात / हाजिर होने के लिये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें।

यह आज तारीख 05-02-2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायालय की मुद्रा
न्यायाधीश
सुश्री हर्षा परमार
पंचम व्यवहार न्यायाधीश, वरिष्ठ खंड

BANK OF INDIA
बैंक ऑफ इंडिया
बागमुगलिया शाखा, भोपाल

लॉकर का बकाया किराया जमा करने हेतु सूचना

क्र.	लॉकर धारक का नाम	पता	बकाया किराया राशि	नोटिस भेजने की तारीख	अतिदेय अवधि
1	2	3	4	5	6
		एम.पी. नगर शाखा, भोपाल			
1	मनीष बाफना लॉकर नं. 299	एम.आई.जी. 169, गौतम नगर, भोपाल	₹ 9000.00	23/01/2025 11/08/2025 09/01/2026	02/03/2020
2	श्री केशव सिंह ठाकुर लॉकर नं. 280	म.नं. डी-198, न्यू मिनाल रेसीडेन्सी, जे.के. रोड, भोपाल	₹ 6000.00	23/01/2025 11/08/2025 09/01/2026	27/03/2022
3	मीनू अवस्थी पुत्री श्री मोहन अवस्थी लॉकर नं. 12	शांति बी-20 इंद्रपुरी भोपाल	₹ 12000.00	23/01/2025 11/08/2025 09/01/2026	14/06/2019
4	सृष्टि पंचोली पुत्री श्री श्याम पंचोली लॉकर नं. 69	1/29, विद्या नगर, होशंगाबाद रोड भोपाल	₹ 6000.00	23/01/2025 11/08/2025 09/01/2026	15/02/2022
5	सुशील कुमार खरे लॉकर नं. 65	ई3/17, एचआईजी अरेरा कॉलोनी भोपाल	₹ 12000.00	23/01/2025 11/08/2025 09/01/2026	27/04/2018
6	योगेश कुमार अरोरा लॉकर नं. 169	13 14 फॉर्च्यून शैल परिसर होशंगाबाद रोड भोपाल	₹ 9000.00	23/01/2025 11/08/2025 09/01/2026	18/07/2020
7	प्रीति सिंह लॉकर नं. 189	चार इमली, ईएन2121, भोपाल	₹ 10500.00	23/01/2025 11/08/2025 09/01/2026	28/06/2019
8	अरुण बहेल पुत्र श्री एस.आर. बहेल लॉकर नं. 205	मकान नं. 11 सेक्टर-I शक्ति नगर भोपाल	₹ 18000.00	23/01/2025 11/08/2025 09/01/2026	10/04/2014
9	सुनील खरे लॉकर नं. 212	C/O विजन इन्फिनिटी, निवास- एम-28, सेक्टर 3डी साकेत नगर, भोपाल	₹ 16500.00	23/01/2025 11/08/2025 09/01/2026	29/04/2015
		नसरुल्लागंज शाखा, नसरुल्लागंज			
10	दुर्गा बाई श्रीवास्तव लॉकर नं. 21	ग्राम-नांदगांव तह. नसरुल्लागंज जिला सीहोर	₹ 29000.00	17/01/2024 21/06/2024 23/09/2024	06/12/1997
11	स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, नसरुल्लागंज लॉकर नं. 100038	भारतीय स्टेट बैंक नसरुल्लागंज जिला सीहोर	₹ 20000.00	17/01/2024 21/06/2024 23/09/2024	25/09/2006
12	रुपा बाई ओंकारसिंह लॉकर नं. 14	सिंह पंवार, ग्रामः छेंच, तहः नसरुल्लागंज जिला सीहोर	₹ 11000.00	17/01/2024 21/06/2024 23/09/2024	04/02/2016
13	श्रीपाल जैन लॉकर नं. 7	ग्रामः लाडकुई नसरुल्लागंज जिला सीहोर	₹ 10000.00	17/01/2024 21/06/2024 23/09/2024	18/05/2016
14	मांगीलाल देवाजी जाट लॉकर नं. 4	ग्रामः करमई, पोस्टः देवतिया, तह-गौहरगंज, नसरुल्लागंज जिला सीहोर	₹ 10000.00	17/01/2024 21/06/2024 23/09/2024	05/08/2016
15	किशन धन्नालाल थरोल लॉकर नं. 100002	ग्रामः रिछारिया, नसरुल्लागंज जिला सीहोर	₹ 10000.00	17/01/2024 21/06/2024 23/09/2024	07/01/2017
16	राजेश खंडेलवाल लॉकर नं. 100013	सुदामा गली छोटा बाजार नसरुल्लागंज-जिला सीहोर सतारा	₹ 8400.00	17/01/2024 21/06/2024 23/09/2024	07/06/2017
17	रामनिवास जाट पुत्र रामनारायण लॉकर नं. 100039	ग्राम+पी.ओ.- रिछारिया नसरुल्लागंज जिला सीहोर	₹ 8000.00	17/01/2024 21/06/2024 23/09/2024	16/10/2018
18	संतोष जाट पुत्र शिवराम जी जाट Locker No. 100032	ग्राम छपरीपो निमोता तह नसरुल्लागंज जिला सीहोर	₹ 8000.00	17/01/2024 21/06/2024 23/09/2024	28/11/2018
19	अजय शर्मा लॉकर नं. 100049	शराब गोदाम घर भोपाल रोड नसरुल्लागंज जिला सीहोर	₹ 6000.00	17/01/2024 21/06/2024 23/09/2024	01/06/2020
20	जगदीश पुत्र किशनलाल लॉकर नं. 100048	ग्राम रिछड़िया कदीम नसरुल्लागंज जिला सीहोर	₹ 4000.00	17/01/2024 21/06/2024 23/09/2024	06/05/2022
		सीहोर शाखा, सीहोर			
21	सरजू प्रसाद कौशल पुत्र रामानंद जी लॉकर नं. 000042	भावसार धर्मशाला के पीछे कस्बा सीहोर	₹ 13500.00	17/06/2025 25/11/2025 31/01/2026	07.01.2018
22	अशोक कुमार जायसवाल पुत्र जगन्नाथ लॉकर नं. 100008	ग्राम/पोस्ट. फन्दा, सीहोर	₹ 12600.00	17/06/2025 25/11/2025 31/01/2026	08.06.2019
23	रवीन्द्र यादव पुत्र स्व. रामखिलाड़ी लाल यादव लॉकर नं. 000018	गंगा आश्रम, सीहोर	₹ 6000.00	17/06/2025 25/11/2025 31/01/2026	18.02.2022
24	दौलत राम शंकवार पुत्र स्व. हल्कूराम लॉकर नं. 000031	मकान नंबर 383 गर्ल्स कॉलेज के पीछे, चाणक्यपुरी सीहोर	₹ 3000.00	17/06/2025 25/11/2025 31/01/2026	25.09.2021
25	सकीना बी पत्नि निजमुद्दीन लॉकर नं. 100015	C/O अकवर अली मोहसिन अली पान चौराहा सीहोर	₹ 9000.00	17/06/2025 25/11/2025 31/01/2026	28.06.2020
		बुधनी शाखा, बुधनी			
26	डी जयश्री सिंह लॉकर नं. 0021	ए/14, न्यू मिनाल रेजीडेंसी जेके रोड भोपाल एमपी	₹ 5600.00	24/04/2024 29.10.2024 11.02.2025	24/10/2021
27	कमल सिंह ठाकुर स्टॉफ लॉकर नं. 000044	अदालत कॉलोनी, तह-बुदनी	₹ 1600.00	29.10.2024 11.02.2025 31.01.2026	02/08/2022
28	डी जयश्री सिंह लॉकर नं. 000051	ए/14, न्यू मिनाल रेजीडेंसी जेके रोड भोपाल एमपी	₹ 5600.00	24/04/2024 29.10.2024 11.02.2025	24/10/2021
29	परसराम पुत्र जवाहरलाल लॉकर नं. 000055	न्यू कॉलोनी बुडनिडिस्ट सीहोर म.प्र. बुदनी मप्र	₹ 11000.00	31.05.2022 29.10.2024 11.02.2025	11/09/2015
30	राजेश कुमार पंजाबी लॉकर नं. 000100	बुदनी जिला. सीहोर बुदनी म.प्र	₹ 12000.00	07.12.2020 29.10.2024 11.02.2025	26/12/2014
31	कृष्ण कुमार ठाकुर लॉकर नं. 00068	न्यू कॉलोनी, बुदनी जिला सीहोर म.प्र. बुदनी मप्र	₹ 6000.00	07.12.2020 29.10.2024 11.02.2025	09/04/2020
32	गणेश राम निमोदा लॉकर नं. 000089	डॉक्टर कॉलोनी, बुदनी जिला सीहोर बुदनी म.प्र	₹ 12000.00	07.12.2020 29.10.2024 11.02.2025	12/11/2014
		कोलार रोड शाखा, भोपाल			
33	मालती पाल लॉकर नं. 000066	25 जोन-1, एम पी नगर भोपाल	₹ 24000.00	07/02/2025 23/07/2025 29/10/2025	25/08/2010
34	गौरव गर्ग लॉकर नं. 000242	277, रोहित नगर, फेस-1, गुलमोहर कॉलोनी भोपाल	₹ 13500.00	07/02/2025 23/07/2025 29/10/2025	06/06/2017
35	अलामेल राजू लॉकर नं. 000119	बंगला नंबर 1-ए, सिद्धार्थ माउंट व्यू विला हिल क्रेस्ट कॉलोनी चूनाभट्टी भोपाल	₹ 12000.00	07/02/2025 23/07/2025 29/10/2025	24/03/2018
36	कन्हैयालाल गिरि लॉकर नं. 000166	42, विश्वकर्मा नगर भोपाल	₹ 9000.00	07/02/2025 23/07/2025 29/10/2025	24/07/2020

उपर्युक्त सभी लॉकर धारकों का **बैंक ऑफ इंडिया की संबंधित शाखा** में लॉकर हैं। हमने उपरोक्त तालिका के कॉलम 5 में उल्लिखित तिथियों पर बकाया लॉकर किराए के भुगतान के संबंध में विभिन्न पत्र भेजे गए हैं। हालांकि विभिन्न अनुस्मारकों के बावजूद इसका भुगतान नहीं किया गया है। सभी लॉकर धारकों को एक बार फिर सलाह दी जाती है कि वे इस अधिसूचना के प्रकाशन से 15 दिनों के भीतर उपरोक्त तालिका के कॉलम नंबर 4 में उल्लिखित बकाया किराया जमा करें। भुगतान न करने की स्थिति में इस प्रकाशन / सूचना की तिथि से 15 दिनों के बाद बैंक, लॉकर धारकों के लॉकर को उनकी ही लागत, व्यय और प्रभार पर विधिक ड्रिल करके खोल देगा और लॉकर धारक इस प्रक्रिया की किसी भी जोखिम और जिम्मेदारी पर होंगे।

दिनांक : 23.02.2026,
स्थान : भोपाल

प्राधिकृत अधिकारी
बैंक ऑफ इंडिया

SUDOKU 157

8		4		6	7		3	1
				4		9		
5			2					
9						4		7
			1		8			
6		7						3
					4			8
		1		8				
4	8		7	1		5		9

SOLUTIONS 156

9	4	1	2	3	6	7	5	8
6	2	5	4	7	8	9	1	3
8	7	3	5	1	9	4	2	6
2	8	9	1	5	4	3	6	7
1	6	7	8	9	3	5	4	2
5	3	4	7	6	2	1	8	9
4	1	6	3	8	7	2	9	5
3	9	2	6	4	5	8	7	1
7	5	8	9	2	1	6	3	4

Rules : The 3x3 sub-grids are called regions. Number already filled in the grid are called givens. The goal of the player is to fill the blank grids of every row, every column and every 3x3 box with the numbers 1,2,3,4,5,6,7,8,9 However, All rows, colums and regions (3x3) should contain numbers 1 to 9 without repeating.

राशिफल

मेष : दिन क्लियर कम्युनिकेशन को प्रायोरिटी देना महत्वपूर्ण होगा। नए प्रोजेक्ट्स के लिए अपनी आंखें खुली रखें, जो प्रॉफिट दिला सकते हैं। प्रेम जीवन रोमांटिक रहेगा।

वृषभ : अपने रिश्तों पर एक नया नजरिया देखने को मिलेगा। जीवन में कई बदलाव हो सकते हैं। नए अवसर खुद ही सामने आएंगे।

मिथुन : आपके रिश्ते, करियर, धन और सेहत के मामले में कई बदलाव हो सकते हैं। इन परिवर्तनों को पॉजिटिव सोच के साथ अपनाएं।

कर्क : संतुलन आपके कनेक्शन को मजबूत करेगा। बदलाव और विकास के मौकों को अपनाएं, क्योंकि यह समय प्रोफेशनल और पर्सनल दोनों क्षेत्रों में ग्रोथ का वादा कर रहा है।

सिंह : प्रोडक्टिव एनर्जी सुनिश्चित करने के लिए सेल्फ केयर को प्राथमिकता दें। पैसों के मामले में पॉजिटिव दृष्टिकोण बनाए रखें। नए अवसरों को अपनाएं सेहत पर ध्यान दें।

कन्या : जरूरी डिसीजन लेने के लिए अच्छा समय है, जो आपके रिलेशन और करियर को पॉजिटिव रूप से प्रभावित कर सकता है।

तुला : दिन संतुलन महत्वपूर्ण है। यह दिन उत्साह और चुनौतियों से भरपूर रहने वाला है। आप खुद को एनर्जेटिक और मुश्किलों से निपटने के लिए तैयार पाएंगे।

वृश्चिक : आज का दिन जीवन के सभी पहलुओं में चमकने का दिन है। चाहे प्यार, करियर, पैसा, या हेल्थ का मामला हो, विकास और सुधार के अवसर मिल सकते हैं।

धनु : दिन चाहे वह रिलेशनशिप, करियर, या स्वास्थ्य का मामला हो, आज पॉजिटिव रिजल्ट्स मिलेंगे। धन और स्वास्थ्य में, लाभ पाने में मदद मिलेगी।

मकर : प्यार, करियर, वित्त और स्वास्थ्य में सकारात्मकता और विकास ला सकता है। आपको अपनी नैचुरल स्किल्स पर भरोसा रखना चाहिए।

कुंभ : परिवर्तनों को अपनाएं। आज कॉन्फिडेंस के साथ सभी चुनौतियों को पार करें और जीवन के सभी क्षेत्रों में सफलता और खुशी हासिल करें।

मीन : ग्रहों की चाल आपको पॉजिटिव एनर्जी मेंटेन करने की सलाह देती है। पर्सनल लाइफ को समान रूप से प्राथमिकता दें। धन और सेहत के मामले पर ध्यान देने की जरूरत होगी।

आज का पंचांग: 24 फरवरी मंगलवार 2026। दिशाशूल : उत्तर विशेष : होलाष्टक आरंभ, अष्टमी तिथि क्षय। **कल की भद्रा :** प्रातः 07 बजकर 03 मिनट से सायं 05 बजकर 57 मिनट तक। विक्रम संवत 2082 शके 1947 उत्तरायण, दक्षिणगोल, शिशिर ऋतु फाल्गुन मास शुक्ल पक्ष की सप्तमी 07 घंटे 03 मिनट तक तत्पश्चात अष्टमी, कृतिका नक्षत्र तत्पश्चात रोहिणी नक्षत्र, ऐन्द्र योग तत्पश्चात वैधृति योग, वृष में चंद्रमा।

ग्वालियर में एयरफोर्स के सेवानिवृत्त रेडियोलॉजिस्ट से 2.52 करोड़ ठगे

सीबीआई अफसर बनकर दस्तावेज से मनी लांड्रिंग फ्रॉड का दिखाया डर

90 साल के बुजुर्ग को ऑनलाइन गिरफ्तार कर वीडियो कॉल करते रहे

जागरण, ग्वालियर। लगातार जागरुकता और सतर्क करने के बावजूद लोग शातिर साइबर बदमाशों का शिकार हो रहे हैं। ताजा मामला ग्वालियर में सामने आया है। यहां एयरफोर्स के रिटायर्ड रेडियोलॉजिस्ट से सीबीआई अधिकारी बनकर जालसाजों ने 2.52 करोड़ रुपए ठग लिए। उन्होंने 90 साल के बुजुर्ग को डराया कि उनके दस्तावेज से देश में एक बड़ा मनी लॉन्ड्रिंग फ्रॉड किया है। बुजुर्ग को डराकर कहा गया कि कुछ ही समय में विशेष पुलिस उन्हें गिरफ्तार करने आ रही है। गिरफ्तारी का सुनते ही बुजुर्ग रिटायर्ड रेडियोलॉजिस्ट और उनकी पत्नी डर गईं। उन्होंने अपनी उम्र का हवाला देते हुए निर्दोष होने की बात कही। इसके बाद उन्हें ऑनलाइन गिरफ्तार करने की बात कही गई। शातिर आरोपी वीडियो कॉल पर बातचीत करता रहा। पूरी घटना 28 जनवरी से अब तक के बीच की है। अपराधियों ने 27 दिन में मल्टीपल अकाउंट में ट्रांजेक्शन कर 2.52 करोड़ रुपए ठगे गए हैं। पीड़ित ने ठगी का अहसास होने पर सोमवार को क्राइम ब्रांच पहुंचकर शिकायत की है। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एसएसपी धर्मवीर सिंह ने बताया कि एयरफोर्स के एक रिटायर्ड अधिकारी के साथ फ्रॉड हुआ है, उनके दस्तावेजों के आधार पर फ्रॉड होने की बात कहकर उन्हें डराया गया और 2.52 करोड़ रुपए ठग लिये गए। शिकायत मिलने के बाद मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

27 दिन में 2.52 करोड़ रुपए अलग-अलग माध्यम से ठगे

एयरफोर्स से रिटायर्ड रेडियोलॉजिस्ट को भरोसा दिलाकर कि सीबीआई उनके साथ है और उनको कुछ नहीं होने देगी। इसके बाद 28 जनवरी से लेकर 27 दिन के अंदर अलग-अलग तारीख में 2 करोड़ 52 लाख 16 हजार रुपए रिटायर्ड रेडियोलॉजिस्ट से अपने विभिन्न बैंक खातों में ट्रांसफर करा लिए।

बैंक वालों को बताया तो ठगी का चला पता

रिटायर्ड रेडियोलॉजिस्ट ने पांच बार बैंक में जाकर इतनी बड़ी रकम निकाली तो बैंक वालों को शक हुआ, उनसे पूछताछ की गई। इस पर रिटायर्ड रेडियोलॉजिस्ट ने पहले तो कुछ नहीं बताया और जरुरत होने पर कैश निकालने की बात कही, जब 27 दिन में इतनी बड़ी रकम निकालकर देने के बाद भी सीबीआई अधिकारी बनकर ठग परेशान कर रहे थे तो बैंक प्रबंधन को यह बात बताई, जिसके बाद उनको बताया गया कि ऐसी कोई गिरफ्तारी नहीं होती है। आप फ्रॉड का शिकार हुए हैं। इसके बाद रिटायर्ड रेडियोलॉजिस्ट नारायण महादेव पुलिस के पास पहुंचे और शिकायत की।

आरबीआई में पैसा जमा कराने की बात कहकर ट्रांसफर कराई राशि

विंडसर हिल्स टाउनशिप निवासी नारायण महादेव (90) एयरफोर्स के मेडिकल डिपार्टमेंट में बतौर रेडियोलॉजिस्ट पद से रिटायर्ड हैं। क्राइम ब्रांच पहुंचकर नारायण महादेव ने पुलिस अफसरों को बताया कि 28 जनवरी 2026 को उनके पास एक वॉट्सऐप कॉल आया था। कॉल करने वाले ने खुद को सीबीआई (सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इंवेस्टिगेशन) अफसर बताया था। अफसर ने नारायण से कहा कि आपके आधार कार्ड, पेन कार्ड से जनरेट सिम से फ्रॉड किया है। बातचीत में आरोपी ने वीडियो कॉल के माध्यम से उनसे सारी जानकारी ले ली। फिर उनसे कहा कि उनके पास जो पैसा है वह उनको ट्रांसफर कर दें। यह आरबीआई (रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया) के पास भेजा जाएगा। जांच के बाद जब आप निर्दोष साबित होंगे तो कार्रवाई के बाद पूरा पैसा वापस कर दिया जाएगा

इंदौर के भागीरथपुरा में अब खाने का कहर, 30 लोग पहुंचे अस्पताल

जागरण, इंदौर। दूषित पानी से हुई मौतों के दर्द से इंदौर का भागीरथपुरा अभी उबरा भी नहीं था कि अब खाने ने कहर मचा दिया है। मोहल्ले में हुई एक जन्मदिन पार्टी में दाल-बाफले, सब्जी-चावल के साथ परोसे गए लजीज व्यंजन 30 लोगों की सेहत पर बन आए। परिवारजनों के साथ ही मेहमानों को भी अगले दिन अस्पताल की दौड़ लगाना पड़ी है। गनीमत की बात यह है कि कोई गंभीर बीमार नहीं है। केवल चार को भर्ती करना पड़ा है। इस नई आफत की शुरुआत रविवार को हुई थी। पेट दर्द, उल्टी दस्त ने 30 से ज्यादा लोगों को बीमार कर दिया। लोग अस्पताल भी पहुंच गए। दूषित पानी के कारण सैकड़ों की संख्या में बीमार लोगों की सहायता के लिए चाक-चौबंद की गई भागीरथपुरा में छोटी-मोटी सारी सुविधाएं फिलहाल उपलब्ध हैं। इसके लिए फूड पॉइजनिंग का यह मामला सामने आते ही डॉक्टर और सहयोगी अमला भी तत्काल सक्रिय हो गया। प्राथमिक उपचार के बाद अधिकांश को घर भेज दिया गया। केवल चार लोगों को भर्ती करना पड़ा है। चारों ही परिवार वाले हैं। बताया जाता है कि शनिवार को भागीरथपुरा की शुक्ला गली में आकाश मुखिया के बेटे के जन्मदिन की पार्टी थी। इसमें करीब 60 मेहमानों को बुलाया गया था। रविवार सुबह से ही लोग बीमार पड़ने लगे। लोग दूषित पानी का अंजाम देख चुके हैं तो तत्काल निजी और सरकारी क्लीनिकों में पहुंच गए। सूचना पर स्वास्थ्य और खाद्य विभाग का अमला भी पहुंच गया। खाद्य विभाग ने भोजन के सैंपल लिए हैं, जबकि नगर निगम द्वारा पानी के सैंपल लिये गए। परिवार के मुताबिक सिर्फ चार मरीज एमवाय अस्पताल में एडमिट हैं और उनकी हालत भी अच्छी है। इनमें निकिता पिता नंदू (18), हर्षिता पिता श्याम (19), पायल पिता हीरालाल (17) और आर्यन (18) हैं। इनमें पायल और आर्यन भाई-बहन हैं। अस्पताल ने भी तत्काल एडवायजरी के साथ अपडेट जारी किया कि कोई भी गंभीर बात नहीं है।

बर्थ डे पार्टी के दाल-बाफलों से बिगड़ी तबीयत चार हुए भर्ती

मौसम अपडेट

प्रदेश के चार महानगरों का तापमान

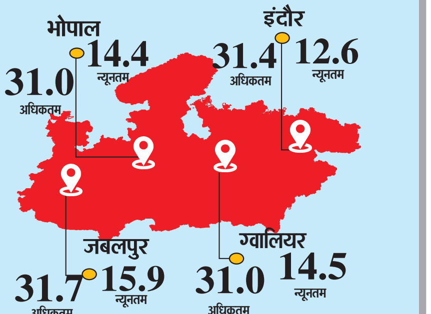

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
भोपाल	31.0	14.4
इंदौर	31.4	12.6
जबलपुर	31.7	15.9
ग्वालियर	31.0	14.5

देश के चार महानगरों का तापमान

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	30.5	11.8
मुंबई	34.5	20.3
चेन्नई	37.0	20.0
कोलकाता	31.2	20.6

सूर्यास्त 6:20 PM
सूर्योदय 6:48 AM
चन्द्रोदय 10:23 AM
चन्द्रास्त 12:00 PM

रीवा और रायपुर के बीच 15 मार्च से सीधी उड़ान

जागरण, रीवा। प्रदेश का विंध्य क्षेत्र लगातार हवाई सेवाओं के जरिए बड़े शहरों से कनेक्ट हो रहा है और विकास की नई इबारत लिख रहा है। रीवा से पहले दिल्ली और इंदौर के लिए विमान सेवा शुरू होने के बाद अब 15 मार्च से छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के लिए भी सीधी उड़ान शुरू होने जा रही है। इसे विंध्य क्षेत्र के विकास की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है।

जानकारी के अनुसार रीवा एयरपोर्ट से आगामी 15 मार्च से रायपुर के लिए नियमित विमान सेवा संचालित होगी। इस नई सेवा से मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के बीच व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य और प्रशासनिक गतिविधियों को नई रफ्तार मिलेगी। खासतौर पर विंध्य और छत्तीसगढ़ के सीमावर्ती इलाकों के लोगों को अब लंबी सड़क यात्रा से राहत मिलेगी। मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि विंध्य क्षेत्र तेजी से विकास की ओर अग्रसर है। उन्होंने बताया कि रीवा से रायपुर के बीच विमान सेवा शुरू होना क्षेत्र के औद्योगिक, व्यावसायिक और सामाजिक विकास को नई दिशा देगा।

ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकराई बाइक, दो युवकों की मौत

जागरण, बालाघाट। जिले में एक भीषण सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। घटना भरवेली थाना क्षेत्र के बैहर रोड पर टेकाड़ी और पिपरटोला के बीच हुई, जहां तेज रफ्तार बाइक सड़क किनारे खड़ी ट्रैक्टर-ट्रॉली के पीछे जा भिड़ी। मृतकों की पहचान रूपझर थाना क्षेत्र के सोनेवानी चौकी अंतर्गत ग्राम चालीसबोड़ी निवासी सुनील उईके (31) और राहुल मर्सकोले (22) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, दोनों युवक रविवार को निजी कार्य से बालाघाट आए थे। काम खत्म कर देर शाम अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान बैहर रोड पर उनकी बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़ी ट्रैक्टर-ट्रॉली से पीछे से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों युवकों को गंभीर चोटें आईं। स्थानीय लोगों की सूचना पर दोनों घायलों को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सकों ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया। देर रात दोनों शवों को जिला अस्पताल की मर्चुरी में रखा गया। सोमवार सुबह पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी की गई। अस्पताल चौकी पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई कर शव परिजनों को सौंप दिए। दो युवाओं की असमय मौत से परिजन गहरे सदमे में हैं। अस्पताल चौकी पुलिस प्रभारी शिवदयाल पटले ने बताया कि हादसे की विस्तृत जांच संबंधित थाना क्षेत्र की पुलिस द्वारा की जा रही है।

छिंदवाड़ा में खूनी झड़प : तीन महिलाओं पर पड़ोसी ने कुल्हाड़ी से किया जानलेवा हमला

जागरण, छिंदवाड़ा। शहर के अंबेडकर नगर, सुकलुढाना इलाके में रविवार को पड़ोसियों के बीच चला आ रहा विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। घर की सीढ़ी को लेकर हुए पुराने विवाद ने उस समय गंभीर रूप ले लिया, जब एक व्यक्ति ने गाली-गलौज का विरोध करने पर पड़ोस की तीन महिलाओं पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। युवती के हाथ में गहरा घाव है, जबकि दो महिलाओं को अलग-अलग जगह चोट लगी है। उन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया है, जहां उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। महिलाओं पर कुल्हाड़ी से हमले की यह वारदात सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हो गई। दरअसल मामला कुंडीपुरा थाना क्षेत्र का है। जब महिलाएं खाली प्लॉट में सिंचाई कर रही थीं, तब उन पर आरोपी नारायण साहू ने जानलेवा हमला कर दिया। आरोपी ने महिलाओं को दौड़ा-दौड़ाकर वार किया। घायलों में सुनीता अठकर (39), अपेक्षा (24)

और एक अन्य महिला शामिल हैं। यह तीनों अंबेडकर नगर के सुकलुढाना की रहने वाली हैं। घायल सुनीता आठकर ने बताया कि, वह अपने घर के पीछे स्थित खाली प्लॉट में पानी देने गई थीं। इसी दौरान पड़ोसी नारायण साहू वहां पहुंचा। इस दौरान वह रिश्तेदार अपेक्षा से बदसलूकी करने लगा। जब वह बीच-बचाव के लिए आगे बढ़ीं तो आरोपी ने उसे धक्का देकर गिरा दिया और उससे मारपीट की। कुछ देर बाद नारायण साहू अपने घर से कुल्हाड़ी लेकर आया और गाली-गलौज कर अचानक हमला कर दिया।

बेटे के जेल में बंद होने से व्यथित मां चढ़ी टॉवर पर, सिंगरौली में 8 घंटे चला ड्रामा

जागरण, सिंगरौली। बेटे के जेल में बंद होने से व्यथित एक मां हाईटेंशन टावर पर चढ़ गई। यह घटना सरई थाना क्षेत्र के चुनैईया नदी के पास हुई। महिला की पहचान इटमा निवासी बबली साकेत के रूप में हुई है। वह सुबह से टॉवर पर चढ़कर बैठ गई थी, जिसे शाम पांच बजे के बाद उतारा गया।

बबली का बेटा तीन महीने पहले हत्या के एक मामले में गिरफ्तार होकर जिला जेल पचौर में बंद है। इस कारण महिला ने यह कदम उठाया। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जमा हो गए। पुलिस और महिला के परिजन उसे सुरक्षित नीचे उतारने के लिए लगातार

समझाने का प्रयास करते रहे। इसके बाद स्थानीय नगर परिषद के पार्षद प्रेम सिंह भाटी से बात करने के बाद महिला हाई टेंशन बिजली के टॉवर से नीचे उतरी। प्रेम सिंह भाटी ने महिला को मदद का आश्वासन दिया है।

उन्होंने कहा कि 26 तारीख को उनकी बेटे की कोर्ट में पेशी है, उसे दिन मैं खुद चलूंगा और आपके बेटे की जमानत करवाऊंगा। महिला इस चीज पर राजी हुई इसके बाद वह नीचे उतर आई। महिला के पास में मोबाइल फोन नहीं था। उससे बात करने के लिए एक निजी कंपनी की हाइड्रोलिक मशीन मंगवाई और उसके माध्यम से महिला तक मोबाइल पहुंचाया। बात करने के बाद वह खुद से 30 फीट ऊंचे टावर में नीचे आई।

काले हिरण का शिकार ग्रामीणों को खेत के पास झाड़ियों में मिला कटा सिर

जागरण सिरोंज । ग्राम गोपालनगर और दीपनाखेड़ा के बीच रविवार रात शिकारियों ने एक काले हिरण का शिकार कर लिया। सोमवार सुबह जब ग्रामीण खेतों की ओर पहुंचे, तो वहां हिरण का कटा हुआ सिर और मांस के टुकड़े पड़े मिले। जिसके बाद तुरंत वन विभाग और पुलिस को सूचना दी गई। तलाशी के दौरान घटनास्थल से कुछ ही दूरी पर हिरण का सिर भी बरामद हुआ। आशंका जताई जा रही है कि शिकारियों ने खेत में ही शिकार के बाद मांस निकाला और सिर को वहीं फेंककर फरार हो गए। घटना की सूचना पर मौके पर वन विभाग के अधिकारी पहुंचे। वन विभाग ने जांच शुरू कर दी है। ग्रामीणों ने बताया कि पूर्व में शिकार की घटनाऐं की घटित हो चुकी है। वन सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार साफ तौर पर अवैध शिकार का मामला है। मौके से एक वयस्क नर काले हिरण के अवशेष मिले हैं।

रेलवे सेफ्टी की टीम करेगी निरीक्षण, मेट्रो का दायरा बढ़ाने को मिलेगी मंजूरी

इंदौर में जल्द ही छह से बढ़कर 17 किलोमीटर के ट्रैक पर दौड़ेगी मेट्रो

जागरण, इंदौर। प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर शहर में मेट्रो ट्रेन का दायरा जल्द बढ़ सकता है। वर्तमान में 6 किलोमीटर पर दौड़ रही मेट्रो की दूरी बढ़कर 17 किलोमीटर होने वाली है। गांधी नगर से रेडिसन चौराहे तक के ट्रैक का ट्रायल रन पूरा हो चुका है। सुरक्षा मानकों की जांच के बाद अप्रैल के पहले सप्ताह से यात्री सेवा शुरू होने की उम्मीद जताई जा रही है।

कमिश्नर ऑफ मेट्रो रेलवे सेफ्टी की एक टीम 11 स्टेशन व ट्रैक का दौरा कर चुकी है। अब अगले सप्ताह अंतिम निरीक्षण होगा, जिसके बाद मेट्रो का संचालन गांधी नगर से रेडिसन

चौराहे तक संभव हो सकेगा। पहले चरण के निरीक्षण में कोई खामी टीम को नहीं लगी। जल्दी ही टीम वरिष्ठ अधिकारियों को अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। उधर मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन अब मेट्रो का किराया तय करने की तैयारी कर रही है, ताकि संचालन शुरू होने के बाद यात्रियों को उसके लिए आसानी हो। 17 किमी में आने वाले चंद्रगुप्त मौर्य प्रतिमा स्टेशन, सुखलिया ग्राम स्टेशन, विजय नगर और रेडिसन चौराहा स्टेशन का काम भी अंतिम चरण में है। स्टेशनों का फिनिशिंग वर्क और रंगाई-पुताई का काम चल रहा है।

अप्रैल से संचालन शुरू करने की तैयारी : फरवरी के अंत तक सभी स्टेशनों का काम समाप्त करने का लक्ष्य रखा है, ताकि अप्रैल के पहले सप्ताह में संचालन संभव हो सके। रेडिसन चौराहे तक मेट्रो के चलने के बाद यात्रियों को भी सुविधा होगी। सुपर कॉरिडोर की आईटी कंपनी व कॉलेजों में पढ़ने वाले छात्र विजय नगर व आसपास के हिस्सों में रहते हैं। वे आसानी से मेट्रो में सफर कर सकेंगे। फिलहाल मेट्रो छह किमी हिस्से में चल रही है।

शादी का झांसा देकर महिला का शोषण, पुजारी मुकरा

पति बोला- अब मैं उसे साथ नहीं रख सकता, पुजारी से शादी कराओ

जागरण, गुना। कैंट थाना क्षेत्र में मंदिर के एक पुजारी पर महिला को शादी का झांसा देकर एक साल तक शारीरिक शोषण करने का आरोप लगा है। इस मामले में कार्रवाई न होने से क्षुब्ध होकर पीड़ित महिला और उसका पति सोमवार को एसपी कार्यालय पहुंचे और न्याय की गुहार लगाई। रसीद कॉलोनी निवासी पीड़ित महिला के अनुसार, वह अक्सर मंदिर में दीपक जलाने जाती थी। इसी दौरान उसका परिचय बाँसखेड़ी निवासी मंदिर के पुजारी से हुआ। धीरे-धीरे दोनों के बीच प्रेम प्रसंग शुरू हो गया, जो पिछले एक साल से चल रहा था। महिला का दावा है कि पुजारी ने उसे शादी करने और उसके दोनों बच्चों को साथ रखने का भरोसा दिलाया था। बीती 20 फरवरी की रात महिला के पति ने अपनी पत्नी और पुजारी को रंगे हाथों पकड़ लिया था। इसके बाद पति दोनों को बाइक से कैंट थाने लेकर पहुँचा। महिला का आरोप है कि थाने पहुँचने पर पुजारी अपने वादे से मुकर गया। पुलिस ने दोनों को दो दिन तक थाने में रखा, लेकिन न तो कोई ठोस कार्रवाई की और न ही कोई समाधान निकला। महिला अब पुजारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने पर अड़ी है। महिला के पति का रुख भी कड़ा है। पति का कहना है कि अब वह महिला को अपने साथ नहीं रखेगा। उसका कहना है कि या तो पुजारी के खिलाफ केस दर्ज हो या फिर वह महिला से शादी करे। पति ने स्पष्ट किया कि वह इस मामले में कानूनी लड़ाई लड़ेगा क्योंकि दोनों के बीच प्रेम प्रसंग था और ऐसी स्थिति में महिला को स्वीकार नहीं कर सकता।

बिजनेस प्लस

सेशेल्स गणराज्य के उपराष्ट्रपति ने एनबीसीसी के कार्यालय का किया दौरा

नई दिल्ली। सेशेल्स गणराज्य के उपराष्ट्रपति सेबेस्टियन पिल्लै ने एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करते हुए नई दिल्ली में एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड के निगमित कार्यालय का दौरा किया। सेशेल्स प्रतिनिधिमंडल ने केपी महादेवास्वामी, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एनबीसीसी और कंपनी के अन्य वरिष्ठ अधिकारिगणों के साथ सेशेल्स की परियोजनाओं के बारे में विस्तृत विचार-विमर्श किया। बैठक के दौरान, प्रतिनिधिमंडल को द्वीप के लगभग 139 हेक्टेयर क्षेत्रफल के लिए अवसंरचना विकास की रूपरेखा प्रस्तुतीकरण में व्यापक प्रस्तुतियां दी गईं। प्रस्तावित विकास परियोजना में किफायती सामाजिक आवास, मनोरंजन एवं आतिथ्य सत्कार, प्रीमियम विला,खेल मैदान एवं सामाजिक अवसंरचना आदि शामिल होंगे। यह दौरा,अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एनबीसीसी द्वारा इस वर्ष जनवरी में सेशेल्स की अपनी यात्रा के दौरान सेशेल्स सरकार के साथ पूर्ववर्ती उच्च-स्तरीय विचार-विमर्श पर आधारित है। प्रतिनिधिमंडल को एनबीसीसी द्वारा हुलहुमाले, मालदीव्स में 2000 सामाजिक आवास परियोजना के सफल निष्पादन कोदिखाकर एनबीसीसी की क्षमताओं से भी अवगत कराया । यह उल्लेख करना महत्वपूर्ण है कि परियोजना को पूर्ण करने में भारत से प्राप्त कुशल कार्यबल और निर्माण सामग्री ने महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया। उपराष्ट्रपति और प्रतिनिधिमंडल ने एनबीसीसी की क्षमताओं पर अपना विश्वास व्यक्त किया तथा बैठक के दौरान प्रस्तुतीकरण में प्रदर्शित किए गए प्रयासों की सराहना की।

सीएम योगी आदित्यनाथ के समक्ष टेमासेक के चेयरमैन ने यूपी में निवेश करने जताई उत्सुकता

सिंगापुर/ लखनऊ। उत्तर प्रदेश को वैश्विक निवेश मानचित्र पर और सशक्त बनाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सिंगापुर दौरे के पहले दिन विभिन्न विदेशी निवेशकों और कॉरपोरेट प्रतिनिधियों से महत्वपूर्ण बैठकें कीं। इन बैठकों में राज्य में निवेश की संभावनाओं, औद्योगिक सहयोग और दीर्घकालिक साझेदारी के विविध आयामों पर विस्तृत चर्चा हुई। पहले दिन मुख्यमंत्री ने सबसे पहले सिंगापुर की अग्रणी निवेश कंपनी टेमासेक होल्डिंग्स के चेयरमैन टियो ची हीन और उनकी टीम से मुलाकात की। बैठक में टेमासेक के वैश्विक निवेश पोर्टफोलियो और उत्तर प्रदेश में निवेश पर चर्चा हुई। मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री ने टेमासेक को उत्तर प्रदेश में अवसंरचना, लॉजिस्टिक्स, स्वास्थ्य, वेयरहाउसिंग, फिनटेक आधारित शहरी विकास व अन्य सम्बद्ध क्षेत्रों में निवेश के लिए आमंत्रित किया। बैठक में टेमासेक की पोर्टफोलियो कंपनी मनिपाल हॉस्पिटल्स द्वारा गाजियाबाद में लगभग 500 करोड़ रुपये के निवेश तथा असेंडास द्वारा राज्य में लॉजिस्टिक्स एवं वेयरहाउसिंग सुविधाओं के विकास हेतु करीब 500 करोड़ रुपए के निवेश से संबंधित जानकारी भी साझा की गई। यह निवेश प्रदेश में स्वास्थ्य एवं औद्योगिक अवसंरचना को नई गति देने वाला माना जा रहा है। बैठक में दोनों पक्षों ने डेटा सेंटर और कौशल विकास जैसे उभरते क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाओं को तलाशने पर सहमति व्यक्त की।

कुंभ के लिए केंद्र से मिली धनराशि से कार्यों को मिलेगी गति: सीएम धामी

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड में प्रस्तावित कुंभ मेला 2027 की तैयारियों के लिए भारत सरकार द्वारा 500 करोड़ रुपए की धनराशि जारी किए जाने पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार का आभार व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुंभ मेला केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि भारत की सनातन संस्कृति, आध्यात्मिक विरासत और सामाजिक समरसता का विश्व विख्यात महापर्व है। केंद्र सरकार द्वारा स्वीकृत यह धनराशि कुंभ मेला 2027 को दिव्य, भव्य और सुव्यवस्थित स्वरूप प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इससे आधारभूत ढांचे के सुदृढ़ीकरण, यातायात प्रबंधन,

पेयजल, स्वच्छता, सुरक्षा व्यवस्था और श्रद्धालुओं की सुविधा से जुड़े कार्यों को गति मिलेगी। श्री धामी ने विश्वास जताया कि केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों से कुंभ मेला 2027 ऐतिहासिक, सुरक्षित और सुव्यवस्थित आयोजन के रूप में स्थापित होगा तथा देश-विदेश से आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं को उत्कृष्ट सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्ता पूर्ण कार्य सुनिश्चित करते हुए दिव्य और भव्य कुंभ मेला 2027 आयोजित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

बेटी के पिता ने दी समझाइश तो गुस्साए ससुर ने उतारा मौत के घाट

जागरण, ग्वालियर। ससुराल में बेटी को तंग करने पर एक पिता को बेटी के ससुराल वालों को समझाइश देना महंगा पड़ गया। इससे गुस्साए बेटी के ससुर ने अपने ही समधि को की हत्या कर दी। घटना मुरार थाना क्षेत्र के मोहनपुर हाइवे की है। आरोपी ने हत्या की वारदात अपने भाई और भतीजे के साथ मिलकर की। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है। पीड़ित परिजनों के अनुसार पिटाई में घायल किसान इलाज के लिए दो दिन से अस्पताल में भर्ती था और अब उसने दम तोड़ दिया। मृतक की बेटी का आरोप है कि आरोपी उसके भाई को मारने आए थे। वह नहीं मिला तो पिता को मार डाला। पुलिस पीएम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की बात कह रही है। दरअसल, देहात डबका हस्तिनापुर के रहने वाले 64 साल के राजेंद्र सिंह गुर्जर ने अपनी बेटी अनीता की शादी 10 साल पहले बिजौली बीरमपुर निवासी अनिल सिंह से की थी। अनिल सीआईएसएफ में पदस्थ हैं।

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda

हमीदिया रोड शाखा, भोपाल
फोन : 0755-4257152, 2730646

मांग सूचना

वित्तीय अस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूतिहित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 13 (2) एवं प्रतिभूतिहित प्रवर्तन नियम , 2002 के रूल 3 (1) के अंतर्गत नोटिस।

जैसा कि अधोहस्ताक्षरी द्वारा वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूतिहित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 13(2) एवं प्रतिभूति हित प्रवर्तन नियम , 2002 के रूल 3 (1) के अंतर्गत बैंक द्वारा आप पर बकाया धन जमा करने हेतु निम्नवर्णित दिनांक को मांग नोटिस को रजिस्टर्ड डाक द्वारा प्रेषित किया गया था। उक्त नोटिस के द्वारा आप को बैंक द्वारा बकाया निम्न वर्णित राशि एवं उस पर देय ब्याज आपके द्वारा नोटिस प्राप्ति के 60 दिन के अंदर जमा किया जाना है, जो कि हमारे बैंक में वापस आ गयी है। जिससे यह विश्वास करने का कारण उत्पन्न हो जाता है कि आप उस डिमांड नोटिस को प्राप्त करने से बच रहे है। अतः अब इस नोटिस के प्रकाशन के द्वारा आपको एतद् द्वारा बैंक बकाया धनराशि को चुकाने हेतु नोटिस दिया जाता है, कि बैंक को देय निम्नवर्णित ऋण राशि इस नोटिस के प्रकाशन के 60 दिनों के भीतर हमारी बैंक में जमा कर दें । इस खाते से सम्बन्धित विवरण नीचे उल्लिखित है उक्त ऋण राशि का भुगतान न करने की स्थिति में अधोहस्ताक्षरी द्वारा वित्तीय अस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूतिहित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 एवं प्रतिभूतिहित परवर्तन नियम 2002 के अंतर्गत किसी अथवा सभी अधिकारों का प्रयोग किया जा सकता है। नोटिस का विवरण निम्नानुसार है:-
उधारकर्ताओं को एक्ट की धारा 13 एवं उपधारा 8 के प्रावधान के अन्तर्गत सुरक्षित परिसंपत्तियों के एवज में उपलब्ध समय की ओर ध्यान आकर्षित किया जाता है।

उधारकर्ता एवं जमानतदार का नाम	प्रतिभूति के रूप में बंधक की गई संपत्ति का विवरण	बकाया राशि / मांग सूचना दिनांक
ऋणी- **मेसर्स सचिन तिवारी (प्रोपराइटर-श्री सचिन तिवारी पुत्र श्री बृजेश तिवारी** पताः 303, जी-स्टार सागर रॉयल विलास, होशंगाबाद रोड, भोपाल (म.प्र.) 462026	बंधक संपत्ति रिहायशी फ्लैट नं. 303, तृतीय तल, ब्लॉक जी, स्टार खसरा नं. 427/2/1/7/1/1, 427/2/1/7/1/2, 427/2/1/7/1/3, 427/2/1/7/1/4, 427/2/1/7/1/5, क्षेत्रफल- 1.15 एकड़ , खसरा नं. 427/2/1/1, 427/2/1/2, 427/2/1/3, 427/2/1/4, 427/2/1/5, 427/2/1/6, 427/2/1/1 क्षेत्रफल- 1.73 एकड़ जो सागर रॉयल हाईट्स ग्राम बाबड़िया कलां, प.ह.नं. 42, विकास खंड फन्दा, तहसील हुजूर, जिला- भोपाल में स्थित है। संपत्ति मालिक- श्री सचिन तिवारी (चर्तुसीमाएं- उत्तर - फ्लैट नं. 302 एवं इक्ट, पूर्व- खुला, पश्चिम- कॉरिडोर एवं फ्लैट नं. 306, दक्षिण- फ्लैट नं. 304 एवं इक्ट,	ओवरड्राफ्ट खाता नं. A/c No.04960400000723 दि. 23.12.25 को बकाया (दि. 23.12.25) तक ब्याज समाहित) ₹ 1,04,61,488.73/- + अप्रभारित ब्याज एवं अन्य खर्चे / 16.02.2026 NPA Date: 23.12.2025

इस नोटिस के द्वारा जन सामान्य को यह सूचित किया जाता है कि वे उक्त सम्पत्ति के समबन्ध में किसी प्रकार का समझोता / व्यवहार न करें एवम बन्धककर्ता को सूचित किया जाता है कि अधिनियम की धारा 13 (13) के नियमानुसार आप बैंक के पूर्व लिखित अनुमति के बिना प्रतिभूतिकृत सम्पत्ति का हस्तांतरण नहीं कर सकते।

स्थान : भोपाल, दिनांक : 23-02-2026

प्राधिकृत अधिकारी, बैंक ऑफ बड़ौदा

बाजार पर नजर

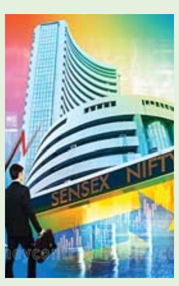

शेयर बाजार में आज

▲ 480 **83,295**

Nifty 50 Top Gainers

Scrip	High	%Gain
Adani Ports	1,564.50	2.93%
Kotak Mahindra	431.80	2.22%
Dr Reddys Labs	1,313.50	2.11%
HDFC Life	745.75	1.89%
Nestle	1,318.50	1.65%

Nifty 50 Top Losers

Scrip	Close	%Loss
Hindalco	946.90	-2.08%
Infosys	1,352.00	-1.90%
Wipro	211.74	-1.89%
Tech Mahindra	1,470.00	-1.10%
Cipla	1,335.90	-1.09%

फोरेक्स रेट

मुद्रा	बिक्री
$ डॉलर	90.880
€ यूरो	107.25
¥ येन	0.5871
£ पौंड	122.76

2जी मामले में लाइसेंस के रद्द होने की तारीख से स्पेक्ट्रम शुल्क चुकाए टेलीकॉम कंपनी: सुप्रीम कोर्ट

बड़ा फैसला: सिस्तेमा श्याम टेलीसर्विसेज को लेकर आदेश, अपीलीय अधिकरण का निर्णय किया निरस्त

नई दिल्ली, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट ने 2जी स्पेक्ट्रम मामले में बड़ा फैसला सुनाते हुए टेलीकॉम कंपनी सिस्तेमा श्याम टेलीसर्विसेज लिमिटेड को लाइसेंस रद्द होने की तारीख 2 फरवरी, 2012 से स्पेक्ट्रम उपयोग शुल्क चुकाने का आदेश दिया। अदालत ने दूरसंचार विवाद निपटान और अपीलीय अधिकरण के उस निर्णय को निरस्त किया, जिसमें देनदारी 15 फरवरी, 2013 से मानी गई। जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की पीठ ने केंद्र सरकार की अपील स्वीकार करते हुए 10 मई, 2018 के अधिकरण के आदेश को इस बिंदु पर गलत ठहराया।

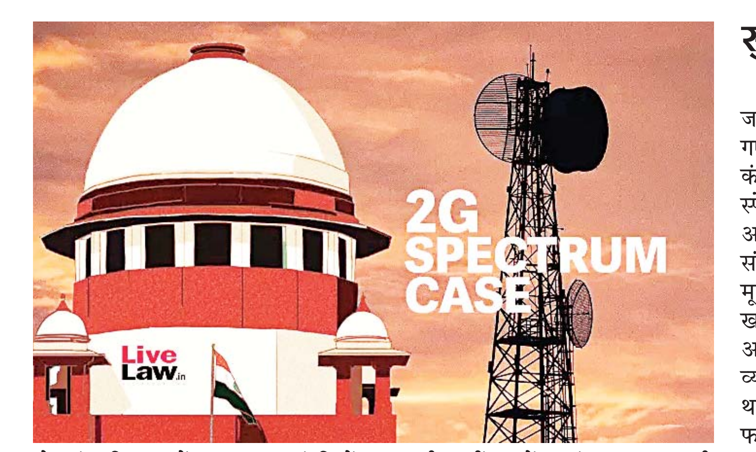

सुप्रीम कोर्ट ने किया मामला स्पष्ट सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जब किसी टेलीकॉम कंपनी का लाइसेंस रद्द हो चुका हो और वह उसके बाद भी सेवाएं जारी रखे तो उसे स्पेक्ट्रम उपयोग का शुल्क लाइसेंस रद्द होने की तारीख से ही देना होगा न कि उस बाद की तारीख से जब अदालत ने औपचारिक रूप से भुगतान का निर्देश दिया। अदालत ने आवंटन प्रक्रिया को अवैध और मनमाना करार दिया। हालांकि आम जनता की सेवाएं बाधित न हों इस कारण कंपनियों को सीमित अवधि तक सेवाएं जारी रखने की अनुमति दी गई थी जब तक कि नई नीलामी न हो जाए। दूरसंचार विभाग द्वारा नीलामी में देरी के कारण यह अस्थायी व्यवस्था कई बार बढ़ाई गई और कंपनियां बिना वैध लाइसेंस के भी व्यावसायिक गतिविधियां जारी रखती रहीं। 15 फरवरी, 2013 को सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया था कि जो कंपनियां 2 फरवरी, 2012 के बाद भी संचालन करती रहीं उन्हें नवंबर 2012 की नीलामी में तय आरक्षित मूल्य का भुगतान करना होगा। इसके आधार पर दूरसंचार विभाग ने कंपनी पर लगभग 636 करोड़ रुपये तथा ब्याज की मांग उठाई, जिसकी गणना 2 फरवरी, 2012 से की गई। कंपनी ने इस मांग को अधिकरण में चुनौती दी। अधिकरण ने आंशिक राहत देते हुए कहा कि देनदारी 15 फरवरी, 2013 से मानी जाएगी, न कि 2 फरवरी, 2012 से।

सुप्रीम कोर्ट ने व्याख्या से असहमति जताई

जस्टिस संजय कुमार द्वारा लिखे गए फैसले में कहा गया कि जब कंपनी लाइसेंस रद्द होने के बाद भी स्पेक्ट्रम का उपयोग कर राजस्व अर्जित करती रही तो वह पूरे अवैध संचालन काल के लिए आरक्षित मूल्य चुकाने की जिम्मेदार है। खंडपीठ ने यह भी कहा कि अधिकरण को इस तिथि की अलग व्याख्या करने का अधिकार नहीं था। यदि अदालत का आशय 15 फरवरी, 2013 से देनदारी शुरू करने का होता तो आदेश में वही कहा जाता। आखिर कार सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया कि कंपनी 2 फरवरी, 2012 से 30 अप्रैल, 2013 तक उन आठ सर्किलों के लिए आरक्षित मूल्य चुकाए, जिनमें मार्च 2013 में उसकी बोली स्वीकार हुई। शेष 13 सर्किलों के लिए 2 फरवरी, 2012 से 23 मार्च, 2013 तक की अवधि का भुगतान करना होगा।

सोना 3 हजार महंगा, चांदी 14 हजार रुपए महंगी हुई

नई दिल्ली, जेएनएन। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 23 फरवरी को तेजी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 3,154 रुपए बढ़कर 1,58,220 रुपए पहुंच गया है। इससे पहले यह 1,55,066 रुपए पर था। वहीं, एक किलो चांदी की कीमत 13,761 रुपए बढ़कर 2,64,075 रुपए पर आ गई है। कल कीमत 2,50,314 किलो थी। आने वाले दिनों में सोने-चांदी कीमतें और बढ़ सकती हैं। इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 24,000 रुपए और चांदी 33,000 रुपए महंगी हो चुकी है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑल टाइम हाई भी बनाया था। 2025 में सोना 57 हजार बढ़ा है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76 हजार का था, जो 31 दिसंबर 2025 को 1.33 लाख रुपए हो गया। चांदी इस दौरान 1.44 लाख बढ़ी। 31 दिसंबर 2024 को एक किलो चांदी 86 हजार की थी, जो साल के आखिरी दिन 2.30 लाख प्रति किलो हो गई। इन्वेस्टमेंट बैंकिंग कंपनी युबीएस के अनुसार सोने की मांग में तेजी बनी हुई है। 2025 में दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों ने 863 टन सोना खरीदा था। अब अनुमान है कि 2026 में यह खरीदारी बढ़कर 950 टन तक पहुंच सकती है। इसके साथ ही, गोल्ड ईटीएफ में निवेश भी बढ़कर 825 टन होने की उम्मीद है। युबीएस को पूरा भरोसा है कि 2026 में सोने की कीमतें और ऊपर जाएंगी। रिपोर्ट के अनुसार, साल के बीच तक सोना 6,200 डॉलर प्रति औंस के ऊंचे स्तर को छू सकता है। अगर रुपए के हिसाब से बात करें तो सोने का भाव 1.80 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है।

महंगाई भत्ता: बीते 5 साल के ट्रेंड दे रहे संकेत, बढ़ सकता है डीए

नई दिल्ली, जेएनएन। केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनर्स के लिए महंगाई भत्ता में बढ़ोतरी की खबर हमेशा खुशी लेकर आती है। अभी फरवरी 2026 चल रहा है और होली 3 मार्च को है। लेकिन लाखों सरकारी कर्मचारी के मन में एक सवाल है कि इस बार होली से पहले डीए में बढ़ोतरी का ऐलान हो जाएगा और पिछले पांच सालों में ऐसा कब-कब हुआ है। फिलहाल केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनर्स को 58 फीसदी डीए मिल रहा है। ये जुलाई 2025 से लागू हुआ था और अक्टूबर 2025 में 3 फीसदी की बढ़ोतरी के बाद तय हुआ। अब जनवरी 2026 से नई बढ़ोतरी की तैयारी है। लेबर ब्यूरो ने दिसंबर 2025 का ऑल इंडिया कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स फॉर इंडस्ट्रियल वर्कर्स 148.2 बताकर जारी किया है। पिछले 12 महीनों का औसत 145.54 निकला। मान लीजिए किसी की बेसिक सैलरी 50,000 रुपये है। 58 फीसदी डीए पर महंगाई भत्ता 29,000 रुपये होता है। अगर यह बढ़कर 60 फीसदी हो जाती है तो ये 30,000 रुपये हो जाएगा। यानी हर महीने 1,000 रुपये एक्सट्रा मिलेगा। अगर बेसिक 1 लाख रुपये है तो हर महीने 2,000 रुपये ज्यादा मिलेंगे। छोटे कर्मचारियों, जिनकी बेसिक सैलरी कम होतीहै, उनको भी 400 से 800 रुपये तक की राहत मिलेगी। ये बढ़ोतरी पेंशनर्स को भी डियरनेस रिलीफ के रूप में मिलेगी।

होली से पहले डीए में 60 फीसदी होने की उम्मीद

होली इस बार 3 मार्च को पड़ रही है, जो मार्च की शुरुआत में है। कर्मचारी यूनियन के नेताओं का मानना है कि सरकार होली से पहले ऐलान कर सकती है। कुछ रिपोर्ट्स में भी यही उम्मीद जताई गई है कि मार्च के पहले हफ्ते में कैबिनेट से मंजूरी मिल सकती है। पहले भी सरकार बड़े त्योहारों से पहले डीए का ऐलान करती रही है, जैसे दिवाली के आसपास जुलाई-दिसंबर वाली बढ़ोतरी। लेकिन जनवरी-जून वाली बढ़ोतरी का ऐलान हमेशा फिक्स डेट पर नहीं होता। कैबिनेट की मंजूरी के बाद ऑफिशियल ऑर्डर आता है। कुछ मामलों में ऐलान होली के बाद भी हुआ है, लेकिन इस बार यूनियन वाले उम्मीद कर रहे हैं कि होली से पहले खुशखबरी मिल जाए। अभी तक कोई ऑफिशियल डेट नहीं आई है, लेकिन एआईसीपीआई डेटा जनवरी में आ चुका है, इसलिए प्रोसेस तेज हो सकता है।

होली के आसपास डीए ऐलान का ट्रेंड रहा

पिछले पांच साल देखें तो जनवरी-जून वाली डीए बढ़ोतरी का ऐलान ज्यादातर होली के बाद हुआ है, खासकर जब होली मार्च की शुरुआत में पड़ती हो। सिर्फ एक बार अपवाद देखने को मिला। 2025 में होली 14 मार्च को थी। जनवरी-जून वाली बढ़ोतरी का ऐलान 28 मार्च को हुआ, यानी होली के बाद। जुलाई-दिसंबर वाली 3 फीसदी बढ़ोतरी अक्टूबर 1 को आई, दिवाली से पहले। 2024 में होली 25 मार्च को थी। जनवरी-जून वाली 4 फीसदी बढ़ोतरी का ऐलान 7 मार्च को हुआ जो होली से पहले हुआ। ये इकलौता बड़ा अपवाद था। जुलाई-दिसंबर वाली 3 फीसदी 16 अक्टूबर को आई, दिवाली से पहले। 2023 में होली 8 मार्च को थी। जनवरी-जून वाली 4 फीसदी बढ़ोतरी होली के बाद 24 मार्च को हुई। जुलाई-दिसंबर वाली 4 फीसदी बढ़ोतरी 18 अक्टूबर को हुई जबकि दिवाली 12 नवंबर को थी। 2022 में जनवरी-जून वाली 3 फीसदी बढ़ोतरी होली के बाद 30 मार्च को आई। जुलाई-दिसंबर वाली 4 फीसदी 28 सितंबर को, दिवाली से पहले।

बीमा उत्पादों की मिस-सेलिंग गंभीर समस्या: वित्त मंत्री

नई दिल्ली, जेएनएन। वित्त मंत्री सीतारमण ने एक बार फिर बैंकों से कोर बैंकिंग गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया और अत्यधिक विविधीकरण, आक्रामक ऋण नीति और वित्तीय उत्पादों की मिस-सेलिंग के खिलाफ चेतावनी दी। सोमवार को नई दिल्ली में प्रेस वार्ता के दौरान सित्तारमण ने कहा कि बैंकों को जमा जुटाने, ग्राहक सहभागिता और सावधान ऋण देने को प्राथमिकता देनी चाहिए, जो कि उन्होंने कोर बैंकिंग के मूल तत्व बताए। उन्होंने कहा कि अपने ग्राहक को जानो, उनसे जुड़ो, जमा जुटाओ और वही करो जो तुम्हारा मुख्य काम है, यही कोर बैंकिंग है। वित्त मंत्री ने बताया कि कुछ साल पहले कई बैंकों ने पारंपरिक कार्यों से परे विस्तार किया और कई गतिविधियों में शामिल हो गए।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक का शेयर 16 फीसदी गिरकर 70 पर आया

मुंबई, जेएनएन। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के शेयर 16 फीसदी गिरकर 70.09 रुपए पर बंद हुए। बैंक की चंडीगढ़ ब्रांच में 590 करोड़ का फ्रॉड सामने आने के बाद शेयर गिरे हैं। यह फ्रॉड हरियाणा सरकार से जुड़ी संस्थाओं के बैंक खातों में अनधिकृत ट्रांजैक्शन के जरिए किया गया है। जितने का ये फ्रॉड है, वह बैंक के तीसरी तिमाही के मुनाफे 503 करोड़ से भी ज्यादा है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ एक जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा, हम इस घटनाक्रम पर नजर रख रहे हैं, सिस्टम में कोई दिक्कत नहीं है। मामला सामने आते ही आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने चंडीगढ़ ब्रांच के 4 अधिकारियों को तुरंत प्रभाव से सस्पेंड कर दिया है। इसके अलावा पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। पूरे मामले की गहराई से जांच के लिए इंडिपेंडेंट फॉरेंसिक इन्वेस्टिगेटर के रूप में केपीएमजी को नियुक्त किया गया है। बैंक को हरियाणा सरकार के एक खास विभाग से अपना खाता बंद करने और फंड को दूसरे बैंक में ट्रांसफर करने की रिक्वेस्ट मिली थी। मौजूद बैलेंस और रकम के बीच गड़बड़ी पाई गई। 18 फरवरी, 2026 से हरियाणा सरकार की कुछ और संस्थाओं ने बैंक में अपने खातों को लेकर संपर्क किया।

ट्रंप टैरिफ पर कोर्ट की रोक से बाजार में राहत

मुंबई, जेएनएन। वैश्विक बाजारों से पॉजिटिव संकेतों के बीच भारतीय शेयर बाजार सप्ताह के पहले ट्रेडिंग सेशन यानी सोमवार को मजबूती के साथ बंद हुए। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के कुछ टैरिफ नियमों को खारिज कर दिया है। कोर्ट के इसे फैसला का बाजार के सेंटीमेंट्स पर पॉजिटिव असर पड़ा है। इससे निवेशकों का भरोसा बढ़ा और बाजार में खरीदारी देखने को मिली। इसके अलावा बैंकिंग और फाइनेंशियल सर्विसेज शेयरों में बढ़त ने भी बाजार को सपोर्ट दिया। हालांकि, आईटी शेयरों में दबाव ने बाजार की बढ़त को थोड़ा सीमित करा। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 100 से ज्यादा अंक चढ़कर 82,906 पर खुला। खुलते ही इसमें तेजी देखने को मिली और 83 हजार के पार चला गया। कारोबार के दौरान यह 650 अंक तक चढ़ गया था। अंत में 479.95 अंक या 0.58 फीसदी की बढ़त लेकर 83,294.66 पर बंद हुआ। इसी तरह, नैशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी मजबूती के साथ 25,678 अंक पर खुला और खुलने के कुछ ही देर में 25,700 के ऊपर चला गया। अंत में 141.75 अंक या 0.55 फीसदी की बढ़त के साथ 25,713 पर बंद हुआ। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स के रिसर्च प्रमुख विनोद नायर ने कहा, अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट की तरफ से ट्रंप की रेसिप्रोकल टैरिफ नीति के खिलाफ दिए गए फैसले का घरेलू बाजारों ने स्वागत किया। निवेशक अब ट्रंप की संशोधित रणनीति और अन्य देशों के साथ संभावित पुनर्विचार की सीमा को लेकर अधिक स्पष्टता का इंतजार कर रहे हैं। कमजोर अमेरिकी डॉलर और 10 वर्षीय ट्रेजरी बॉन्ड की घटती यील्ड रेट वैश्विक बाजार में शॉर्ट टर्ममें सतर्कता का माहौल बना सकती हैं। उन्होंने कहा, सेक्टोरल देखा जाए तो एआई से जुड़ी अनिश्चितताओं के कारण आईटी इंडेक्स पर दबाव बना रहा।

प्रथम पृष्ठ का शेष

नए पंजीयन का प्रस्ताव...

147 महिलाओं के साथ इंदौर जिला लाड़ली बहना का लाभ लेने में नंबर एक है। दूसरे नंबर पर सागर जिला है। टॉप 5 में पूर्व सीएम कमलनाथ का छिंदवाड़ा व पांढुर्णा जिला भी शामिल है। कांग्रेस के सदस्य नए पंजीयन की मांग पर अड़े रहे। इसे लेकर सरकार पर महिलाओं के साथ समानता और सामाजिक न्याय ने करने के आरोप भी कांग्रेस के सदस्यों ने लगाए। बार-बार नए पंजीयन की तिथि कांग्रेस विधायकों द्वारा पूछने पर विभागीय मंत्री ने साफ कह दिया कि यह बताना अभी संभव नहीं है। इस बीच कांग्रेस के कई सदस्य खड़े होकर हंगामा करने लगे। प्रश्नकर्ता विधायक ने आरोप लगाए कि महिलाओं का इस्तेमाल कर सरकार बना ली, अब मापदंड में आने के बाद भी नई पात्र महिलाओं का पंजीयन नहीं किया जा रहा।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं. T_24-25 Upgrade_toilet_RT दिनांक 21.02.2026

शुद्धिपत्र

निविदा सूचना सं0 T_24-25 Upgrade_toilet_RT दिनांक 13.02.2026 हेतु शुद्धिपत्र

अतिरिक्त सूचना

1. प्री-बिड कॉन्फ्रेंस (तारीखः 27.02.2026 समय 11:00 बजे)। 2. बोली में भाग लेने हेतु अग्रिम सूचना ई-मेल के माध्यम से tendercellofcmlr@gmail.com पर भेजी जाए। 3. प्री-बिड कॉन्फ्रेंस का लिंक हैः https://calender.app.google/6xHgVBF2rfRLvGrC9

नोटः अन्य सभी शर्तें पूर्ववत रहेंगी। 345/26 FA

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

कार्यालय नगर पालिक, निगम भोपाल
यांत्रिक विभाग, जोन क्र.-21

निविदा आमंत्रण घोषणा-पत्र

क्रमांक 46/यां.वि/2026 भोपाल, दिनांक 23/2/2026

निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु दो लिफाफा पद्धति के अनुसार म.प्र. लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीकृत व्यवस्था के अंतर्गत पंजीकृत ठेकेदार पर्सेंटेज मोहरबंद निविदायें निर्धारित प्रपत्र पर आनलाईन आमंत्रित की जाती है।

क्र.		कार्य का नाम	अनुमानित राशि	धरोहर राशि	प्रपत्र राशि	ठेकेदार श्रेणी पी.डब्ल्यू.डी. पंजीकरण	कार्य हेतु निर्धारित एस.ओ.आर.	कार्य की अवधि
01	2026_UAD_484424_1	CONSTRUCTION OF SHED AND PROVIDING AND FIXING PAVER BLOCKS NEAR KHEDAPATI HANUMAN MANDIR BARKHEDI KHURD WARD 26 ZONE 21	5,77,817/-	5.778/-	2000/-	'c'class asper centralized registration system of mppwd	MPUADD BUILDING ISSR 2021	02 माह
02	2026_UAD_484421_1	PROVIDING AND FIXING INTERLOCKING PAVER BLOCKS NEAR P AND T COLONY WARD 32 ZONE 21	2,16,067/-	2,161/-	2000/-	'c'class asper centralized registration system of mppwd	MPUADD BUILDING ISSR 2021	02 माह
03	2026_UAD_484398_1	PROVIDING AND FIXING RCC BENCHES AT VARIOUS LOCATIONS OF WARD 32 ZONE 21	2.50,000/-	2500/-	2000/-	'c'class asper centralized registration system of mppwd	MPUADD BUILDING ISSR 2021	02 माह
04	2026_UAD_484423_1	CONSTRUCTION OF SWAGAT DWAR AT DWARKAPURI AND 228 QTR W-32 Z-21	8,93,824/-	8,938/-	2000/-	'c'class asper centralized registration system of mppwd	MPUADD BUILDING ISSR 2021 AND NON SOR ITEM	02 माह

Interested bidders can view the NIT on website http://www.mptenders.gov.in/
The Bid Document can be purchased only online from 11:00 (Time) (24.02.2026) to 17:30 P.M. (10.03.2026 Amendments to NIT, if any, would be published on website http://www.mptenders.gov.in/ only, and not in newspaper.

नि. क्र. 3209/025/026

सहायक यंत्री (सिविल), जोन क्र.-21
नगर निगम, भोपाल

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया Union Bank of India
भारत सरकार का उपक्रम A Government of India Undertaking

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, क्षेत्रीय कार्यालयः नर्मदापुरम् भूतल, प्लाट नं. 46/4, वार्ड नं. 25, एन.एच. 69, गीता भवन के पास, रसूलिया होशंगाबाद (म.प्र.) 461001

परिशिष्ट - IV क [नियम 8(6) का परन्तुक देखें]

अचल संपत्ति के विक्रय हेतु विक्रय नोटिस

प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) के परन्तुक के साथ पठित वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूतिहित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन अचल आस्तियों के विक्रय हेतु ई-नीलामी विक्रय नोटिस

आम लोगों को तथा विशेष रूप से उधार लेने वाले और प्रत्याभूति-दाता को यह नोटिस दिया जाता है कि नीचे वर्णित अचल संपत्ति जो प्रतिभूत लेनदार के पास गिरवी/प्रभारित है, का कब्जा यूनियन बैंक ऑफ इंडिया (प्रतिभूत लेनदार) के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिया गया है, को ''जहां है, जैसा है और जो कुछ भी है'' के आधार पर निम्नवर्णित ऋणियों से यूनियन बैंक ऑफ इंडिया (प्रतिभूत लेनदार) की निम्नवर्णित बकाया राशि की वसूली हेतु दिनांक **13 मार्च 2026** को बेचा जाएगा।

ऋणी (यो)/ बंधककर्ता (ओ)/ जमानतदार (रो) का नाम	अनुसूची (संपत्ति का विवरण)	आरक्षित मूल्य ईएमडी	मांग सूचना अनुसार बकाया राशि
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया (पूर्ववर्ती कार्पोरेशन बैंक) मंडीदीप शाखाः इन्द्रा नगर, एनएच-12, मंडीदीप फोन : 07480-231088			
ऋणी- **मेसर्स अग्रता स्पाइसेस** द्वारा- प्रोपराइटर-श्री अमित कुमार श्रीवास्तव जमानतदार- श्री ओमप्रकाश श्रीवास्तव पुत्र भैयालाल	संपत्ति का समस्त भू भाग क्षेत्रफल- 4305.56 वर्गफिट में स्थित खुली डायवर्टेड भूमि स्थित खसरा नं. 129, प.ह.नं. 25/8, वार्ड नं. 3, ग्राम- खिल्लीखेड़ा, विकासखण्ड, औबेदुल्लागंज, तहसील- गौहरगंज, उपजिला एवं जिला- रायसेन में पंजीकृत संपत्ति मालिक- श्री ओमप्रकाश श्रीवास्तव पुत्र श्री भैयालाल चर्तुसीमाएं- उत्तर - श्री हरिनारायण यादव का मकान, दक्षिण- श्री मोहन सिंह यादव का मकान, पूर्व- नाला, पश्चिम- सरकारी रोड	₹ 11,34,000/- आरक्षित मूल्य का 10%	₹ 1886230.65 + ब्याज एवं खर्चे मांग सूचना दिनांक 01/07/2019

ई-नीलामी की दिनांक एवं समय : **13-03-2026**, दोपहर 12.00 से सायं 5.00 बजे तक (10 मिनिट के असीमित विस्तार पर)

विक्रय के निबंधन और शर्तों के ब्यौरे के लिए कृपया नीचे दिए यूनियन बैंक ऑफ इंडिया प्रतिभूत लेनदार की वेबसाइट देखें।
https://www.unionbankofindia.bank.in & https://baanknet.com
पंजीयन, लॉगइन एवं नीलामी के नियम हेतु अवलोकन करें- https://baanknet.com
तारीख : 23.02.2026, स्थानः मंडीदीप प्राधिकृत अधिकारी, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया

उत्तर मध्य रेलवे

पत्र सं : JHS/Commercial/E-Auction/2026 दिनांक : 20.02.2026

ई-नीलामी सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मण्डल रेल प्रबन्धक (वाणिज्य)-झांसी द्वारा निम्न दी गयी श्रेणियों के अनुसार ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है:-

श्रेणी : पार्किंग | केटलॉग संख्या : झाँसी-पार्किंग-55

एसेट्स डिटेल्स : झाँसी मण्डल के अलग-अलग श्रेणी के रेलवे स्टेशनों में दो पहिया एवं चार पहिया वाहनों के पार्किंग ठेके हेतु :-

क्र.सं.	स्टेशन केटेगरी	स्टेशन/स्थान
1	एनएसजी-2	मंडल रेल चिकित्सालय झाँसी परिसर
2	एनएसजी-2	मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय झाँसी परिसर
3	एनएसजी-4	उरई स्टेशन (ORAI)
4	एनएसजी-5	पुखरायां स्टेशन (PHN)

ई-नीलामी प्रारम्भ की तिथि व समय : दिनांक : 09.03.2026 को समय : 10:15 से
ई-नीलामी समाप्त की तिथि व समय : दिनांक 09.03.2026 को समय : 11:15 तक

नोट - उक्त ठेकों के आवंटन हेतु नीलामी केवल ऑनलाइन वेबसाइट www.ireps.gov.in के e-auction module के माध्यम से की जाएगी। लॉट अनुसार विवरण उपर्युक्त केटलॉग संख्या के अंतर्गत उपलब्ध है। 403/26 (AS)

@CPRONCR North central railways cproncrly CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मण्डल रेल प्रबन्धक/कार्य/झाँसी निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते है।

ई-निविदा सूचना संख्या : झाँसी-इन्जी0-मुख्यालय-2026-25

अनुमानित लागत रू.	अमानत राशि	निविदा बन्द होने की तिथि
119127424.55	745600.00	18.03.2026 at 15:00 hrs.

कार्य का नाम : वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी : प्रोवीजन ऑफ बैलास्ट लेस ट्रैक ऑन बैलेंस प्लेटफार्म लाइन।

स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि : 12 माह। • निविदा दिनांक 18.03.2026 को 15:00 बजे तक ऑन लाईन जमा कर सकेंगे। • पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेब साइट www.ireps.gov.in पर देखें। 416/26 (D)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

उत्तर मध्य रेलवे

पत्र सं.- No. JHS/Commercial/e-Auction/25/160 दिनांकः 18.02.2026

ई-नीलामी सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मण्डल रेल प्रबन्धक (वाणिज्य) - झांसी द्वारा निम्न दी गयी श्रेणियों के अनुसार ई-नीलामी आमंत्रित की जाती हैः-

श्रेणीः प्रचार | केटलॉग संख्याः JHS-NFR-MIX-43

एसेट्स डिटेल्सः E-auction के माध्यम से मिस्लेनियस स्टेटिक पॉलिसी के तहत निम्न रेलवे स्टेशनों पर ठेकों का आवंटनः- 1. Commercial Advertisement Rights through installation and operation of STANDALONE DIGITAL DISPLAY at PF area waiting area, entry/exit gate, Fob & in circulating area of VGLJ, BIX, TKMG, ATE, BNDA, MRPR, MRA, ORAI, MCSC, DBA & MBA railway stations. 2. (i) E-auction for advertisement right through RDN non digital media at plateform at WALL PAINTING inside MRPR, MRA, ORAI, MBA, MCSC, ATE, BNDA, BIX, DBA & LAR railway station (ii) E-auction for advertisement right through RDN non digital media at plateform at WATER TANK inside VGLJ, DBA, MBA, BNDA, ATE, CKTD, ORAI, KURJ, MRPR, TKMG, MCSC & BIX railway station. 3. E-auction for Advertisement right through RDN Non digital media at YATRI SHED OF VIRANGANA LAKSHMIBAI JHANSI railway station. 4. Allotment of Contact for Setting up of Single Body Massage Chair in Waiting Hall at BANDA RAILWAY STATION. 5. PROVISION FOR INSTALLATION OF DRINKS VENDING MACHINES AT VGLJ & LALITPUR-TIKAMGARH RAILWAY STATION. 6. E-Auction For to install and operate STATIC GENERAL outlet at VGLJ & CKTD, MCSC, ORAI, TKMG, BIX railway station. 7. Contract for installation, maintenance, operation and management of PREMIUM STALL (phase-2) at chitra chauraha to railway station road Jhansi.

ई-नीलामी प्रारम्भ की तिथि व समयः दिनांक 06.03.2026 को समय- 11:00 से
ई-नीलामी समाप्त की तिथि व समयः दिनांक 06.03.2026 को समय- 12:50 तक

नोटः उक्त ठेकों के आवंटन हेतु नीलामी केवल ऑनलाइन वेबसाइट- www.ireps.gov.in के e-auction module के माध्यम से की जाएगी। लॉट अनुसार विवरण उपर्युक्त केटलॉग संख्या के अंतर्गत उपलब्ध है। 410/26 (ADM)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

कार्यालय नगर पालिका परिषद, हरदा जिला-हरदा

क्रमांक 1069/सा.प्र./स्टोर/2026 हरदा, दिनांक 23/02/2026

// ई- निविदा आमंत्रण सूचना //

TENDER NOTICE NO. 2026_UAD_483195_1 DATE 17.02.2026 कार्य का नाम वर्ष 2026-27 के लिये लाईट, माईक, साउंड सामग्री किराये दर पर लगाये जाने हेतु आनलाईन निविदा अनुमानित लागत क्रमशः Rs.20,00000/- अमानत राशि Rs. 20,000/- ई निविदा क्रय करने की दिनांक 18.02.2026 से 20.03.2026 तक तथा ई- निविदा दिनांक 23.03.2026 को समय 5.30PM तक खोली जावेगी। निविदा सूचना तथा प्रपत्र उपलब्धता www.mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद, हरदा

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, मैकेनिकल खण्ड अरविंद विहार
लहारपुर डेम के समीप, बाग मुंगालिया, भोपाल

Phone No. 0755-2930001, E- Mail I.D. emphbpl@mp.nic.in
क्रमांक 261/तक/का.यं./लो. स्वा./मैके. खण्ड/भोपाल/2026/दिनांक 18/02/26

निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 32 / 2026-27 दिनांक 18.02.2026 ऑन-लाईन निविदा क्रमांक 2026_PHED_483427_1 दिनांक 18/02/2026

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग, मैकेनिकल खण्ड भोपाल के अंतर्गत् वर्ष 2026-27 के दौरान विदिशा जिले में विभागीय ड्रिलिंग रिंग मशीनों पर आवश्यकतानुसार हैवी लाईसेंसधारी पुरुष (कुशल श्रमिक) तथा पुरुष मजदूर (अकुशल श्रमिक) उपलब्ध कराने हेतु ऑन लाईन डिजिटली हस्ताक्षरित निविदा दिनांक 06.03.2026 सायं 17.00 बजे तक अनुभवी ठेकेदार से प्रपत्र "Annexure 2.10" पर आमंत्रित की जाती है । निविदा हेतु अभिलेखों जैसे प्रतिभूति राशि पावती, उक्त कार्य हेतु केन्द्रीय पंजीयन प्रणाली, लोक निर्माण विभाग में पंजीयन का प्रमाण-पत्र इत्यादि (निविदा अनुसार) निर्धारित अवधि में अनिवार्य रूप से ऑन-लाईन अपलोड करना होगा । निविदा दिनांक 09.03.2026 को सायं 15.00 बजे ऑन लाईन खोली जावेगी । निविदा प्रपत्र ऑन लाईन भुगतान करने के उपरांत बेबसाईटः https://mptenders.gov.in पर ऑनलाईन क्रय किये जा सकते हैं। परिशिष्ट / संशोधन केवल वेबसाईट पर ही प्रकाशित किया जावेगा ।

कार्य का विवरण	टेण्डर के प्राक्कलन की अनुमानित लागत राशि (रु.)	धरोहर राशि (रु.)	टेण्डर का मूल्य (रु.)	टेण्डर बिक्री की तिथि	टेण्डर खुलने की तिथि	कार्य अवधि
मैकेनिकल खण्ड भोपाल के अंतर्गत् वर्ष 2026-27 के दौरान विदिशा जिले में विभागीय ड्रिलिंग रिंग मशीनों पर आवश्यकतानुसार हैवी लाईसेंसधारी पुरुष (कुशल श्रमिक) तथा पुरुष मजदूर (अकुशल श्रमिक) उपलब्ध कराया जाना ।	1483083.00	29662.00	2,000.00	06.03.2026 17.00 तक	09.03.2026 सायं 17.15 बजे	अनुबंध दिनांक से 09 माह (वर्षा ऋतु छोड़कर)

निविदा से संबंधित अन्य समस्त शर्तें एवं विवरण वेबसाईट पर https://mptenders.gov.in निविदा क्रमांक 2026_PHED_483427_1 दिनांक 18.02.2026 उपलब्ध हैं।

कार्यपालन यंत्री
लोक स्वा.यां. मैकेनिकल खण्ड, भोपाल

जी-26292/25

वेस्टइंडीज के 254 रन के लक्ष्य के जवाब में 147 रन पर सिमटा जिम्बाब्वे, हेटमायर (85) और पॉवेल (59) के अर्धशतक, मोती और हुसैन ने मिलकर निकाले सात विकेट

वानखेड़े में रनों की बारिश, विश्व कप का दूसरा बड़ा स्कोर बनाकर 107 रन से जीता वेस्टइंडीज

हेटमायर
85 रन
34 गेंद
07 चौके
07 छक्के

प्लेयर ऑफ द मैच
शिमरॉन हेटमायर

टी-20 विश्व कप में वेस्टइंडीज के लिए सबसे तेज अर्धशतक

खिलाड़ी	गेंद	विरुद्ध	साल
हेटमायर	19	जिम्बाब्वे	2026
हेटमायर	22	स्कॉटलैंड	2026
क्रिस गेल	23	ऑस्ट्रेलिया	2009

52 गेंदों में 122 रन की साझेदारी हेटमायर और पावेल के बीच तीसरे विकेट के लिए हुई, जो वेस्टइंडीज के लिए सबसे बड़ी साझेदारी है। उन्होंने सिमंस और जॉनसन चार्ल्स के बीच हुई 97 रन की साझेदारी को

रॉवमन पॉवेल
59 रन
35 गेंद
04 चौके
04 छक्के

जेएनएन, मुंबई

शिमरॉन हेटमायर (34 गेंद पर 85 रन), रॉवमन पॉवेल (35 गेंद पर 59 रन) के अर्धशतकों और गुडाकेश मोती (चार विकेट) और अकील हुसैन (तीन विकेट) की स्पिन जोड़ी की बदौलत वेस्टइंडीज ने जिम्बाब्वे को 107 रनों की करारी शिकस्त देकर नेट रन रेट के लिहाज से दक्षिण अफ्रीका को पछाड़ते हुए अपने ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। वेस्टइंडीज के 255 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए जिम्बाब्वे की टीम 17.4 ओवर में 147 रन पर सिमट गई। मुकाबले के लिए वापसी कर रहे रिचर्ड अंगारावा ने बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित की गई वेस्टइंडीज को ब्रैंडन किंग (9 रन) के रूप में शुरुआती झटका दे दिया था, लेकिन हेटमायर ने आते ही आक्रमण शुरू कर दिया। कप्तान शे होप (14) हेटमायर का बहुत देर तक साथ नहीं दे पाए और पावरप्ले के भीतर वेस्टइंडीज के 50 का आंकड़ा पार करने के बाद होप ब्रैड एवंस का शिकार बन गए। हालांकि असली आक्रमण इसके बाद शुरू हुआ और हेटमायर को देख पॉवेल ने भी जल्द ही हाथ खोलना शुरू कर दिया। मध्य ओवरों में वेस्टइंडीज ने पुरुष टी-20 में दूसरे सर्वाधिक रन बनाए। वेस्टइंडीज ने इस चरण में दो विकेट के नुकसान पर 139 रन बनाए, जबकि इससे पहले श्रीलंका ने टी-20 विश्व कप 2007 में केन्या के खिलाफ तीन विकेट के नुकसान पर 141 रन बनाए थे। हेटमायर ने 19 गेंदों पर अर्धशतक पूरा कर टी-20 विश्व कप में वेस्टइंडीज की ओर से सबसे अर्धशतक जड़कर अपने ही रिकॉर्ड को पछाड़ दिया। वेस्टइंडीज एक बड़े स्कोर की ओर बढ़ चुका था और साथ ही पॉवेल और हेटमायर की जोड़ी ने वेस्टइंडीज की बड़ी जीत के भी संकेत दे दिए थे। हेटमयार 85 और पॉवेल 59 रन बनाकर पवेलियन लौटे और इसके बाद रोमारियो शेफर्ड (10 गेंद पर 21 रन) और शरफेन रदरफोर्ड (13 गेंद पर नाबाद 31 रन) ने उपयोगी पारियां खेलते हुए वेस्टइंडीज को 254 के स्कोर पर पहुंचा दिया।

पहाड़ जैसे लक्ष्य के सामने दबा जिम्बाब्वे

जिम्बाब्वे के सामने ही पहाड़ जैसा लक्ष्य था और हुसैन के दोहरे झटके वाले ओवर ने शुरुआत में ही जिम्बाब्वे को मुकाबले में जरूरत से ज्यादा पीछे कर दिया। टीम ने 20 रन के स्कोर तक तीन विकेट गंवाए। ताडिवनाशे मरुमानी (14) ने मैथ्यू फोर्ड की गेंद पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में डीप बैकवर्ड प्वाइंट पर हेटमायर को कैच थमाया, जबकि अगले ओवर में हुसैन ने सलामी बल्लेबाज ब्रायन बेनेट (05) को बोल्ड करने के बाद रेयान बर्ल को खाता खोले बिना पवेलियन भेजा। टूर्नामेंट में दो अर्धशतक जड़ने वाले बेनेट प्रतियोगिता में पहली बार आउट हुए। हुसैन के बाद मोती ने भी जिम्बाब्वे को अपनी फिरकी में फंसा लिया और दोनों गेंदबाजों ने मिलकर कुल सात विकेट निकाले। जिम्बाब्वे की ओर से बल्लेबाजी में ब्रैड एवंस ने सबसे ज्यादा 43 रन बनाए, 21 गेंदों की पारी में पांच छक्के शामिल थे, हालांकि तब तक मुकाबले में महज औपचारिकता ही शेष थी। एवंस के रूप में जिम्बाब्वे को अंतिम झटका लगा और जिम्बाब्वे लक्ष्य से 107 रन दूर रह गया।

- 31 छक्के इस मुकाबले में लगे, जो एक मैच में सर्वाधिक हैं।

टी-20 विश्व कप में सबसे बड़े स्कोर

टीम	स्कोर	विरुद्ध	साल
श्रीलंका	260/6	केन्या	2007
वेस्टइंडीज	254/6	जिम्बाब्वे	2026
आयरलैंड	235/5	ओमान	2026
इंग्लैंड	230/8	दक्षिण अफ्रीका	2016
दक्षिण अफ्रीका	229/4	इंग्लैंड	2016

भारत तीसरे नंबर पर

इस जीत के साथ वेस्टइंडीज ने नेट रन रेट के लिहाज से बड़ी बढ़त हासिल की है और इसने भारत को जरूर चिंतित किया होगा। भारत यह उम्मीद करेगा कि दक्षिण अफ्रीका की टीम वेस्टइंडीज को हराए अन्यथा सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए भारत का रास्ता जरूरत से ज्यादा कठिन हो जाएगा। ग्रुप-1 में वेस्टइंडीज शीर्ष पर पहुंच गया है और उसका नेट रन रेट +5.350 है। दक्षिण अफ्रीका नेट रन रेट +3.800 के साथ दूसरे स्थान पर है। भारतीय टीम का नेट रन रेट -3.800 है और तीसरे स्थान पर है। जिम्बाब्वे (-5.350) चौथे नंबर पर है। ग्रुप से शीर्ष दो टीमें ही सेमीफाइनल में प्रवेश कर सकेंगी।

टर्निंग पाइंट: वेस्टइंडीज इतने बड़े स्कोर से दूर रह सकता था अगर हेटमायर को खास तौर पर शुरुआत में जीवनदान नहीं मिला होता। नौ और 70 के निजी स्कोर पर हेटमायर का कैच छूटा था।

- टी-20 विश्व कप में वेस्टइंडीज की यह दूसरी सबसे बड़ी जीत है। वेस्टइंडीज ने 2024 में युगांडा को 134 रन से हराया था।
- हेटमायर टी-20 विश्व कप के एक संस्करण में संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। हेटमायर पांच मैचों में 17 छक्के लगा चुके हैं। वेस्टइंडीज के निकोलस पूरन ने 2024 टी-20 विश्व कप में 17 छक्के जमाए थे। क्रिस गेल ने 2012 16 सिक्स जमाए थे।

52 रन सिकंदर रजा ने तीन ओवर में दिए। यह एक पारी में सर्वाधिक रन देने का रिकॉर्ड है। उन्होंने मुजाराबानी का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 50 रन दिए थे।

मैदान से हटकर

टेनिस स्टार स्लोएन स्टीफंस और जीजो अल्टिडोर हुए अलग

अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट की पूर्व चैंपियन स्लोएन स्टीफंस और अमेरिकी पुरुष राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के पूर्व खिलाड़ी जोजी अल्टिडोर ने चार साल बाद अपना वैवाहिक बंधन समाप्त समाप्त कर दिया है। अमेरिकी ओपन में 2017 की चैंपियन स्टीफंस ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में जोजी से अलग होने की घोषणा की। स्टीफंस ने लिखा, जोजी और मैंने अपना वैवाहिक बंधन खत्म करने का फैसला किया है। मैं आपसी सहमति और पूरे सम्मान के साथ इस बदलाव का सामना कर रही हूं और इस दौरान निजता बनाए रखने का अनुरोध करती हूं। आपके प्यार और निरंतर समर्थन बनाए रखने के लिए हार्दिक आभार। 32 साल की स्टीफंस 2018 में फ्रेंच ओपन में उपविजेता भी रही थी, जबकि 36 वर्षीय अल्टिडोर ने 2007 से 2019 तक अमेरिकी पुरुष फुटबॉल टीम के लिए 115 मैचों में 42 गोल किए। इसके अलावा मेजर लीग सॉकर और विदेशों में उनका लंबा पेशेवर करियर रहा है। (जेएनएन)

रणजी ट्रॉफी: जम्मू कश्मीर इतिहास रचने के करीब, कर्नाटक की नजरें नौवें खिताब पर

जेएनएन, हुबली

लगभग चार महीने पहले रणजी ट्रॉफी 2025-26 का पहला मुकाबला खेला गया था और अब दो टीमें फाइनल में खिताब जीतने के इरादे से उतरेंगी। एक तरफ जम्मू कश्मीर की ऐसी टीम है, जिन्होंने सभी धारणाओं को गलत साबित करते हुए 67 साल में पहली बार फाइनल में प्रवेश किया है, वहीं दूसरी तरफ कर्नाटक की टीम है, जिन्होंने 14 बार फाइनल में जगह बनाते हुए आठ बार खिताब जीता है। जम्मू कश्मीर के लिए यह किसी सपने से कम नहीं है और उन्होंने दिल्ली, मध्य प्रदेश और बंगाल जैसी दिग्गज टीमों को हराते हुए फाइनल तक का सफर तय किया है। उनके सीजन की शुरुआत मुंबई के खिलाफ 35 रनों के हार के साथ हुई थी, लेकिन उसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। क्वार्टर फाइनल में उन्होंने मध्य प्रदेश को 56 रन और सेमीफाइनल में बंगाल को 6 विकेट से हराया था। कर्नाटक के लिए सीजन उतना आसान नहीं रहा, लेकिन पंजाब के खिलाफ मोहाली में सिर्फ 28 ओवरों में उन्होंने 250 का लक्ष्य हासिल करके चौंकाया था। नॉकआउट में जगह बनाने के बाद से कर्नाटक की टीम शानदार लय में है। क्वार्टर-फाइनल में उन्होंने मुंबई को चार विकेट से हराया और उसके बाद सेमीफाइनल में उत्तराखंड के खिलाफ दोनों पारियों में 736 और 323 का स्कोर बनाकर पहली पारी के बढ़त के आधार पर फाइनल में जगह बनाई। फाइनल में जम्मू कश्मीर के खिलाफ उनका रिकॉर्ड देखते हुए पलड़ा कर्नाटक का ही भारी रहेगा।

दोनों टीमों के बीच अभी तक चार मुकाबले खेले गए हैं और सभी मैचों में कर्नाटक ने जीत दर्ज की है, जिसमें दो बार उन्होंने पारी के अंतर से जीत हासिल की थी।

पिच और परिस्थितियां

इस सीजन हुबली में सिर्फ एक ही मैच खेला गया था और उसमें कर्नाटक ने चंडीगढ़ को एक पारी और 185 रनों से हराया था। मैच के दौरान तापमान 25 से 30 के बीच रहने की उम्मीद है और पांचों दिन बारिश के आसार नहीं हैं।

- केएल राहुल ने इस सीजन सिर्फ 6 पारियां खेली है, लेकिन इसमें उन्होंने दो शतक और दो अर्धशतक की मदद से 457 रन बना दिए हैं। सेमीफाइनल में उन्होंने 141 और नाबाद 86 रनों की पारियां खेली थी और उससे पहले क्वार्टर फाइनल में मुंबई के खिलाफ भी शतक लगाया था।

जम्मू कश्मीर: फाइनल में जम्मू कश्मीर के तेज गेंदबाज कर्नाटक के दिग्गज बल्लेबाजों के सामने कैसा प्रदर्शन करते हैं, उसी से परिणाम तय हो सकता है। आकिब नबी ने अभी तक शानदार प्रदर्शन करते हुए नौ मैचों में 55 विकेट लिए हैं और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज सुनील कुमार (आठ मैचों में 29 विकेट) एवं बाएं हाथ के स्पिनर आबिद मुश्ताक (नौ मैचों में 26 विकेट) ने भी अपना योगदान दिया है। लेकिन फाइनल में कर्नाटक के सामने इनकी असली परीक्षा होगी।

कर्नाटक: कर्नाटक की तरफ से आर स्मरण (13 पारियों में 95 की औसत से 950 रन), करुण नायर (12 पारियों में 63.54 की औसत से 699 रन), देवदत्त पडिक्कल (नौ पारियों में 66.50 की औसत से 532 रन) और केएल राहुल (6 पारियों में 91.40 की औसत से 457 रन) बेहतरीन फॉर्म में हैं। टूर्नामेंट के बीच में मयंक अग्रवाल ने पडिक्कल को कप्तानी सौंप दी थी। सेमीफाइनल में मयंक बड़ी पारी नहीं खेल पाए थे और फाइनल में उनसे भी बढ़िया पारी की उम्मीद रहेगी। अगर कर्नाटक का टॉप ऑर्डर चला तो फिर जम्मू कश्मीर को प्लान बी की तरफ जाना होगा।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पहला वनडे आज

टी-20 सीरीज जीतने के बाद वनडे में भारतीय महिला टीम की परीक्षा

ब्रिसबेन, जेएनएन। टी-20 सीरीज जीत चुकी मौजूदा विश्व चैंपियन भारतीय टीम तीन मैचों की वनडे सीरीज के पहले मैच में मंगलवार को ऑस्ट्रेलिया से खेलेगी तो उसे मनोवैज्ञानिक बढत हासिल होगी। भारत ने पिछले साल नवी मुंबई में विश्व कप सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराया था। यह सीरीज इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि ऑस्ट्रेलिया की महानतम खिलाड़ियों में से एक एलिसा हीली इसके बाद वनडे प्रारूप से विदा लेने जा रही हैं। भारत के खिलाफ छह मार्च से पर्थ में शुरू हो रहा टेस्ट उनके करियर का आखिरी मैच होगा। तीन मैचों की टी-20 सीरीज से बाहर रहने के बाद हीली की वापसी हुई है। भारत ने सीरीज 2-1 से जीती जो पिछले एक दशक में इस प्रारूप में ऑस्ट्रेलिया में सीरीज में उसकी पहली जीत थी। स्टार लेग स्पिनर अलाना किंग भी वनडे और टेस्ट टीम में लौटी हैं। भारत के लिए काशवी गौतम, हरलीन देयोल और प्रतिका रावल टीम में अरुंधति रेड्डी, भारती फुलमाली और श्रेयांका पाटिल की जगह आई हैं। टखने की चोट से उबरी प्रतिका को बाद में वनडे टीम में शामिल किया गया। स्टार सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने तीसरे टी-20 में 82 रन बनाए और वह इस फॉर्म को जारी रखना चाहेंगी। दूसरा मैच 27 फरवरी को और तीसरा एक मार्च को होबार्ट में खेला जाएगा।

- ऑस्ट्रेलियाई टीम में मैच जिताने वाले खिलाड़ियों की कमी नहीं है। एलिसे पैरी, एशले गार्डनर, बेथ मूनी, ताहलिया मैकग्रा, हीली और किंग से प्रेरणा लेकर वे वापसी की कोशिश करेंगे।

भारत: हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, रेणुका ठाकुर, श्रीचरणी, वैष्णवी शर्मा, क्रांति गौड़, स्नेह राणा, दीप्ति शर्मा, रिचा घोष, उमा छेत्री, अमनजोत कौर, जेमिमा रौड्रिग्स, काशवी गौतम, हरलीन देयोल, प्रतिका रावल।

ऑस्ट्रेलिया: एलिसा हीली (कप्तान), सोफी मोलिनू, डार्सी ब्राउन, निकोला कारी, एशले गार्डनर, किम गार्थ, अलाना किंग, फीबी लिचफील्ड, बेथ मूनी, ताहलिया मैकग्रा, एलिसे पैरी, अनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वेयरहैम।

खेल एक नजर

राष्ट्रीय कबड्डी चैंपियनशिप आज से

वडोदरा, जेएनएन। देश भर की 31 टीम 24 से 27 फरवरी तक समा इंडोर परिसर में होने वाली 72वीं सीनियर राष्ट्रीय पुरुष कबड्डी चैंपियनशिप में हिस्सा लेंगी। प्रतियोगिता में लगभग 400 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। भारतीय एमेच्योर कबड्डी महासंघ (एकेएफआई) के तत्वावधान होने वाले इस टूर्नामेंट में अनुभवी खिलाड़ियों के साथ-साथ उभरते हुए सितारे भी हिस्सा लेंगे। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के 12वें सत्र में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी भी इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। जिन स्टार खिलाड़ियों पर नजरें रहेंगी उनमें पीकेएल के 12वें सत्र के शीर्ष तीन रेडर अयान लोचब (हरियाणा), देवांक दलाल और भरत हुड्डा (सेना) शामिल हैं। पिछले सत्र में दबंग दिल्ली को खिताब दिलाने में मदद करने वाले आशु मलिक रेलवे का प्रतिनिधित्व करेंगे, जबकि अर्जुन देशवाल एक बार फिर उत्तर प्रदेश की अगुआई करेंगे।

आईओसी खिलाड़ी आयोग के उपाध्यक्ष के तौर पर बिंद्रा का कार्यकाल समाप्त

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत के दिग्गज निशानेबाज अभिनव बिंद्रा ने सोमवार को अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के खिलाड़ी आयोग के उपाध्यक्ष के तौर पर अपने आठ साल के कार्यकाल के खत्म होने की घोषणा की और अपने इस समय को अपनी खेल यात्रा के सबसे सार्थक अध्यायों में से एक बताया। बीजिंग ओलंपिक 2008 में भारत के पहले व्यक्तिगत ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता बने 43 साल के बिंद्रा की जगह पैनल में कीनिया के रग्बी खिलाड़ी हम्फ्री कायांगे ने ली। इटली मे शीतकालीन ओलंपिक के दौरान खिलाड़ी आयोग का पुनर्गठन किया गया। बिंद्रा ने एक्स पर लिखा, दुनिया भर के खिलाड़ियों की सेवा करना खेल में मेरे सफर के सबसे सार्थक अध्याय में से एक रहा है। उनकी आवाज, उनकी चिंताओं, उनकी उम्मीदों और उनके सपनों को पूरा करना एक ऐसी जिम्मेदारी है, जिसे मैंने कभी हल्के में नहीं लिया।

जर्मन ओपन सुपर 300 बैडमिंटन आज से भारतीय चुनौती की अगुआई करेंगे श्रीकांत और तन्वी शर्मा

मुल्हेम आन डेर रुर, जेएनएन। अनुभवी बैडमिंटन खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत और विश्व जूनियर चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता तन्वी शर्मा मंगलवार से शुरू हो रहे जर्मन ओपन सुपर 300 टूर्नामेंट में भारत की चुनौती की अगुआई करेंगे। दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी श्रीकांत ने पिछले सत्र में मलेशिया मास्टर्स सुपर 500 और सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय सुपर 300 में उप विजेता रहते हुए अच्छा प्रदर्शन किया था, लेकिन खिताब जीतने में नाकाम रहे। श्रीकांत रैंकिंग में 82वें स्थान पर खिसक गए थे, लेकिन यह 31 साल का खिलाड़ी वापसी करते हुए 32वें स्थान पर आ गया है। वह अपने अभियान की शुरुआत एक क्वालिफायर के खिलाफ करेंगे। महिला एकल रैंकिंग में 40वें स्थान पर काबिज 16 साल की तन्वी पहले दौर में मलेशिया की वोंग लिंग चिंग से भिड़ेंगी। तन्वी ने इस सत्र की शुरुआत में इंडिया ओपन और इंडोनेशिया मास्टर्स में दुनिया की नंबर दो वांग जी यी और दुनिया की नंबर 12वें नंबर की खिलाड़ी तोमोका मियाजाकी को तीन गेम तक संघर्ष करने के लिए मजबूर किया था। उन्होंने 17वें नंबर की खिलाड़ी बुसानन ओंगबामरुंगफान को हराया था।

इंग्लैंड बनाम पाकिस्तान मैच में फोकस स्पिनरों पर

पाल्लेकल, जेएनएन। धीमे गेंदबाजों की मददगार पिच पर इंग्लैंड और पाकिस्तान की टीमें टी-20 विश्व कप के सुपर आठ मुकाबले में मंगलवार को जब आमने सामने होंगी तो फोकस स्पिन गेंदबाजों पर रहेगा। इंग्लैंड की टीम अभी तक अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर सकी है, लेकिन दो बार की चैंपियन टीम जीत की राह पर लौटी है। सुपर आठ चरण के पहले मैच में श्रीलंका को 51 रन से हराया, जिससे उसका नेट रनरेट भी बेहतर हुआ है और वह तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई है। श्रीलंका के खिलाफ कम स्कोर का बचाव करते हुए इंग्लैंड के खिलाड़ियों ने हालात के अनुरूप खेला। उसके स्पिनरों ने अपने काम को बखूबी अंजाम दिया, जबकि तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर भी उपयोगी रहे। लेग स्पिनर आदिल रशीद और बाएं हाथ के स्पिनर लियाम डॉसन को भी विकेट मिले। पाकिस्तान का न्यूजीलैंड के खिलाफ पहला सुपर आठ मैच बारिश में धुल गया, जिससे अब उसे दोनों मैच जीतने होंगे। उसके पास उस्मान तारिक, सईम अयूब, अबरार अहमद, शादाब खान और मोहम्मद नवाज जैसे अच्छे स्पिनर हैं। बल्लेबाजी हालांकि चिंता का सबब है, खासकर अच्छे स्पिनरों के खिलाफ वे टिक नहीं पा रहे।

भोपाल लेपड्र्स के कप्तान रहेंगे अरशद खान

एमपीएल का तीसरा संस्करण जून में

भोपाल, खेप्र। गत चैंपियन भोपाल लेपड्र्स ने आगामी मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग (एमपीएल) सिंधिया कप 2026 के लिए मोहम्मद अरशद खान को टीम के कप्तान के रूप में बरकरार रखा है। एमपीएल का तीसरा संस्करण इंदौर में जून 2026 में खेला जाएगा। वर्तमान में आईपीएल फ्रेंचाइजी गुजरात टाइटंस का हिस्सा अरशद खान ने भोपाल लेपड्र्स के साथ तीन वर्ष का अनुबंध किया है। यह निर्णय फ्रेंचाइजी की नेतृत्व में निरंतरता और टीम की स्थिरता के प्रति दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उनकी कप्तानी में टीम ने हालिया सत्र में शानदार प्रदर्शन करते हुए एक मजबूत प्रतिस्पर्धी संस्कृति स्थापित की है। भोपाल लेपड्र्स इस सीजन में एमपीएल सिंधिया कप के डिफेंडिंग चैंपियन के रूप में प्रवेश कर रही है और लीग की सबसे निरंतर एवं पेशेवर फ्रेंचाइजियों में से एक के रूप में अपनी पहचान बना चुकी है। भोपाल लेपड्र्स के ओनर अभिषेक मोहन गुप्ता ने कहा कि हम अरशद के साथ अपनी साझेदारी को लंबे समय तक जारी रखते हुए बेहद खुश हैं। राष्ट्रीय स्तर पर एक खिलाड़ी के रूप में उनका विकास और टीम के भीतर उनका नेतृत्व उन्हें इस सीजन में हमारे खिताब की रक्षा के लिए सबसे उपयुक्त कप्तान बनाता है।

> भोपाल लेपड्र्स का प्रतिनिधित्व करना हमेशा गर्व की बात होती है। पिछले सीजन में चैंपियन बनना बेहद खास था, लेकिन अब हमारा ध्यान निरंतर प्रदर्शन बनाए रखने और अपने स्तर को और ऊंचा करने पर है।
>
> **- मोहम्मद अरशद खान**, कप्तान

प्रो लीग में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जुझारू प्रदर्शन के बाद भारत की निगाह वापसी पर

होबार्ट, जेएनएन। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछले मैच में जुझारु प्रदर्शन करने वाली भारतीय पुरुष हॉकी टीम मंगलवार को स्पेन के खिलाफ होने वाले मैच में वापसी करके एफआईएच प्रो लीग में अपने अभियान को पटरी पर लाने की कोशिश करेगी। नौ टीमों के इस टूर्नामेंट में अब तक भारत का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। राउरकेला और होबार्ट में खेले गए दोनों चरणों में भारत को पांच हार का सामना करना पड़ा, जबकि एक मैच उसने ड्रॉ खेला। टीम के इस लचर प्रदर्शन के कारण कोच क्रेग फुल्टन पर दबाव बढ़ गया है, जो लगातार आलोचनाओं का सामना कर रहे हैं। नियमित कप्तान हरमनप्रीत सिंह के व्यक्तिगत कारणों से होबार्ट चरण से हटने के बाद युवा मिडफील्डर हार्दिक सिंह को कप्तानी सौंपी गई। होबार्ट चरण में स्पेन से पहला मैच 0-2 से हारने के बाद भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 2-2 से ड्रॉ पर रोक दिया था, लेकिन उसे पेनल्टी शूटआउट में 4-5 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम हालांकि इस मैच से वर्तमान टूर्नामेंट का पहला अंक हासिल करने में सफल रही थी।

संक्षिप्त खबरें

रहमान ने सेना में किया बड़ा फेरबदल

ढाका, जेएनएन। बांग्लादेश का प्रधानमंत्री बनने के कुछ दिन बाद ही तारिक रहमान ने सेना में बड़े पैमाने पर फेरबदल किया गया है। रविवार को जारी आदेशों में ऑपरेशनल और इंटेलिजेंस पदों पर नई नियुक्तियां की गईं। भारत में तैनात रक्षा सलाहकार ब्रिगेडियर जनरल एमडी हाफिजुर रहमान को मेजर जनरल पद पर प्रमोट किया गया है। उन्हें वापस बुलाकर 55वीं इन्फैंट्री डिविजन का जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) नियुक्त किया गया है। लेफ्टिनेंट जनरल मुहम्मद मैनूर रहमान को सेना का चीफ ऑफ जनरल स्टाफ (सीजीएस) बनाया गया है। वे इससे पहले आर्मी ट्रेनिंग एंड डॉक्ट्रिन कमांड के प्रमुख थे। उन्होंने लेफ्टिनेंट जनरल मिजानुर रहमान शमीम की जगह ली है, जिन्हें रिटायरमेंट लीव पर भेज दिया गया था।

दिल्ली जा रही एयर एंबुलेंस चतरा में क्रैश, 7 की मौत

रांची, जेएनएन। झारखंड में एक एयर एंबुलेस के क्रैश होने की खबर सामने आई है। मिली जानकारी के अनुसार रांची से दिल्ली जाने में एक एयर एबुलेंस चतरा जिला के सिमरिया थाना क्षेत्र के करमाटांड़ गांव के पास स्थित जंगल में क्रैश हो गया। जानकारी के अनुसार रांची से दिल्ली के लिए उड़ा मेडिकल एंबुलेंस एयरक्राफ्ट रडार से गायब हो गया। विमान में मरीज और उसके परिजन, एक डॉक्टर और एक मेल नर्स भी सवार थे। एयर एंबुलेंस में 7 लोगों के सवार होने की खबर सामने आई है। हादसे में मरीज सभी सात लोगोक की मौत की खबर है।

जेएनयू में झड़पः एवीबीपी ने दर्ज कराई एफआईआर

नई दिल्ली, जेएनएन। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में सोमवार रात वामपंथी छात्र संगठनों और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के कार्यकर्ताओं के बीच हुई कथित झड़प के बाद तनाव बढ़ गया। एबीवीपी के कार्यकर्ताओं ने वसंत कुंज नॉर्थ पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। इसमें आरोप लगाया गया कि वामपंथी समूहों ने एबीवीपी के कार्यकर्ताओं पर हमला किया और हत्या का प्रयास भी किया। एक छात्र ने कहा, यहां वामपंथियों द्वारा हमला और हत्या का प्रयास किया गया, हमने सभी संबंधित धाराओं के साथ शिकायत दर्ज की है। दिल्ली पुलिस ने जेएनयू के चीफ सिक्योरिटी ऑफिसर की शिकायत पर मामला दर्ज किया है। यह केस भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 115(2), 126(2), 191(2), 189(2), 121(1), 132 और 61(2) तथा पीडीपीपी एक्ट की धारा 3 के तहत दर्ज किया गया है।

दिल्ली विस-सचिवालय को उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली, जेएनएन। दिल्ली विधानसभा भवन, दिल्ली सचिवालय और लाल किले को बम ब्लास्ट में उड़ाने की धमकी दी गई है। सोमवार को खालिस्तानी ग्रुप का धमकी वाला ईमेल भेजा गया। जानकारी मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हुईं, विधानसभा भवन की सर्चिंग की गई। बम स्क्वाड और डॉग स्क्वॉड सर्च में जुटीं लेकिन कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। वहीं, लाल किला की भी सुरक्षा बढ़ाई गई है। इससे पहले दिल्ली स्थित धौला कुआं के आर्मी पब्लिक स्कूल और लोधी रोड के एयरफोर्स बाल भारती स्कूल को ईमेल के जरिए धमकी दी गई थी। जानकारी मिलने पर दिल्ली पुलिस, बम स्क्वाड, डॉग स्क्वॉड और दिल्ली फायर सर्विस की टीमें स्कूल पहुंची थी। पूरा कैंपस खाली कराया गया। जांच में कुछ भी नहीं मिला था। नोएडा के 12 स्कूलों को 19 फरवरी को बम से उड़ाने की धमकी का ईमेल आया था।

न्यूयॉर्क में ब्लिजर्ड अलर्ट से हड़कंप

वाशिंगटन, जेएनएन। न्यूयॉर्क बर्फीले तूफान की गिरफ्त में है। आपातकाल जैसी स्थिति है। स्कूल बंद हैं, उड़ानें रद्द कर दी गई हैं, और लोगों को घरों में रहने की सलाह दी गई है। न्यूयॉर्क सिटी और अमेरिका के उत्तर-पूर्वी हिस्सों में ब्लिजर्ड अलर्ट जारी होते ही जनजीवन प्रभावित हो गया। ब्लिजर्ड दरअसल एक तेज गति से आता बर्फीला तूफान होता है, जिसमें भारी हिमपात के साथ लगातार तेज हवाएं चलती हैं। मौसम विज्ञान की परिभाषा के अनुसार, यदि हवा की रफ्तार कम से कम 35 मील प्रति घंटा या उससे अधिक हो और दृश्यता एक चौथाई मील से कम हो जाए तथा यह स्थिति कम से कम तीन घंटे तक बनी रहे, तो उसे ब्लिजर्ड कहा जाता है। इस दौरान गिरती बर्फ और तेज हवाएं मिलकर व्हाइटआउट जैसी स्थिति पैदा कर देती हैं, जिसमें सामने कुछ भी साफ दिखाई नहीं देता। ब्लिजर्ड अलर्ट जारी होने का मतलब यह है कि ऐसे खतरनाक हालात की आशंका बहुत अधिक है या वे शुरू हो चुके हैं। नेशनल वेदर सर्विस जैसी एजेंसियां उपग्रह, रडार और मौसम मॉडल के आधार पर चेतावनी जारी करती हैं ताकि लोग पहले से तैयारी कर सकें। न्यूयॉर्क जैसे घनी आबादी वाले शहर में इसका असर व्यापक होता है क्योंकि सार्वजनिक परिवहन, आपात सेवाएं और हवाई यातायात सीधे प्रभावित होते हैं। मौसम विभाग के मुताबिक कुछ दिन पहले ऐसा लग रहा था कि सर्दियों का तूफान न्यूयॉर्क सिटी इलाके में कुछ इंच बर्फ गिराएगा, लेकिन अब यह पूरी तरह से नॉर-ईस्टर बन गया है, जिससे ट्राई-स्टेट के कुछ हिस्सों में डेढ़ फीट से ज्यादा बर्फ जम गई है और इसमें लगातार इजाफा हो रहा है।

मेक्सिकोः सेना ने ड्रग माफिया को मारा, समर्थक हुए हिंसक

हाईवे किया जाम, गाड़ियों में की तोड़फोड़, ऑपरेशन में 9 अपराधी भी मारे गए

मेक्सिको, जेएनएन। मेक्सिको में सेना ने रविवार को एक ऑपरेशन चलाकर देश के सबसे बड़े ड्रग माफिया सरगना एल मेंचो को मार गिराया। इसके बाद देशभर में आगजनी और हिंसा शुरू हो गई है। मेंचो के समर्थकों ने बदला लेने के लिए हाईवे को जाम कर दिया है और गाड़ियों में तोड़फोड़ की। तलपला शहर में सेना के ऑपरेशन के दौरान मेंचो घायल हो गया था। उसे एयरलिफ्ट कर मेक्सिको सिटी ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में उसने दम तोड़ दिया। ऑपरेशन में 9 और अपराधी भी मारे गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक एल मेंचो, जलिस्को न्यू जनरेशन कार्टेल का लीडर था। मेक्सिको में पहले भी जब किसी बड़े कार्टेल नेता को पकड़ा गया या मारा गया है, तब सरकार और कार्टेल के बीच हिंसक टकराव हुआ है।

अल मेंचो पर 136 करोड़ रुपये का था इनाम

जलिस्को कार्टेल मेक्सिको में ड्रग्स बनाने और बेचने, स्थानीय कारोबारियों से वसूली करने और कई इलाकों में लोगों को डराकर रखने के लिए कुख्यात रहा है। इस कार्टेल की मौजूदगी अमेरिका के 50 राज्यों में है। अमेरिकी सरकार ने अल मेंचो के ऊपर 136 करोड़ रुपए का इनाम रखा था। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प काफी समय से मेक्सिको पर एल मेंचो पर एक्शन लेने का दबाव बना रहे थे।

मेक्सिको पर एक्शन का दबाव बना रहे थे ट्रंप

जालिस्को कार्टेल 2009 में बना था। एल मेंचो की लीडरशिप में यह मेक्सिको का सबसे बड़ा ड्रग नेटवर्क बन गया था। यह कोकीन, मेथामफेटामिन और हाल के वर्षों में फेंटानिल जैसी सिंथेटिक ड्रग्स अमेरिका भेजता था। रिपोर्ट के मुताबिक मेंचों की मौत से मेक्सिको और अमेरिका के रिश्तों में सुधार हो सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प मेक्सिको पर दबाव बना रहे थे कि वह कार्टेल के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करे। ट्रम्प ने चेतावनी दी थी कि अगर सख्त कदम नहीं उठाए गए तो वह सैन्य कार्रवाई पर भी विचार कर सकते हैं। इसी साल फरवरी में ट्रम्प एडमिनिस्ट्रेशन ने कार्टेल को विदेशी टेररिस्ट ऑर्गनाइजेशन घोषित किया।

भारत ने नागरिकों को ईरान छोड़ने को कहा

परमाणु कार्यक्रम को लेकर ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव को देखते हुए भारतीय दूतावास ने भारतीय नागरिकों को ईरान छोड़ने की सलाह दी है। साथ ही नागरिकों को अपने यात्रा और पहचान दस्तावेज तैयार रखने और दूतावास से संपर्क में रहने को कहा गया है। जिन भारतीयों ने पंजीकरण नहीं कराया है, उन्हें दूतावास के आधिकारिक लिंक से पंजीकरण कराने की सलाह दी गई है। भारतीय दूतावास ने 23 फरवरी 2026 को अपनी पिछली सलाहों को दोहराते हुए ईरान में मौजूद भारतीय नागरिकों से अपील की है कि वो बदलती स्थिति को देखते हुए उपलब्ध साधनों का इस्तेमाल करके देश (ईरान) छोड़ दें।

राष्ट्रपति भवन में राजाजी की प्रतिमा लगाई गई

नई दिल्ली, जेएनएन। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को राष्ट्रपति भवन के केंद्रीय प्रांगण में ब्रिटिश वास्तुकार एडविन लुटियंस की जगह देश के पहले गवर्नर जनरल चक्रवर्ती राजगोपालाचारी (राजाजी) की प्रतिमा का अनावरण किया। समारोह में उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन और कई केंद्रीय मंत्री उपस्थित थे। 24 फरवरी से 1 मार्च तक राज गोपालाचारी पर एक प्रदर्शनी का भी आयोजन किया जाएगा। पीएम मोदी ने मन की बात के 131 वें एपिसोड के दौरान बदलाव का जिक्र किया था। बदलाव के पीछे केंद्र सरकार देश के राष्ट्रीय प्रतीकों का सम्मान करने और औपनिवेशिक युग की विरासत को खत्म करने का संदेश दे रही है। राष्ट्रपति मुर्मु ने एक्स पर पोस्ट में कहा, यह कदम औपनिवेशिक सोच की निशानियों को खत्म करने और देश की सेवा करने वाले नेताओं के योगदान को अपनाने की चल रही कोशिशों का हिस्सा है।

तमिलनाडु में अंतिम वोटर लिस्ट जारी 97 लाख से ज्यादा काटे गए नाम

चेन्नई, जेएनएन। चुनाव आयोग और सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के बाद हुई एसआईआर के बाद तमिलनाडु की अंतिम मतदाता सूची आधिकारिक तौर पर जारी कर दी गई है। तमिलनाडु की मुख्य निर्वाचन अधिकारी अर्चना पटनायक ने चेन्नई में अंतिम मतदाता सूची जारी की.इसमें बड़े पैमाने पर नाम काटे गए हैं। जिला निर्वाचन अधिकारियों ने राज्यभर में जिलेवार आंकड़े जारी करने शुरू कर दिए हैं। अंतिम मतदाता सूची के मुताबिक, राज्य में 5.67 करोड़ मतदाता हैं। एसआईआर से पहले राज्य में मतदाताओं की संख्या 6.41 करोड़ थी। एसआईआर के बाद मतदाता सूची से 97,37,831 नाम हटा दिए गए हैं। चुनाव अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि हटाए गए नामों में एक महत्वपूर्ण हिस्सा मृत मतदाताओं का है। कई वजहों से हटाए गए 66 लाख नामों में से, पात्र व्यक्तियों को प्रपत्र 6 के माध्यम से फिर से आवेदन करने का मौका रहेगा। इस प्रक्रिया से नए पात्र मतदाताओं सहित योग्य मतदाताओं को संशोधित सूची में शामिल होने का मौका मिलेगा।

चुनाव आयोग के निर्देशों का किया गया पालन

इसके अलावा 12,43,363 लोगों को नोटिस जारी किए गए। जिनके नाम में गलतियां थीं उनको भी वोटिंग लिस्ट में अपना नाम बनाए रखने के लिए निर्धारित अवधि के अंदर सहायक दस्तावेज और स्व-घोषणा प्रमाण पत्र जमा करने का निर्देश दिया गया। पुनर्विचार प्रक्रिया में चुनाव आयोग के 30 जनवरी के निर्देश का भी पालन किया गया, जो सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के अनुसार जारी किया गया था, जिसमें यह अनिवार्य किया गया था कि विरोधाभासी या असंगत जानकारी के कारण नामों को हटाने के कारणों के साथ सार्वजनिक रूप से जारी किए जाएंगे।

कांग्रेस की स्टालिन से खेड़ा के लिए राज्यसभा सीट की मांग

विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस-डीएमके में सीटों के बंटवारे को लेकर तनातनी

नई दिल्ली, जेएनएन। कांग्रेस के महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल की डीएमके प्रमुख और तमिलनाडु के सीएम स्टालिन से मुलाकात हुई। पिछले कुछ दिनों में कांग्रेस और डीएमके के रिश्तों में तमिलनाडु में पावर शेयरिंग को लेकर तनाव पैदा हुआ है लेकिन बैठक में पावर शेयरिंग के बजाय वेणुगोपाल ने राज्यसभा की सीट को लेकर बातचीत पर जोर दिया। केसी वेणुगोपाल ने कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा के लिए राज्यसभा की सीट की मांग की।

सोनिया ने भेजा सीलबंद लिफाफा

इस अहम बैठक में केसी वेणुगोपाल के साथ ही तमिलनाडु कांग्रेस के अध्यक्ष के. सेल्वपेरुंथगई और एआईसीसी प्रभारी गिरीश चोडानकर भी थे। कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने कांग्रेस संसदीय दल (सीपीपी) की अध्यक्ष सोनिया गांधी की ओर से भेजा गया एक सीलबंद लिफाफा भी स्टालिन को सौंपा। कांग्रेस के नेताओं सांसद मनिकम टैगोर और ऑल इंडिया प्रोफेशनल्स कांग्रेस के अध्यक्ष प्रवीण चक्रवर्ती ने ज्यादा विधानसभा सीटें मांगने के साथ ही सरकार में हिस्सेदारी भी मांगी थी।

पाक का दावाः अफगानिस्तान पर एयरस्ट्राइक कर 80 लड़ाके मारे

इस्लामाबाद, जेएनएन। पाकिस्तान के उप गृह मंत्री तलाल चौधरी ने सोमवार को बताया कि अफगानिस्तान के सीमावर्ती इलाकों में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के ठिकानों पर कार्रवाई की गई। उनके मुताबिक कम से कम 70 लड़ाके मारे गए। बाद में पाकिस्तानी मीडिया डॉन ने दावा किया कि मरने वालों की संख्या बढ़कर 80 हो गई है। हालांकि सरकार ने इस दावे के समर्थन में कोई सबूत सार्वजनिक नहीं किया।पाकिस्तान की सेना ने रविवार तड़के अफगानिस्तान के सीमावर्ती इलाकों में एयरस्ट्राइक की। सेना ने कहा कि टीटीपी और इस्लामिक स्टेट से जुड़े 7 कैंपों को निशाना बनाया गया। पाक सरकार ने इसे हालिया आत्मघाती हमलों के बाद जवाबी अटैक बताया। पाकिस्तान ने कहा, 'हमारे पास पुख्ता सबूत हैं कि हमले अफगानिस्तान की जमीन से चल रहे नेटवर्क ने कराए।' अफगान सरकार ने कहा कि हमले में मासूम नागरिकों को निशाना बनाया गया। हमले में नांगरहार के एक घर को निशाना बनाया, जिससे एक ही परिवार के 23 लोग मलबे के नीचे दब गए।

अंतरराष्ट्रीय समुदाय तालिबान पर दबाव डाले पाक

पाकिस्तान ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की है कि वह 2020 में दोहा में अमेरिका के साथ हुए समझौते के तहत तालिबान पर दबाव डाले, ताकि अफगान जमीन का इस्तेमाल दूसरे देशों के खिलाफ न हो। 2020 का दोहा समझौता जिसे अफगानिस्तान में शांति प्रयास भी कहा जाता है। यह अमेरिका और तालिबान के बीच 29 फरवरी 2020 को कतर की राजधानी दोहा में हस्ताक्षरित हुआ था। यह समझौता अफगानिस्तान में 2001 से चल रहे युद्ध को समाप्त करने और अमेरिकी बलों की वापसी का रास्ता बनाने के लिए किया गया था।

सेना के 326 दिन के आपरेशन से किश्तवाड़ के आतंकी नेटवर्क खत्म

श्रीनगर, जेएनएन। भारतीय सेना की व्हाइट नाइट कोर ने एक्स पर 7 आतंकियों की फोटो पोस्ट की और लिखा है कि 326 दिन के बाद किश्तवाड़ से आतंक के नेटवर्क का खात्मा कर दिया गया है। पोस्ट में कहा गया है कि इन आतंकियों में जैश का कमांडर सैफुल्लाह भी मारा गया है। सैफुल्लाह किश्तवाड़ में आतंक का सरगना था। व्हाइट नाइट कोर ने बताया कि किश्तवाड़ में उनके अलावा जम्मू कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ समेत सेना की इंटेलीजेंस एजेंसी भी शामिल रहीं। गौरतलब है कि जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में चतरू इलाके में रविवार को सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हुई। इसमें 3 आतंकी मारे गए थे। इससे पहले 4 फरवरी को भी चतरू में ही सुरक्षाबलों ने जैश के ही एक आतंकी को मार गिराया था। उधमपुर में भी गुफा में छिपे जैश के 2 आतंकियों को ग्रेनेड विस्फोट में मार गिराया था। सिक्योरिटी एजेंसियों के शुरुआती अंदाजों से पता चलता है कि रविवार को मारे गए तीन आतंकवादियों में से एक सैफुल्लाह था, जो खुद को जैश ए मोहम्मद का कमांडर बताता था। कहा जाता है कि सैफुल्लाह ने लगभग पांच साल पहले जम्मू और कश्मीर में घुसपैठ की थी। वह सिक्योरिटी फोर्सेस पर कई जानलेवा हमलों का मास्टरमाइंड था, जिसमें जुलाई 2024 का हमला भी शामिल है, जिसमें चार सैनिक मारे गए थे।

ऑपरेशन टीम में शामिल डॉग घायलः किश्तवाड़ में चलाए गए एनकाउंटर में इंडियन आर्मी के 2 पैरा (एसएफ) के के9 डॉग टायसन को भी गोली लगी है। मिशन के दौरान, वह सबसे पहले उस धोक तक पहुंचा जहां आतंकवादी छिपे हुए थे। गोली लगने के बावजूद, टायसन ने ऑपरेशन जारी रखा।

आपका दर्द असहनीय, पीएम ने की बंगाल में सत्ता परिवर्तन की अपील

कोलकाता, जेएनएन। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान किसी भी वक्त हो सकता है। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को बंगाली भाषा में राज्य के मतदाताओं से एक भावुक अपील करते हुए सोच-समझकर मतदान करने का आग्रह किया और कहा, आने वाली पीढ़ी का भविष्य किस दिशा में आगे बढ़ेगा, यह आपके विचारशील निर्णय पर निर्भर करता है। उन्होंने लिखा, मेरे सपने के सोनार बांग्ला के पुरुष, महिलाएं और बच्चे आज घोर अभाव का सामना कर रहे हैं। उनका दर्द मेरे दिल पर गहरा असर डालता है। मैंने अपने अंतर्मन से यह प्रतिज्ञा ली है कि मैं पश्चिम बंगाल को एक समृद्ध राज्य के रूप में विकसित करूंगा। पीएम मोदी ने आगे कहा, पश्चिम बंगाल के हालात देखकर मुझे गहरा दुख होता है, जिसे कभी स्वामी विवेकानंद और श्री अरबिंदो जैसे महान व्यक्तित्वों ने एक आदर्श राज्य के रूप में परिकल्पित किया था। वह बंगाल अब वोट बैंक की संकीर्ण राजनीति, हिंसा और अराजकता में डूब रहा है।

भविष्य तय होने में कुछ माह शेष

प्रधानमंत्री मोदी ने पत्र में लिखा कि पश्चिम बंगाल का भविष्य तय होने में अब कुछ ही महीने बचे हैं और उन्होंने जोर देकर कहा कि राज्य की प्रगति की दिशा मतदाताओं द्वारा निर्धारित की जाएगी। उन्होंने अपनी सरकार के 11 वर्षों के कार्यकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि जन कल्याण और समावेशी विकास को प्राथमिकता दी गई है, जिसमें किसानों के कल्याण, युवाओं की आकांक्षाओं से लेकर महिला सशक्तिकरण तक सभी पहलू शामिल हैं।

बंगाली की सेवा करने के लिए उत्सुकः पीएम मोदी ने अपने आह्वान में बंगाली मतदाताओं से विकास की इस यात्रा में शामिल होने का आग्रह किया और कहा कि वह उनकी सेवा करने के अवसर के लिए उत्सुक हैं. उन्होंने मतदाताओं से भ्रष्टाचार और कुशासन से मुक्त बंगाल का वादा किया, जहां महिलाएं सुरक्षित महसूस करें और युवाओं को काम के लिए पलायन न करना पड़े। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि धार्मिक उत्पीड़न का सामना कर रहे शरणार्थियों को सीएए के जरिए नागरिकता मिलेगी।और अवैध घुसपैठ से मुक्त शासन व्यवस्था स्थापित की जाएगी।

पंजाब की ऐश्वर्या हिमांशी सादे से कुर्ते में लगीं अप्सरा सी सुंदर

हिमांशी खुराना पंजाबी इंडस्ट्री का जाना- पहचाना नाम है, जो अपनी सुंदरता और लुक्स के चलते अक्सर ही सुर्खियों में छाई रहती हैं। तभी तो उन्हें पंजाब की ऐश्वर्या राय भी कहा जाता है, जिनका अब सादे- से कुर्ता सेट में बेहद सुंदर लुक देखने को मिला। जिसे उन्होंने सादगी और एलिगेंस के साथ स्टाइल किया, जो उनकी ब्यूटी को और बढ़ा गया। जिससे इंस्पायर होकर आप भी अपने देसी लुक को सबसे स्टनिंग बना सकती हैं। सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने वाली 34 साल की हिमांशी ने अपनी सूट में कई सारी फोटोज शेयर की है। जिसे स्टाइल करने का उनका अंदाज प्यारा लगा। जिसके लिए उन्होंने ज्यादा एफर्ट्स नहीं किए, लेकिन फिर भी वह अपनी छाप छोड़ने में सफल रही। तभी तो फोटोज सामने आने के बाद से ही लोग उनकी ब्यूटी पर लट्टू हो गए हैं। आरी एम्ब्रॉयडरी हाथ से की जानी बेहद बारीक और नाजुक कढ़ाई की तकनीक है, जिसे सुई की बजाए खास आरी हुक जैसे सुईनुमा औजार से किया जाता है। धागा कपड़े के नीचे रहता है, जिसे हुक की मदद से ऊपर की तरफ खींचकर डिजाइन बनाया जाता है। जिससे कपड़े पर महीन कढ़ाई बनती है। इस कढ़ाई का संबंध पारंपरिक कश्मीरी कढ़ाई से है, जहां ये काफी प्रसिद्ध रही है।

युद्धाभ्यास — भारत के साथ जापान, अमेरिका और आस्ट्रेलिया भी शामिल

सेना ने क्वाड देशों के साथ शुरु किया सैन्य युद्धाभ्यास

रणनीतिक गठबंधन है क्वाड

क्वाड समूह भारत के लिए महत्वपूर्ण रणनीतिक गठबंधन है, जो हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती सैन्य गतिविधियों-खासकर भारतीय महासागर क्षेत्र, एलएसी पर और अरुणाचल प्रदेश को लेकर उसके दावों का मुकाबला करने में मदद करता है। भारतीय सेना आधुनिक बहु-क्षेत्रीय खतरों के लिए प्रशिक्षित है और विश्वसनीय क्वाड भागीदारों के साथ सैन्य सहयोग को गहरा कर रही है, ताकि क्षेत्रीय स्थिरता सुनिश्चित हो सके। इसी बीच पाकिस्तान ने अरब सागर क्षेत्र में 24-25 फरवरी 2026 को नौसैनिक फायरिंग एक्सरसाइज की अधिसूचना जारी की है।

नई दिल्ली, जेएनएन। भारतीय सेना ने क्वाड (भारत, जापान, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया) के प्रमुख भागीदारों जापान और अमेरिका के साथ दो बड़े हाई एल्टीट्यूड वाले सैन्य अभ्यास शुरू कर दिया है। ये युद्धाभ्यास क्षेत्रीय सुरक्षा चुनौतियों, विशेष रूप से चीन की बढ़ती आक्रामकता के खिलाफ तैयारियों को मजबूत करने और सहयोग बढ़ाने के उद्देश्य से किए जा रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद आयोजित इन युद्धाभ्यासों का मुख्य उद्देश्य उच्च ऊंचाई वाले क्षेत्रों में आतंकवाद विरोधी अभियानों और शहरी युद्ध कौशल को मजबूत करना है। भारत और जापान के बीच धर्म गार्जियन का 7वां संस्करण चौबटिया में आयोजित होगा, जबकि अमेरिका के साथ वज्र प्रहार बकलोह के चुनौतीपूर्ण पहाड़ी इलाकों में चलेगा। ये अभ्यास क्वाड देशों के बीच बेहतर सैन्य समन्वय और रणनीतिक तैयारियों को परखने के लिए किए जा रहे हैं। भारत और जापानी सेना के बीच धर्म गार्जियन 2026 अभ्यास 24 फरवरी से 9 मार्च तक चलेगा।

दैनिक जागरण वर्गीकृत

अण्डा

BHOPAL EGG RATE 480/-
Rate Suggested by RS Agro P.I.P.L. and Associated Poultry farmers.

सलाह

पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी भी विज्ञापन पर कार्रवाई करने से पूर्व आवश्यक/सम्पूर्ण जानकारी कर लेवें। यह समाचार पत्र विज्ञापनदाता द्वारा किये गये किसी भी प्रकार के दावे/प्रस्तुतीकरण के लिए जिम्मेदार नहीं है। -व्यवस्थापक

अनूपपुर में पटवारी सामूहिक इस्तीफा देने की तैयारी में

जागरण, अनूपपुर। जिले में पटवारी संघ और जिला प्रशासन के बीच गतिरोध बढ़ गया है। पिछले 12 दिनों से कलमबंद हड़ताल पर बैठे पटवारियों के समर्थन में तहसीलाध्यक्ष ने अब सामूहिक इस्तीफा सौंपने का फैसला किया है। यह कदम प्रशासन द्वारा जारी नोटिस और कार्रवाई की चेतावनी के बाद उठाया है। सोमवार को जिले की सभी तहसीलों के अध्यक्षों ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने स्पष्ट किया कि भय के माहौल में काम करना संभव नहीं है।

चौराहों पर अब हाई रेजोल्यूशन ड्रोन से नजर

जागरण, इंदौर। ट्रैफिक नियमों को तोड़ने वालों पर अब पुलिस हाई रेजोल्यूशन ड्रोन से भी नजर रख रही है। फिर चाहे वह सिग्नल तोड़ना हो या, लेफ्ट टर्न बाधित करना हो या रोड बाधित करना हो। ट्रैफिक पुलिस ड्रोन से चौराहों पर नजर रखने के साथ ही ऐसे वाहन चालकों पर नजर भी रख रही है। ड्रोन कैमरे की मदद से ट्रैफिक पुलिस अब तक पुलिस 111 लोगों पर कार्रवाई कर चुकी है।

"ट्वीट ऑफ द डे"

अखिल गोगोई
रायजोर दल प्रमुख

मैं अभी भी गठबंधन को लेकर उम्मीद रखता हूं, लेकिन फैसले एकतरफा तौर पर थोपे नहीं जा सकते। कोई भी गठबंधन आपसी सम्मान और आम सहमति पर आधारित होना चाहिए। कांग्रेस ने अभी तक हमारी पार्टी को कोई अंतिम फैसला नहीं बताया है। अगर हमें विपक्षी गठबंधन से बाहर रखा गया, तो इसका उल्टा असर हो सकता है।

पश्चिमी विक्षोभ का असरः अब दिन में बढ़ेगी गर्मी, होली तक रातें रहेंगी ठंडी

शिवपुरी में गिरे ओले, जबलपुर में हुई बारिश, भोपाल में हल्के बादल छाए

नगर संवाददाता, भोपाल। मध्य प्रदेश में पश्चिमी विक्षोभ का असर एक बार और देखने को मिला। सोमवार दोपहर को शिवपुरी जिले में जहां ओलावृष्टि हुई वहीं जबलपुर में तेज हवा के साथ बारिश हुई। साथ में राजधानी भोपाल में हल्के बादल छाए रहे। मौसम विभाग से मिली जानकारी अनुसार मध्य प्रदेश में लो-प्रेशर एरिया और एक ट्रफ की वजह से फरवरी में चौथी बार बारिश हुई। शिवपुरी में भारी ओले गिरे, साथ में बारिश भी हुई। बेमौसम बारिश और ओले गिरने से सरसों, चना, गेहूं और टमाटर की खड़ी फसलों को काफी नुकसान हुआ। जानकारी के मुताबिक, जिले की पिछोर, करैरा, नरवर और शिवपुरी तहसीलों में बारिश हुई। लालगढ़, रायश्री और टोंगरा गांवों में भारी ओले गिरे। इन गांवों में खेतों में बड़े-बड़े ओले गिरे। हालात यह रहे कि खेत पूरी तरह ओलों की सफेद चादर से ढक गए।

शिवपुरी में भारी ओले के साथ बारिश होने के कारण सरसों, चना, गेहूं और टमाटर की खड़ी फसलों को काफी नुकसान हुआ है।

जबलपुर में आंधी के बाद बारिश

इस बीच, सोमवार शाम को जबलपुर में मौसम ने अचानक करवट ली। दोपहर तक धूप खिली रही, लेकिन शाम होते-होते आसमान में बादल छा गए। धूल भरी आंधी के साथ तेज हवाएं चलने लगीं। थोड़ी देर बाद बूंदाबांदी शुरू हो गई। सीधी में भी दोपहर में भारी बारिश हुई। मौसम विभाग ने अगले कुछ घंटों में मऊगंज, सीधी और सिंगरौली में बारिश का अलर्ट जारी किया है। यहां हवा की स्पीड 50 किलो मीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। ग्वालियर, मुरैना, रीवा, बड़वानी, धार, दतिया, सीधी, खरगोन, सागर और दमोह में भी आंधी-तूफान और बारिश की उम्मीद है।

लो प्रेशर एरिया सक्रिय

मौसम केंद्र भोपाल के अनुसार, दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक लो प्रेशर एरिया एक्टिव है। वहीं, यहां से एक ट्रफ लाइन भी गुजर रही है, जिसका असर एमपी में भी रहेगा। सोमवार को इसी सिस्टम के कारण शिवपुरी में ओलावृष्टि हुई है। मौसम विभाग ने पहले 22 फरवरी को एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र को प्रभावित करने का अलर्ट जारी किया था, लेकिन यह सिस्टम आगे बढ़ गया। इसी बीच लो प्रेशर एरिया और ट्रफ की एक्टिविटी शुरू हो गई। इसके चलते सोमवार को बारिश हुई है।

30 डिग्री पहुंचा दिन का पारा

फरवरी के 23 दिन गुजरने के बाद अब मौसम बदलने लगा है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार अब दिन का पारा बढ़ेगा। होली तक रातें ठंडी रहेंगी, उसके बाद रात में तापमान बढ़ने लगेगा और इससे गर्मी का मौसम तैयार होगा। सोमवार को प्रदेश के अधिकांश जिलों में दिन का अधिकतम तापमान 30 डिग्री के ऊपर रहा। रात का न्यूनतम पारा 14 डिग्री तक रहा। राजधानी भोपाल की बात करें तो यहां दिन का अधिकतम तापमान 31 डिग्री रहा और रात में पारा 14.4 डिग्री रहा।

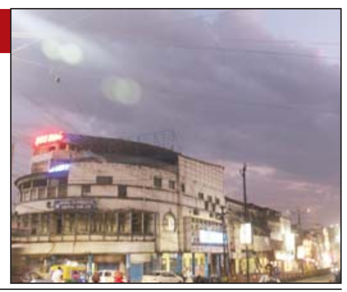

भोपाल में सीएम आज दो ट्रेनों को दिखाएंगे हरी झंडी

नगर संवाददाता, भोपाल। भोपाल से चलने वाली जिन दो नई ट्रेनों की घोषणा कुछ महीने पहले रेल मंत्री द्वारा की गई थी, वह अब शुरू होने जा रही हैं। मंगलवार को भोपाल में दोनों ट्रेनों का शुभारंभ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया जाएगा। इस कार्यक्रम में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव वर्चुअली रूप से जुड़ेंगे। रेलवे से मिली जानकारी अनुसार 24 फरवरी को भोपाल स्टेशन से दो नई ट्रेनों भोपाल-धनबाद एक्सप्रेस एवं भोपाल-चौपन एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई जाएगी। दोनों ट्रेनों के शुभारंभ का कार्यक्रम शाम 7.30 बजे आयोजित किया है।

नियमित रूप से यह रहेगा समयः नई ट्रेन भोपाल-धनबाद-भोपाल त्रि साप्ताहिक एक्सप्रेस नियमित रूप से 27 फरवरी को भोपाल से एवं 1 मार्च को धनबाद से चलेगी। जबकि भोपाल-चोपन-भोपाल नई साप्ताहिक ट्रेन नियमित रूप से 1 मार्च को भोपाल से एवं 2 मार्च को चोपन से चलेंगी। इस दोनों नई गाड़ी में 1 प्रथम श्रेणी एसी, 2 द्वितीय श्रेणी एसी, 6 थर्ड एसी, 7 स्लीपर, 4 सामान्य श्रेणी, 1 एसएलआरडी एवं 1 जनरेटरकार सहित कुल 22 एलएचबी कोच होंगे।

भोपाल-धनबाद नियमित समय सारणीः गाड़ी संख्या 11631 भोपाल-धनबाद त्रिसाप्ताहिक एक्सप्रेस भोपाल से सोमवार, गुरुवार एवं शुक्रवार को रात 8.55 बजे प्रस्थान कर विदिशा 8.36 बजे आगमन कर अगले दिन रात 8.20 बजे धनबाद पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 11632 धनबाद-भोपाल एक्सप्रेस धनबाद से 7.20 बजे प्रस्थान कर अगले दिन विदिशा 5.40 बजे आगमन कर 7. बजे भोपाल पहुंचेगी।

भोपाल-चोपन नियमित समय सारणीः गाड़ी संख्या 11633 भोपाल-चोपन साप्ताहिक एक्सप्रेस भोपाल से रविवार को रात 8.55 बजे प्रस्थान कर विदिशा 8.36 बजे आगमन कर अगले दिन 10.50 बजे चोपन पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 11634 चोपन-भोपाल साप्ताहिक एक्सप्रेस चोपन से सोमवार शाम 5.10 बजे प्रस्थान कर अगले दिन विदिशा 5.40 बजे आगमन कर 7. बजे भोपाल पहुंचेगी।

ऑनलाइन टिकट बुकिंग शुरू

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने बताया कि इन नई ट्रेनों से क्षेत्र के यात्रियों को मध्यप्रदेश और झारखंड के बीच सुगम, सुरक्षित एवं किफायती रेल यात्रा की सुविधा प्रदान होगी। नियमित समय-सारणी के जारी होने से यात्रियों को अपनी यात्रा की बेहतर योजना बनाने में सुविधा होगी। इन ट्रेनों की अग्रिम आरक्षण बुकिंग प्रारम्भ हो चुकी है यात्रीगण उपलब्ध सीटों पर आरक्षण सुविधा का लाभ लेकर यात्रा कर सकतें है।

संक्षिप्त खबरें

टोल के पास चलती कार बनी आग का गोला

जागरण, जबलपुर। जिला मुख्यालय से करीब 30 किलोमीटर दूर गोसलपुर टोल नाके के पास चलती कार में अचानक आग लग गई। टोल नाका पार करते ही कार में धुआं उठने लगा और देखते ही देखते आग भड़क गई। सोमवार दोपहर जबलपुर से सिहोरा की ओर जा रही इस कार में दो लोग सवार थे। आग लगते ही चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए वाहन को सड़क किनारे रोका और साथी के साथ तुरंत बाहर निकल गया। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम और गोसलपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक कार काफी हद तक जल चुकी थी। वाहन किसका है इसकी जानकारी फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस ने आग लगने के कारणों की जांच शुरू कर दी है। राहत की बात यह रही कि घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

भिंड में अवैध डेयरी से पकड़ाया मिलावटी मावा

जागरण, भिंड। जिले के मौ में खाद्य सुरक्षा विभाग ने अवैध डेयरी पर छापा मारा। कार्रवाई के दौरान मिलावटी मावा बनाने का कारोबार पकड़ाया है। आरोपी दूध से क्रीम निकालकर उसमें रिफाइंड-पामोलिन ऑयल और ड्राय ग्लूकोज पाउडर मिलाकर मावा तैयार करते थे। मौके से बड़ी मात्रा में मावा, दूध और मिलावटी सामग्री जब्त कर नमूने जांच के लिए भेजे गए हैं। डेयरी संचालक लल्लू सिंह परिहार के पास फूड लाइसेंस भी नहीं मिला। अधिकारियों ने कहा कि रिपोर्ट आने के बाद नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

परीक्षा दे रही छात्रा की जैकेट से निकले 49 पन्ने

जागरण, ग्वालियर। जिले में सोमवार को 12वीं कक्षा की बायोलॉजी विषय की परीक्षा के दौरान एक छात्रा को नकल करते पकड़ा। कैमरे की निगरानी में पकड़ी गई छात्रा के जैकेट से 49 पन्ने बरामद हुए, जिन पर दोनों तरफ लिखा हुआ था। छात्रा के खिलाफ नकल प्रकरण दर्ज कर उसकी इस विषय की परीक्षा रद्द कर दी। परीक्षा में कुल 5286 परीक्षार्थियों को शामिल होना था, जिनमें से 112 अनुपस्थित रहे। संभागीय अधिकारी मारुति सोमकुंवर ने बताया कई परीक्षा केंद्रों पर कैमरों से निगरानी की जा रही थी। इसी दौरान शहर के हजीरा इलाके में स्थित केएसपीएस स्कूल के एक परीक्षा केंद्र में कैमरे में एक छात्रा संदिग्ध गतिविधि करती नजर आई। जांच के दौरान छात्रा की जैकेट के अंदर से 49 पन्ने मिले।

रश्मिक-विजय देवरकोंडा उदयपुर पहुंचे, 26 फरवरी को लेंगे फेरे

उदयपुर, जेएनएन। साउथ इंडियन फिल्मों के एक्टर विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना सोमवार को उदयपुर पहुंचे। यहां से सीधे होटल के लिए रवाना हो गए। 26 फरवरी को ये कपल शादी करने जा रहा है। उदयपुर-नाथद्वारा हाईवे पर कैलाशपुरी में आईटीसी मोमेंटोज होटल में दोनों सात फेरे लेंगे। होटल की बुकिंग 24 से 26 फरवरी तक के लिए हुई है। शादी में करीब 230 गेस्ट शामिल होंगे। मेहमान 24 फरवरी को होटल में चेक-इन करेंगे। एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना सोमवार सुबह करीब 10 बजे उदयपुर के डबोक एयरपोर्ट पहुंचीं। सोमवार सुबह दोनों अलग-अलग फ्लाइट से उदयपुर पहुंचे। करीब 10 बजे रश्मिका और उसके करीब 15 मिनट बाद विजय आए। यहां से दोनों एक साथ होटल के लिए रवाना हुए। रश्मिका ब्लू सूट में और काला चश्मा लगाकर बाहर आईं। विजय ने ब्लैक जैकेट पहनी थी। शादी का एक कार्ड भी वायरल हुआ था। 3 और 4 मार्च को हैदराबाद में रिसेप्शन देंगे, जिसमें फिल्म इंडस्ट्री की कई हस्तियां शामिल होंगी। यह रिसेप्शन हैदराबाद या बंजारा हिल्स की किसी प्रीमियम लोकेशन पर होने की चर्चा है।

नरसिंहपुर में पिकअप पलटने से तीन की मौत

जागरण, नरसिंहपुर। शहर में निर्माणाधीन ब्रिज के डिवाइडर से टकराने के बाद एक पिकअप वाहन पलट गया। इस हादसे में तीन मजदूरों की मौत हो गई, जबकि 7 अन्य घायल हो गए। इनमें 3 की हालत गंभीर है। वाहन में कुल 10 मजदूर सवार थे। ये सभी छिंदवाड़ा जिले के सुरला खापा गांव के निवासी हैं, जो नरसिंहपुर के राजमार्ग क्षेत्र में जारी निर्माण कार्य के लिए जा रहे थे। सूआतला थाना पुलिस के अनुसार, हादसा सोमवार सुबह 11.30 बजे बरमान चौकी क्षेत्र में नेशनल हाईवे 44 पर हुआ। करेली अस्पताल के ड्यूटी डॉक्टर ओम बरोदिया ने बताया कि 7 मरीज इलाज के लिए सिविल अस्पताल लाए गए थे, इनमें से 3 गंभीर मरीजों को जिला अस्पताल रेफर किया गया है। पुलिस का कहना है कि घायलों के मोबाइल से संपर्क कर उनके परिजन को बुलाया है। थाना प्रभारी प्रियंका केवट ने बताया कि प्रारंभिक जांच में वाहन का अनियंत्रित होना दुर्घटना की वजह माना जा रहा है। दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी। एक घायल ने अस्पताल ले जाते वक्त दम तोड़ दिया।

दतिया में लिपिक ने खुदकुशी से पहले वीडियो में सीएमओ पर लगाए आरोप

ट्रेंचिंग ग्राउंड पर कचरा गाड़ी गिनने की लगाई थी ड्यूटी

जागरण, दतिया। प्रदेश के दतिया नपा में पदस्थ एक लिपिक (बाबू) दिलीप सिंह गौड़ ने उप्र के झांसी में खुदकुशी कर ली। आत्महत्या से पहले बनाए एक वीडियो में उन्होंने अपनी मौत के लिए उच्च अधिकारियों को सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया है। वीडियो में लिपिक ने नपा के सीएमओ (मुख्य नगरपालिका अधिकारी) नागेंद्र सिंह गुर्जर और दो अन्य कर्मचारियों पर मानसिक रूप से प्रताड़ित करने के आरोप लगाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि लिपिक के पद पर होने के बावजूद उन्हें ट्रेंचिंग ग्राउंड (कचरा डंपिंग यार्ड) पर तैनात कर दिया था, जहां उनसे कचरा गाड़ियों की गिनती जैसा कार्य कराया जा रहा था, उनके अनुसार, यह कार्य उनके पद की गरिमा के अनुरूप नहीं था। मृतक ने वीडियो में यह भी खुलासा किया कि जब वे मानसिक तनाव से तंग आकर किसी अन्य शाखा में स्थानांतरण (ट्रांसफर) का आवेदन लेकर सीएमओ के पास पहुंचे, तो उनकी बात सुनने के बजाय उनके साथ अभद्र व्यवहार किया गया, जिससे वे बेहद आहत थे। दिलीप सिंह ने प्रशासन से पुरजोर मांग की कि उनकी मौत के बाद इन दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए।

सीएमओ ने आरोपों को बताया निराधारः लिपिक के परिजनों ने बताया कि दिलीप पिछले काफी समय से दफ्तर के माहौल और कार्यस्थल की परिस्थितियों को लेकर मानसिक तनाव में थे। उन्होंने निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए दोषियों को सजा दिलाने की अपील की है। सीएमओ नागेंद्र सिंह गुर्जर ने इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज कर निराधार बताया है।

डिंडौरी में फांसी पर लटका मिला शिक्षक का शव

जागरण, डिंडौरी। जिले के अमरपुर चौकी मुख्यालय में संचालित शासकीय आईटीआई भवन के कमरे में एक शिक्षक का शव सोमवार की सुबह फांसी पर लटका मिला। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। चौकी प्रभारी अतुल हरदहा ने बताया कि मृतक अनिल आदिवासी मूलतः शिवपुरी जिले के रहने वाले थे। वे आईटीआई अमरपुर में शिक्षक के पद पर पदस्थ थे और आईटीआई भवन में ही एक कमरे में अकेले रह रहे थे, उनका विवाह नहीं हुआ था। आईटीआई स्टाफ ने सुबह सूचना दी कि संबंधित शिक्षक न तो दरवाजा खोल रहे हैं और न ही फोन रिसीव कर रहे हैं। पुलिस मौके पर पहुंची और दरवाजा खोलकर देखा तो शिक्षक गमछे के सहारे पंखे पर फांसी पर लटके हुए नजर आए। पुलिस ने मृतक का मोबाइल भी मौके से जब्त किया है। फिलहाल शिक्षक के फांसी लगाने के कारणों का पता नहीं चला है।

भोजशाला विवादः हाई कोर्ट ने कहा- दो सप्ताह में दें सिफारिशें, सुनवाई 16 मार्च को

एएसआई सर्वे रिपोर्ट पर मांगे आपत्तियां-सुझाव

जागरण, इंदौर। धार स्थित भोजशाला मामले में मप्र हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने सभी याचिकाकर्ताओं और प्रतिवादियों को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की सर्वे रिपोर्ट पर दो सप्ताह के भीतर आपत्तियां, सुझाव और सिफारिशें प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। मामले की अगली सुनवाई 16 मार्च को तय की गई है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पाया कि एएसआई की रिपोर्ट पहले ही खोली जा चुकी हैं और उसकी प्रतियां याचिकाकर्ताओं को उपलब्ध करा दी हैं। ऐसे में रिपोर्ट को दोबारा कोर्ट के समक्ष अनसील करने की आवश्यकता नहीं है। हाईकोर्ट ने सभी पक्षों को निर्देशित किया कि वे एएसआई की 98 दिन तक चली वैज्ञानिक जांच रिपोर्ट पर अपनी लिखित आपत्तियां और सुझाव अगली सुनवाई से पहले दाखिल करें। हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस की ओर से अधिवक्ता विनय जोशी ने कहा, कोर्ट के निर्देशानुसार हम दो सप्ताह के भीतर एएसआई रिपोर्ट पर अपनी आपत्तियां और सुझाव प्रस्तुत करेंगे। अब 16 मार्च को होने वाली सुनवाई में सभी पक्षों द्वारा दाखिल जवाबों पर विचार किया जाएगा, जिसके आधार पर आगे की कार्यवाही तय की जाएगी। मालूम हो कि 22 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट ने मप्र हाई कोर्ट की इंदौर बेंच को तीन हफ्ते के भीतर सुनवाई आगे बढ़ाने के निर्देश दिए थे। इससे पहले सर्वे के बाद की कानूनी प्रक्रिया पर कुछ समय के लिए रोक लगी थी। अब वह रोक हट चुकी है और रिपोर्ट पर सुनवाई का रास्ता साफ हुआ है। भोजशाला परिसर विवाद मामले को मप्र हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ से जबलपुर प्रिंसिपल बेंच में ट्रांसफर कर दिया था। पूजा के अधिकार बनाम नमाज की अनुमति से जुड़े इस संवैधानिक प्रकरण पर 18 फरवरी को चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा और जस्टिस विनय सराफ की डिवीजन बेंच ने सुनवाई की और प्रकरण को वापस इंदौर बेंच ट्रांसफर कर दिया।

बड़े प्रोजेक्ट की सतत निगरानी करें अधिकारी :गोविल

विसं भोपाल। कैबिनेट सचिवालय सचिव समन्वयक मनोज कुमार गोविल ने राज्य शासन के अधिकारियों से कहा है कि वे प्रदेश में रहे रहे रेल,सड़क सहित अधोसंरचना के बड़े प्रोजेक्ट पर सतत निगरानी रखें और उन्हें समय पर कराया जाए। इस मौके पर मुख्य सचिव अनुराग जैन ने भी अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए। मंत्रालय में सोमवार को मुख्य सचिव जैन और सचिव समन्वयक गोविल ने विभागीय अधिकारियों के साथ संयुक्त बैठक की और केंद्र के महत्वपूर्ण 11 प्रोजेक्ट की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि समय-सीमा अनुसार परियोजनाओं का क्रियान्वयन करें और पी.एम गति शक्ति पोर्टल पर प्रगति रिपोर्ट से नियमित अवगत कराएं। पमुख्य सचिव जैन ने जबलपुर में प्रस्तावित 100 बिस्तरीय ई.एस.आई अस्पताल के लिए शीघ्र ही भूमि आवंटन के लिए आवेदन देने के श्रम विभाग को निर्देश दिए और कहा कि आवेदन प्राप्त होने के दो-तीन माह में भूमि आवंटन की प्रक्रिया पूर्ण कर ली जाए। इस दौरान इंदौर-बुधनी नई रेललाइन, रामगंज मंडी से भोपाल नई रेललाइन परियोजना, सतना-रीवा रेल्वेलाइन के दोहरी करण कार्य, इटारसी-नागपुर तीसरी रेल लाइन, रतलाम-महू-खंडवा अकोला गेज परिवर्तन कार्यों की गहन समीक्षा की गयी। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि वे भूमि अधिग्रहण के सभी प्रकरणों के निराकरण और उनमें पारित मुआवजा राशि के वितरण कार्य को समय-सीमा में पूर्ण करें। उन्होंने विभिन्न विभागों के बीच अनुमतियों आदि के लिए लगने वाले समय को न्यूनतम करने के भी निर्देश दिएं। बैठक में शाहगंज बायपास से बाड़ी सेक्शन के फोर-लाइन प्रोजेक्ट की डिजाइन की समीक्षा की गई तथा अब तक भूमि के अधिग्रहण और पारित मुआवजा राशि के वितरण की जानकारी प्राप्त की गई। इस दौरान इंदौर वेस्टर्न सिक्स लाइन बायपास निर्माण कार्य की समीक्षा की गई और धार कलेक्टर तथा उद्योग विभाग को लंबित भू-अधिग्रहण प्रकरणों को समन्वय कर निपटाने के निर्देश दिए गए।

हाउसिंग

24,120 करोड़ की बिक्री के साथ गुरुग्राम ने आवास के मामले में मुंबई को पीछे छोड़ा

गुरुग्राम बना सबसे बड़ा अल्ट्रा-लक्जरी हाउसिंग मार्केट

मुंबई/गुरुग्राम, जेएनएन। देश के लक्जरी रियल एस्टेट बाजार में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। 2025 में 10 करोड़ रुपये और उससे अधिक कीमत वाले अल्ट्रा-लक्जरी घरों की बिक्री में गुरुग्राम ने मुंबई को पीछे छोड़ दिया है। गुरुग्राम में इस सेगमेंट में कुल 24,120 करोड़ रुपये की बिक्री दर्ज की गई, जबकि मुंबई में यह आंकड़ा 21,902 करोड़ रुपये रहा। यह आंकड़े इंडिया सोथबीज इंटरनेशनल रियल्टी और सीआरई मैट्रिक्स की संयुक्त रिपोर्ट में सामने आए हैं। लंबे समय से मुंबई देश के सबसे महंगे और प्रतिष्ठित रियल एस्टेट बाजार के रूप में शीर्ष पर रहा है, लेकिन 2025 में पहली बार गुरुग्राम ने इस स्थिति को बदल दिया। रिपोर्ट के अनुसार, 2025 में गुरुग्राम में 10 करोड़ रुपये से अधिक कीमत वाले 1,494 घर बिके। यह किसी भी 12 महीने की अवधि में शहर का अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। इसके मुकाबले मुंबई में 967 यूनिट्स की बिक्री हुई। हालांकि औसत कीमत के मामले में मुंबई अभी भी आगे है। मुंबई में एक अल्ट्रा-लक्जरी घर की औसत कीमत 22.67 करोड़ रुपये रही, जबकि गुरुग्राम में औसत कीमत करीब 16 करोड़ रुपये रही। फिर भी, यूनिट्स की अधिक संख्या और कुल बिक्री मूल्य के आधार पर गुरुग्राम शीर्ष पर पहुंच गया।

बड़े घरों की बढ़ती मांग

गुरुग्राम में औसतन 5,000 वर्गफुट आकार के घरों की मांग सबसे अधिक रही। 8,000 वर्गफुट से बड़े घरों ने कुल लेनदेन मूल्य का लगभग 22 प्रतिशत हिस्सा हासिल किया। यह दर्शाता है कि खरीदार अब अधिक स्पेस, प्राइवेसी और एक्सक्लूसिविटी के लिए प्रीमियम कीमत चुकाने को तैयार हैं।

दो साल में दस गुना उछाल

गुरुग्राम में अल्ट्रा-लक्जरी सेगमेंट की तेजी चौंकाने वाली है। 2023 में यहां केवल 155 यूनिट्स की बिक्री हुई थी। यानी दो सालों में बिक्री लगभग दस गुना बढ़ी है। मूल्य के हिसाब से भी बाजार में छह गुना विस्तार हुआ है। 2023 में 4,004 करोड़ रुपये से बढ़कर 2025 में 24,000 करोड़ रुपये से अधिक हो गया। 2024 में यह आंकड़ा 13,383 करोड़ रुपये था।

एनसीआर का दबदबा

रिपोर्ट के मुताबिक, गुरुग्राम और मुंबई के बाद नोएडा और ग्रेटर नोएडा तीसरे स्थान पर रहे। इन दोनों शहरों में मिलाकर 9,358 करोड़ रुपये की अल्ट्रा-लक्जरी बिक्री दर्ज की गई। इसके बाद हैदराबाद (8,140 करोड़ रुपये) और बेंगलुरु (2,319 करोड़ रुपये) का स्थान रहा। इससे साफ है कि एनसीआर अब देश का सबसे बड़ा लक्जरी हाउसिंग हब बनता जा रहा है।

ये इलाके बने हॉटस्पॉट

- गुरुग्राम में द्वारका एक्सप्रेसवे, गोल्फ कोर्स रोड और गोल्फ कोर्स एक्सटेंशन रोड प्रमुख लक्जरी माइक्रो-मार्केट के रूप में उभरे हैं।
- द्वारका एक्सप्रेसवे में 2024 के मुकाबले 2025 में लेनदेन मूल्य में 2,079 प्रतिशत की जबरदस्त वृद्धि दर्ज की गई। यह 383 करोड़ रुपये से बढ़कर 8,347 करोड़ रुपये पहुंच गया।
- गोल्फ कोर्स एक्सटेंशन रोड पर भी 379 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। यहां प्रति वर्गफुट औसत कीमत 24,855 रुपये से बढ़कर 37,899 रुपये तक पहुंच गई।
- पारंपरिक प्रीमियम इलाके जैसे गोल्फ कोर्स रोड पर सीमित नई सप्लाई के कारण अपेक्षाकृत स्थिर गतिविधि रही।

राजीव गांधी आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय,भोपाल
ई-8, त्रिलंगा कॉलोनी, शाहपुरा, भोपाल-462039(म.प्र.)
दूरभाष : 9201337746

क्र.	पद	विषय
1.	प्रोफेसर/रीडर	रोग निदान एवं विकृति विज्ञान
2.	व्याख्याता	कौमारभृत्य

वेतन एवं अन्य नियम : भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग नई दिल्ली के अनुसार

आज्ञानुसार
अध्यक्ष/सचिव
राजीव गांधी आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय, भोपाल

RAJEEV GANDHI COLLEGE, BHOPAL
Run By Chouhan Education Society
(Affiliated to Barkatullah University, Bhopal & Recognized by NCTE, New Delhi)
Application are invited for the appointment under college code 28 of the University.

	Post	No. of Post
1.	Assistant Professor (M.Ed.)	02
2.	Assistant Professor (B.Ed.)	06

Qualification : NCTE Norms / As per UGC
Salary : As per UGC /NCTE Norms
The application with complete details/Bio-data should reach by the following address by post or e-mail, E-8-Trilanga- Colony, Shahpura, Bhopal-462039 (M.P.) Phone No.: 0755-2561353,Email: chairmanrgc@rediffmail.com
Secretary

मुद्रक एवं प्रकाशक **राजीव मोहन गुप्त** द्वारा जागरण पब्लिकेशन्स प्रा. लि. हेतु 'दैनिक जागरण प्रेस' 33, जागरण भवन, प्रेस काम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल, मध्यप्रदेश -462011 (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. 1573/57, पंजीयन संख्या 7 म.प्र., **संस्थापक : स्व. गुरुदेव गुप्त,** संपादक : **राजीव मोहन गुप्त,** स्थानीय संपादक : **हरिमोहन गुप्त** फोन : **कार्या.** : 0755-6723200 **E-mail :** modemdj@gmail.com।